Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

ای دو یار زندانم آیا پروردگارانی پراکنده بهترند یا خداوند یگانه سخت‌گیر

ఆఏకోపాస్య దేవర కాకుండా నాకు వేరే-నత్తగుల్ల-లాయిలప్పులు-కావాలా?.

Do i need a Weak God?

Yusuf (12:39)

يَٰصَٰحِبَىِ ٱلسِّجْنِ ءَأَرْبَابٌ مُّتَفَرِّقُونَ خَيْرٌ أَمِ

Aal-i-Imraan (3:85)ﷺ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

ٱللَّهُ ٱلْوَٰحِدُ ٱلْقَهَّارُ

Prophet Joseph ﷺasked....

"O two companions of the prison! Are many different lords (gods) better or Allah,ﷻ the One, the Irresistible?

হে কারাগারের সঙ্গীরা! পৃথক পৃথক অনেক উপাস্য ভাল, না পরাক্রমশালী এক আল্লাহﷻ?

ऐ कारागर के मेरे साथियों! क्या अलग-अलग बहुत-से रह अच्छे है या अकेला अल्लाहﷻ जिसका प्रभुत्व सबपर है?

ای دو یار زندانم آیا پروردگارانی پراکنده بهترند یا خداوند یگانه سخت‌گیر

लारा लप्पा लारा लप्पा लाई रखदा

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

अडी टप्पा अडी टप्पा लाई रखदा

ओ देकर झूठे लारे ...

आजकल के जेंटलमैन

रहते हैं हरदम बेचैन

खाली जेब मटकते नैन

काम करे ना काज

फिर भी अकड़ दिखाए

ओ बाबूजी फिर भी अकड़ दिखाए

समझ न आए रे

आजकल की नारियाँ

हैं मुफ्त की बीमारीयाँ

रातदिन मर्दों से लड़ने की करे तैयारियाँ

काम कुछ करती नहीं और बांधती हैं साड़ियां

लारा लप्पा लारा लप्पा लाई रखदी.....

Caution:_

SACRILEGE, BLASHPHEMY leads to HELL.

Allaahu .s.w.t. Is neither Parwardegar Nor Khuda, nor ...Miyyah

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

There are the most beautiful Asmaaul_Husnaa_for invocation,Those who use Majoisy Raafedy Jeheemy terminology to describe islaam will get a befitting Punishment Later on ..SAUFA تعلمونT'ALAMOON(know) wa SAUFAتألمون talamoon(Feel the pain of Torment)

Read Allah as Allaahu .s.w.t.

Read Namaz as AsSalah, Roza As AsSaum,

Darood as AsSalaatu wAsSalaam, etc

None has the right to Change The Divine Quraanic Istelahaat.i.e,Technical Terms Prescribed by AlMighty ..

****

Contents.....

Aal-i-Imraan (3:85)ﷺ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

AsShuaraa-The Poets.

Powerof Allaahu.swt.

Other Entities as gods

Tauheed..Monotheism...

Your only god is Allaahu..swt....

Prophets are humans..

Masulaat..

AlQiyaamah...the final Doom....

What am i waiting for...

Plans of infidels..

Warnings..

Repentance...
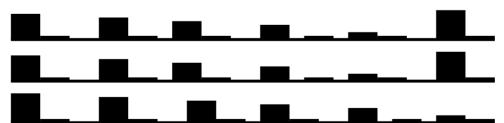
Unthinkable_inconceivable....

A God besides Allaahu,swt.?????....how

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

come????? My delusion at its Zenith.???????

An-Naml (27:59)

بسم الله الرحمن الرحيم
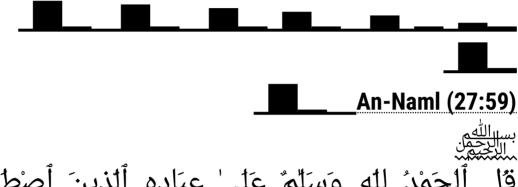
قُلِ ٱلْحَمْدُ لِلَّهِ وَسَلَٰمٌ عَلَىٰ عِبَادِهِ ٱلَّذِينَ ٱصْطَفَىٰٓ ۗ ءَآللَّهُ خَيْرٌ أَمَّا يُشْرِكُونَ

Say (O Muhammad SAW): "Praise and thanks be to Allahﷻ, and peace be on His slaves whom He has chosen (for His Message)! Is Allahﷻ better, or (all) that you ascribe as partners (to Him)?" (Of reality,Certainly, Allahﷻ is the only Best).

বল, সকল প্রশংসাই আল্লাহর এবং শান্তি তাঁর মনোনীত বান্দাগণের প্রতি! শ্রেষ্ঠ কে? আল্লাহ না ওরা-তারা যাদেরকে শরীক সাব্যস্ত করে।

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

कहो, "प्रशंसा अल्लाह के लिए है और सलाम है उनके उन बन्दों पर जिन्हें उसने चुन लिया। क्या अल्लाह अच्छा है या वे जिन्हें वे साझी ठहरा रहे है?

بگو سپاس خدا را و سلام بر بندگان او که برگزیده است آیا خدا بهتر است یا آنچه شرک می‌ورزند

An-Naml (27:60)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمَّنْ خَلَقَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ وَأَنزَلَ لَكُم مِّنَ ٱلسَّمَآءِ مَآءً فَأَنۢبَتْنَا بِهِۦ حَدَآئِقَ ذَاتَ بَهْجَةٍ مَّا كَانَ لَكُمْ أَن تُنۢبِتُوا۟ شَجَرَهَآ أَءِلَٰهٌ مَّعَ ٱللَّهِ بَلْ هُمْ قَوْمٌ يَعْدِلُونَ

Is not Heالله جل جلاله (better than your gods) Who created the heavens and the earth, and sends down for you water (rain) from the sky, whereby Weالله جل جلاله cause to grow wonderful gardens full of beauty and delight? It is not in your ability to cause the growth of their trees. Is there

any ilah (god) with Allahﷻ? Nay, but they are a people who ascribe equals (to Him)!

বল তো اللهﷻকে সৃষ্টি করেছেন নভোমন্ডল ও ভূমন্ডল এবং আকাশ থেকে তোমাদের জন্যে বর্ষণ করেছেন পানি; অতঃপর তা দ্বারা আমিﷻ মনোরম বাগান সৃষ্টি করেছি। তার বৃক্ষাদি উৎপন্ন করার শক্তিই তোমাদের নেই। অতএব, আল্লাহﷻর সাথে অন্য কোন উপাস্য আছে কি? বরং তারা সত্যবিচ্যুত সম্প্রদায়।

(तुम्हारे पूज्य अच्छे है) या वहاللهﷻ जिसने आकाशों और धरती को पैदा किया और तुम्हारे लिए आकाश से पानी बरसाया; उसके द्वारा हमاللهﷻने रमणीय उद्यान उगाए? तुम्हारे लिए सम्भव न था कि तुम उनके वृक्षों को उगाते। - क्या अल्लाहﷻ के साथ कोई और प्रभु-पूज्य है? नहीं, बल्कि वही लोग मार्ग से हटकर चले जा रहे है!

یا آنکه آفرید آسمانها و زمین را و فرستاد برای شما از

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

آسمان آبی پس رویانیدیم بدان باغستانی خرّم نرسد شما را که برویانید درختش را آیا خدائی است با خدا بلکه ایشانند قومی کجروان

An-Naml (27:61)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمَّن جَعَلَ ٱلۡأَرۡضَ قَرَارٗا وَجَعَلَ خِلَٰلَهَآ أَنۡهَٰرٗا وَجَعَلَ لَهَا رَوَٰسِيَ وَجَعَلَ بَيۡنَ ٱلۡبَحۡرَيۡنِ حَاجِزًاۗ أَءِلَٰهٞ مَّعَ ٱللَّهِۚ بَلۡ أَكۡثَرُهُمۡ لَا يَعۡلَمُونَ

Is not He الله ﷻ (better than your gods) Who has made the earth as a fixed abode, and has placed rivers in its midst, and has placed firm mountains therein, and has set a barrier between the two seas (of salt and sweet water). Is there any ilah (god) with Allah ﷻ? Nay, but most of them know not.

বল তোالله ﷻ কে পৃথিবীকে বাসোপযোগী করেছেন এবং তার মাঝে মাঝে নদ-নদী প্রবাহিত করেছেন

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

এবং তাকে স্থিত রাখার জন্যে পর্বত স্থাপন করেছেন এবং দুই সমুদ্রের মাঝখানে অন্তরায় রেখেছেন। অতএব, আল্লাহﷻর সাথে অন্য কোন উপাস্য আছে কি? বরং তাদের অধিকাংশই জানে না।

या वहاللهﷻ जिसने धरती को ठहरने का स्थान बनाया और उसके बीच-बीच में नदियाँ बहाई और उसके लिए मज़बूत पहाड़ बनाए और दो समुद्रों के बीच एक रोक लगा दी। क्या अल्लाहﷻ के साथ कोई और प्रभु पूज्य है? नहीं, उनमें से अधिकतर लोग जानते ही नही!

يا آنكه گردانيد زمين را آرامشگاهي و گردانيد ميان آن جويهائى و گردانيد براى آنها لنگرهايى و گردانيد ميان دو دريا فاصلى (ديوارى) آيا خدائى است با خدا بلكه بيشترشان نمى‌دانند

An-Naml (27:62)

﷽

أَمَّن يُجِيبُ ٱلْمُضْطَرَّ إِذَا دَعَاهُ وَيَكْشِفُ ٱلسُّوٓءَ

Aal-i-Imraan (3:85)بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

وَيَجْعَلُكُمْ خُلَفَآءَ ٱلْأَرْضِ أَءِلَٰهٌ مَّعَ ٱللَّهِ قَلِيلًا مَّا تَذَكَّرُونَ

Is not Heﷲ ﷻ (better than your gods) Who responds to the distressed one, when he calls Him, and Who ﷻremoves the evil, and makes you inheritors of the earth, generations after generations. Is there any ilah (god) with Allahﷻ? Little is that you remember!

বল তোﷲ ﷻ কে নিঃসহায়ের ডাকে সাড়া দেন যখন সে ডাকে এবং কষ্ট দূরীভূত করেন এবং তোমাদেরকে পৃথিবীতে পুর্ববর্তীদের স্থলাভিষিক্ত করেন। সুতরাং আল্লাহﷻর সাথে অন্য কোন উপাস্য আছে কি? তোমরা অতি সামান্যই ধ্যান কর।

या वहﷲ ﷻ जो व्यग्र की पुकार सुनता है, जब वह उसे पुकारे और तकलीफ़ दूर कर देता है और तुम्हें धरती में अधिकारी बनाता है? क्या अल्लाहﷻ के साथ कोई और पूज्य-प्रभु है? तुम ध्यान थोड़े ही देते हो

Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

يا آنكه اجابت كند بيچاره را گاهي كه خواندش و بگشايد رنج را و بگرداند شما را جانشينان زمين آيا خدائى است با خدا به كمي يادآور شويد

An-Naml (27:63)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمَّن يَهْدِيكُمْ فِى ظُلُمَٰتِ ٱلْبَرِّ وَٱلْبَحْرِ وَمَن يُرْسِلُ ٱلرِّيَٰحَ بُشْرًۢا بَيْنَ يَدَىْ رَحْمَتِهِۦٓ أَءِلَٰهٌ مَّعَ ٱللَّهِ تَعَٰلَى ٱللَّهُ عَمَّا يُشْرِكُونَ

Is not He الله ﷻ (better than your gods) Who guides you in the darkness of the land and the sea, and Who ﷻ sends the winds as heralds of glad tidings, going before His Mercy (rain)? Is there any ilah (god) with Allah ﷻ? High Exalted be Allah ﷻ above all that they associate as partners (to Him)!

বল তো الله ﷻ কে তোমাদেরকে জলে ও স্থলে

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

অন্ধকারে পথ দেখান এবং যিনি তাঁর অনুগ্রহের পূর্বে সুসংবাদবাহী বাতাস প্রেরণ করেন? অতএব, আল্লাহﷻ র সাথে অন্য কোন উপাস্য আছে কি? তারা যাকে শরীক করে, আল্লাহﷻ তা থেকে অনেক ঊর্ধ্বে।

या वहاللهﷻ जो थल और जल के अँधेरों में तुम्हारा मार्गदर्शन करता है और जो अपनी दयालुता के आगे हवाओं को शुभ-सूचना बनाकर भेजता है? क्या अल्लाहﷻ के साथ कोई और प्रभु पूज्य है? उच्च है अल्लाहﷻ, उस शिर्क से जो वे करते है

یا آنکه هدایت کند شما را در تاریکیهای دشت و دریا و آنکه بفرستد بادها را مژده‌ای پیش روی رحمتش آیا خدائي است با خدا برتر است خدا از آنچه شرک ورزند

An-Naml (27:64)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمَّن يَبۡدَؤُاْ ٱلۡخَلۡقَ ثُمَّ يُعِيدُهُۥ وَمَن يَرۡزُقُكُم مِّنَ ٱلسَّمَآءِ وَٱلۡأَرۡضِۗ أَءِلَٰهٞ مَّعَ ٱللَّهِۚ قُلۡ هَاتُواْ بُرۡهَٰنَكُمۡ

إِن كُنتُمۡ صَٰدِقِينَ

Is not He الله ﷻ(better than your so-called gods) Who ﷻoriginates creation, and shall thereafter repeat it, and Who ﷻ provides for you from heaven and earth? Is there any ilah (god) with Allahﷻ? Say, "Bring forth your proofs, if you are truthful."

বল তো الله ﷻকে প্রথমবার সৃষ্টি করেন, অতঃপর তাকে পুনরায় সৃষ্টি করবেন এবং কে তোমাদেরকে আকাশ ও মর্ত?;ে কে রিযিক দান করেন। সুতরাং আল্লাহﷻর সাথে অন্য কোন উপাস্য আছে কি? বলুন, তোমরা যদি সত্যবাদী হও তবে তোমাদের প্রমাণ উপস্থিত কর।

या वहالله ﷻ जो सृष्टि का आरम्भ करता है, फिर उसकी पुनरावृत्ति भी करता है, और जो तुमको आकाश और धरती से रोज़ी देता है? क्या अल्लाहﷻ के साथ कोई और प्रभ पूज्य है? कहो, "लाओ अपना प्रमाण, यदि तुम

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

सच्चे हो।"

یا آنکه آغاز کند آفرینش را سپس برگرداندش و آنکه روزیتان دهد از آسمان و زمین آیا خدائی است با خدا بگو بیارید دستاویز خود را اگر هستید راستگویان

An-Naml (27:65)

﷽

قُل لَّا يَعۡلَمُ مَن فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلۡأَرۡضِ ٱلۡغَيۡبَ إِلَّا ٱللَّهُۚ وَمَا يَشۡعُرُونَ أَيَّانَ يُبۡعَثُونَ

Say: "None in the heavens and the earth knows the Ghaib (unseen) except Allahﷻ, nor can they perceive when they shall be resurrected."

বলুন, আল্লাহﷻ ব্যতীত নভোমন্ডল ও ভূমন্ডলে কেউ গায়বের খবর জানে না এবং তারা জানে না যে, তারা কখন পুনরুজ্জীবিত হবে।

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

कहो, "आकाशों और धरती में जो भी है, अल्लाह ﷻ के सिवा किसी को भी परोक्ष का ज्ञान नहीं है। और न उन्हें इसकी चेतना प्राप्त है कि वे कब उठाए जाएँगे।"

بگو نداند آنکه در آسمان و زمین است نهان را بجز خدا و درنیابند کی (چه هنگام) برانگیخته شوند

Nay, they are blindly doubtful of the impending Doom....

بلکه رسید دانش ایشان در آخرت بلکه ایشانند در شکی از آن بلکه ایشانند از آن کوران

An-Naml (27:66)

﷽

بَلِ ٱدَّٰرَكَ عِلْمُهُمْ فِى ٱلْءَاخِرَةِ بَلْ هُمْ فِى شَكٍّ مِّنْهَا بَلْ هُم مِّنْهَا عَمُونَ

Nay, they have no knowledge of the Hereafter. Nay, they are in doubt about it. Nay, they are blind about it.

বরং পরকাল সম্পর্কে তাদের জ্ঞান নিঃশেষ হয়ে গেছে; বরং তারা এ বিষয়ে সন্দেহ পোষন করছে বরং এ বিষয়ে তারা অন্ধ।

बल्कि आख़िरत के विषय में उनका ज्ञान पक्का हो गया है, बल्कि ये उसकी ओर से कुछ संदेह में है, बल्कि वे उससे अंधे है

بلکه رسید دانش ایشان در آخرت بلکه ایشانند در شکّی از آن بلکه ایشانند از آن کوران

Homo Sapiens...

Al-Insaan (76:1)

هَلْ أَتَىٰ عَلَى ٱلْإِنسَٰنِ حِينٌ مِّنَ ٱلدَّهْرِ لَمْ يَكُن شَيْـًٔا مَّذْكُورًا

Has there not been over man a period of time, when he was nothing to be mentioned?

মানুষের উপর এমন কিছু সময় অতিবাহিত হয়েছে যখন সে উল্লেখযোগ্য কিছু ছিল না।

क्या मनुष्य पर काल-खंड का ऐसा समय भी बीता है कि वह कोई ऐसी चीज़ न था जिसका उल्लेख किया जाता?

آیا گذشت بر انسان گاهی از روزگار که نبود چیزی یادآورده

Al-Insaan (76:2)

إِنَّا خَلَقْنَا ٱلْإِنسَٰنَ مِن نُّطْفَةٍ أَمْشَاجٍ نَّبْتَلِيهِ فَجَعَلْنَٰهُ سَمِيعًۢا بَصِيرًا

Verily, Weﷲ have created man from Nutfah drops of mixed semen (discharge of man and woman), in order to try him, so Weﷲ made him hearer, seer.

আমিﷲ মানুষকে সৃষ্টি করেছি মিশ্র শুক্রবিন্দু থেকে, এভাবে যে, তাকে পরীক্ষা করব অতঃপর তাকে করে দিয়েছি শ্রবণ ও দৃষ্টিশক্তিসম্পন্ন।

हमﷲने मनुष्य को एक मिश्रित वीर्य से पैदा किया, उसे उलटते-पलटते रहे, फिर हमﷲने उसे सुनने और देखनेवाला बना दिया

همانا ما آفریدیم انسان را از چکّه آبی به هم آمیخته که می‌آزمودیمش پس گردانیدیمش شنوائی بینا

Al-Insaan (76:3)

إِنَّا هَدَيْنَٰهُ ٱلسَّبِيلَ إِمَّا شَاكِرًا وَإِمَّا كَفُورًا

Verily, Weاللهﷻ showed him the way, whether he be grateful or ungrateful.

আমিاللهﷻ তাকে পথ দেখিয়ে দিয়েছি। এখন সে হয় কৃতজ্ঞ হয়, না হয় অকৃতজ্ঞ হয়।

हमاللهﷻने उसे मार्ग दिखाया, अब चाहे वह कृतज्ञ बने या अकृतज्ञ

همانا رهبریش کردیم راه را یا سپاسگزار و یا ناسپاس

Al-Insaan (76:4)

إِنَّآ أَعْتَدْنَا لِلْكَٰفِرِينَ سَلَٰسِلَا۟ وَأَغْلَٰلًا وَسَعِيرًا

Verily, Weاللهﷻ have prepared for the disbelievers iron chains, iron collars, and a blazing Fire.

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

আমিﷲ অবিশ্বাসীদের জন্যে প্রস্তুত রেখেছি শিকল, বেড়ি ও প্রজ্বলিত অগ্নি।

हमﷲने इनकार करनेवालों के लिए ज़जीरें और तौक़ और भड़कती हुई आग तैयार कर रखी है

همانا ما آماده ساختیم برای کافران زنجیرهائی و گندهائی و آتشی سوزان

Al-Insaan (76:5)

إِنَّ ٱلْأَبْرَارَ يَشْرَبُونَ مِن كَأْسٍ كَانَ مِزَاجُهَا كَافُورًا

Verily, the Abrar (pious, who fear Allahﷻ and avoid evil), shall drink a cup (of wine) mixed with water from a spring in Paradise called Kafur.

নিশ্চয়ই সৎকর্মশীলরা পান করবে কাফুর মিশ্রিত পানপাত্র।

निश्चय ही वफ़ादार लोग ऐसे जाम से पिएँगे जिसमें काफ़ूर का मिश्रण होगा,

همانا نیکان می‌آشامند از جامی که آمیزش آن است کافور

Al-Insaan (76:6)

عَيْنًا يَشْرَبُ بِهَا عِبَادُ ٱللَّهِ يُفَجِّرُونَهَا تَفْجِيرًا

A spring wherefrom the slaves of Allahﷻ will drink, causing it to gush forth abundantly.

এটা একটা ঝরণা, যা থেকে আল্লাহﷻর বান্দাগণ পান করবে- তারা একে প্রবাহিত করবে।

उस स्रोत का क्या कहना! जिस पर बैठकर अल्लाहﷻ के बन्दे पिएँगे, इस तरह कि उसे बहा-बहाकर (जहाँ चाहेंगे) ले जाएँगे

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

چشمه‌ای که نوشند از آن بندگان خدا بشکافندش شکافتنی

Al-Insaan (76:7)

يُوفُونَ بِٱلنَّذْرِ وَيَخَافُونَ يَوْمًا كَانَ شَرُّهُۥ مُسْتَطِيرًا

They (are those who) fulfill (their) vows, and they fear a Day whose evil will be wide-spreading.

তারা মান্নত পূর্ণ করে এবং সেদিনকে ভয় করে, যেদিনের অনিষ্ট হবে সুদূরপ্রসারী।

वे नज़र (मन्नत) पूरी करते है और उस दिन से डरते है जिसकी आपदा व्यापक होगी,

پایدار مانند بر نذر و ترسند روزی را که بدی آن است پرزنان

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Al-Insaan (76:8)

وَيُطْعِمُونَ ٱلطَّعَامَ عَلَىٰ حُبِّهِۦ مِسْكِينًا وَيَتِيمًا وَأَسِيرًا

And they give food, inspite of their love for it (or for the love of Him), to Miskin (poor), the orphan, and the captive,

তারা আল্লাহর প্রেমে অভাবগ্রস্ত, এতীম ও বন্দীকে আহার্য দান করে।

और वे मुहताज, अनाथ और क़ैदी को खाना उसकी चाहत रखते हुए खिलाते है,

و خورانند خوراک را با دوست داشتنش به بینوائی و یتیمی و برده‌ای

Al-Insaan (76:9)

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

﷽

إِنَّمَا نُطۡعِمُكُمۡ لِوَجۡهِ ٱللَّهِ لَا نُرِيدُ مِنكُمۡ جَزَآءٗ وَلَا شُكُورًا

(Saying): "We feed you seeking Allahﷻ's Countenance only. We wish for no reward, nor thanks from you.

তারা বলেঃ কেবল আল্লাহﷻর সন্তুষ্টির জন্যে আমরা তোমাদেরকে আহার্য দান করি এবং তোমাদের কাছে কোন প্রতিদান ও কৃতজ্ঞতা কামনা করি না।

"हम तो केवल अल्लाहﷻ की प्रसन्नता के लिए तुम्हें खिलाते है, तुमसे न कोई बदला चाहते है और न कृतज्ञता ज्ञापन

جز این نیست که می‌خورانیم شما را برای روی خدا نخواهیم از شما پاداشی و نه سپاسی

****

(?)Gadda/Gaza/గాజాగడ్డ/गाजा-गड्डा-

****

Aal-i-Imraan (3:85)ﷺ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

All in the name of Aid....Food packet esigned bombs are killing many desperately famished aid seekers_all are muslim children...the Greedy Evil Devils have no remorse...no conscience..

Raining bombs ,missiles,from air,Sea,Ground,+++drones,jet fighters,Tanks,Bulldozers,Jcbs,Earthmovers,qumbulaat,Dabbaabat,Taaeraat,etc..and every conceivable means of destruction leaving Gaza 99% bulldozed,destroyed beyond .....repair ...Debris,Rubble may take 20years for clearance...

All land routes and sea are blocked-...Reconstruction and Rehabitation,

may never occur....S0 Palestinians have been pushed back into the 1948s.......

***60000 butchered,**

300000maimed-injured-left to die-

***45000 newborn,chidren and women**

40,00,000 are forced to live in open areas ,without.water.Food,clothes,medicines....

ed by the Devils ....No aid is forthcoming ..Major contributors

have stopped all kinds of aid in support of Their BlueEyed

Devil-yehoood...

99% of houses.Appartment

blocks,schools.colleges,hospitals,universities,administrative

campuses have been systematically wiped out -

Allthe Fishing boats in Filistine have been destroyed-

All the Olive trees have bee burnt out with Phosporus Bombs

All the fields have been bulldozed :

And as a Final nail into the Filistinian coffin,.all aid Routes are

blocked by Civilian devilish yehoodis wishing for death to the

muslims..with active support from the army ,navy,airforce-..a

total blockade....

the entire world ,(but for South Africa) Is watching the live

genocidal show -gleefully-

Roman Papa Pope-who regularly cries for Ukraine,has no tears

for Muslims in Gaza........

****

(2)The WeevilTwinkle marekan Devil(crocodile Tears diplomacy)

pretends that it is with the muslims ...after arming ,financing ,extending material logistic maritime,Air,(sky intelligene gathered through www.web,Net, Nasa...satellites,google,Youtube,X,whatup,+smart fones++++Gftl landooLands are providing additional Gfn_gftl services to the perpetraters of Continuous serial genocides since110 years.(since1914.) With all out ground support to the marauding occupational invading aggressor disrelis....to the tune of Trillions of aid ...

****

(3)Two nation Resolution of 1948//deceptively designed by the tomboy UNO.Sc.is dead..Islo agreemet of 1995 has been negated.....Palestine is not recognized even after (dead slow and redundant)-1995-Oslo agreement.

PA..palestinian misAuthority is a paper tiger cum Scare Crow,a trojan horse(/Baghal me Khanzar in URDU.////A SheEP IN LIONs APPARELS)/an enemy withIN, receiving funds from the Devils and performing GFTL services to the Nasara-Yehood

Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Combo..betraying Muslims in Palestine..

.PA.is an APP in the PlayStore of The Devils United imerial enterprise......

****

Filestine and Bytul Maqdis (jeru:-salem:-peace city) are more than 3000 year old phenomenae..going back to Sulayman.a.s.. When Europe was prosecuting the Muslims and Jews (between13-19centuries) by European Puritanian Christians,,especillay in France,Germany,Spain,Portual,.... it was the Muslim countries like Morocco,Aljazeer,Tunisia,Egypt,Libya,Sudan,Suriya, iran,.

.which protected Jews and sheltered them ..

The jewish vision is astigmatically Clouded by Keratonic Dominiclique syndrome.. ..Amnesia has Paralized their CPUs....they forget that

Filistne Nation had sheltered Jews and provided pemanent refuge to these SoB,Jews for Centuries..

Aal-i-Imraan (3:85)بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কশ্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

****

The same Uno.Sc.Combo ha forced to excise South Sudan from Sudan ,and East Timor from Indonesia..as hot idlies...cooked ready in no time...

****

(4).Scorched Earth Policy ...has fetched many Continents to the Devils....Gaza is small game....a **قطر**drop in our globelizedgoebbelized imperial **نظام استبداي**default option ...Nasara-yehoody-Uno-Sc-combo.commanded **بامستانی**Zalil, Musharraf...you either with me or with the enemy...so the great General Musharraf fell on the feet of Emperor Devil Skeleton, and handed over thousands of ((muwahhideen)-those who proclain firmly that Allaahu,swt, is our RABB-Lord) to the blood thirsty Marekan Devil.......

****

Dr.Aafiya Siddiqui and her chidren were kidnapped by badmash **बदमाष** musharraf's Army at Lahore Airport and handed over to the Marekans....her childrens whereabouts are unknown...may be culled / killed for organ harvesting ....but our sister Afiya is

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

languishig in an Jail in far off hostile Mareka...since

20years-and She has Been VIOLATED BY THE PORK EATING

INFIDELS IN THE JAIL..and is being adminstered a slow death..'

****

.Aafia Siddiqui (also spelled Afiya; Urdu: عافیہ صدیقی; born 2 March 1972)

is a kidnapped Pakistani national,who is serving an 86-year sentence at the Federal Medical Center, Carswell in Fort Worth, Texas, United States for Trumped uP FALSE CHARGES..attempted murder and other felonies.

Siddiqui was born in Pakistan to a Sunni Muslim family.. She's a

neuroscientist who studied in the United States at prestigious institutions Brandeis University and the Massachusetts Institute of Technology...Siddiqui is being held at a federal prison in Fort Worth, Texas. She was attacked in July by other inmates at the facility and suffered serious injuries, according to court documents.
In a lawsuit against the federal Bureau of Prisons, Siddiqui's lawyers said another inmate smashed a coffee mug filled with scaling hot liquid into her face. When Siddiqui curled herself into a fetal position, the other woman began to punch and kick her, leaving her with injuries so severe that she needed to be taken by wheelchair to the prison's medical unit, the suit says.
Siddiqui was left with burns around her eyes and a three-inch scar near her left eye, the lawsuit says. She also suffered bruises on her arms and legs and an injury to her cheek.
The attack prompted protests by human rights activists and religious groups, calling for improved prison conditions. The activists have also called on the Pakistani government to fight for her release from U.S. custody.....

Oh! muslim,pray for her and for the Thousands interned and being inarcerated in Various Devlish Lunds...including the

jails of Majoicy Kurdis in Syria,iraq,-else where....

'************

CONTAST it with a THEIR BLUE EYED BOY, GI,SOLDIER ,WHO SHOT DEAD ELRVEN MEMBERS OF A SINGLE MUSLIM IRAQY FAMILY TO RAPE OnE ARAB IRAQI SUNNI GIRL -AND shot HER ALSO AFTER RAPING AND GRAPING ....HE HIDNOT GET ANY PUNISHMENT IN AMERICAN JUNGLE...LAW....WHERE AS AAFIYA AND her CHILDREN, who WERE in Pakistan only,GOING TO THEIR HOMETOWN from Lahore -were KIDNAPPED at the PAkistani Airport,AND HANDED OVER TO THE LANKY SMART ALECKS-inAfaghanistan,BY badmaash MUSHARRAF under RENDITION SERVICES..(SELLING MUSLIMS FOR DOLLARS)...She was incarcerated in Afghan prisons .

Embedded Journalist Youanne Ridley(since accepted islam) heard Afiya's cries...in person when she was with the Nasara forces at an Incarceration Centre...in Afghanistan...

'************

Aafiya was forcibly taken to aMerica and tried on FALSE

CONCOCTED TRUMPED UP CHARGES IN AMERICA AND SENTENCED TO EIGHTY SIX YEARS....

'************

BADMASH Musharraf rendered services to Bush for dollars....and he got only peanuts in return..

He also forced Nawaz,another co Badmaash...to exile ...

And Nawaz Is full of vigour to take Revenge....

thus aMerican Stooge BADMASH Musharraf is now ,facing death sentence under the rule of nawaz+shabazMIAN BROTHERS Unleashed by aMerica....

'************

MANY GOD_FEARING MUWAHHIDS WERE BRANDED AS TERRORISTS AND HANDED OVER TO aMARECA....

'************

.Zia ul Haq hanged Zulfequar Ali Bhutto at Americas insistance.....He got meagre amounts from his patrons ...He openly criticized and complained that the amount was as meagre as Peanuts....So, He was also despatched to the other world in an arranged Crash of Helicopter...Imran Khan wanted to move away

Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

from America to Russia-But America got him into Adiyala Prison -all by manipulating the Military Strings of The great Baaaakistaaan-Qabristaaaan....SiSi(شيشي مطلب كانچه glass/bottle) of AREypyt is of Jewish origin,,totally dedicated to America-He murdered many muslims,including the eleted President,and occupied presidential chairwith NasaaYehoody Support...He has closed Egyptian Borders with Gaza preventing Gazan muslims to save themselves from devilish Disraely fire.

'*********

Another instance of ......grape.....group rape ......murder ...pillage.....arson.....

...... Mahmudiyah rape and killings are one example of Barbarism ,in a series of war crimes were committed by five U.S. Army soldiers during the U.S. occupation of Iraq, involving the gang-rape and murder of 13-year-old Iraqi girl Abeer Qassim Hamza al-Janabi and the murder of her family on March 12, 2006. It occurred in the family's house to the southwest of Yusufiyah, a village to the west of the town of Al-Mahmudiyah, Iraq. Other members of al-Janabi's family murdered by American soldiers included her 34-year-old mother Fakhriyah Taha Muhasen, 45-year-old father Qassim Hamza Raheem, and 6-year-old sister Hadeel Qassim Hamza al-Janabi.[1] The two remaining survivors of the family, 9-year-old brother Ahmed and 11-year-old brother Mohammed, were at school during the massacre and thus were orphaned -

Aal-i-Imraan (3:85)بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

'*************

Reportedly, before the incident Abeer(the iraqi girl victim) had endured repeated sexual harassment from U.S. soldiers. Abeer's home was situated approximately 200 meters (220 yards) from a six-man U.S. traffic checkpoint, southwest of the village.[[] Soldiers were often watching Abeer doing her chores and tending the garden, as her home is visible from the checkpoint...

'**********

......In an interview before his arrest, gRapist groupist killer Steven Green told The Washington Post "I came over here because I wanted to kill people. The truth is, it wasn't all I thought it was cracked up to be. I mean, I thought killing somebody would be this life-changing experience. And then I did it, and I was like, 'All right, whatever.' I shot a guy who wouldn't stop when we were out at a traffic checkpoint and it was like nothing. Over here, killing people is like squashing an ant. I mean, you kill somebody and it's like 'All right, let's go get some pizza

.'************

a lady from Nizamabad and her children are dying there-in Kurdi prison-

****

Legendary crusader Salahuddin Ayyuby,who commanded the muslims to victory in BaitalLahm-AlqUds...was a Kurd- but the kurds of today are betrayers of Allaahu,swt,they are buddy buddy with the ,Wine-Swine-Screw-brigands-of Mareka

(((-In Arabic Mareka -means--युध्ध-war-)))

Hence No Shanti in the entire wooorrrrlllldddd.....

Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

****

Meantime the western hijab hating-islamophobes have attached elctronic anklets to the bodies of children and women widows who were forcefully brougt back from Kurdish jails-to keep them under Imperial devilish Hawk eyes.......

The writing on the unseen wall of World imperialist Hegemony is that muslims of Gaza and West bank must run for their lives either into ARE,Jordan,or Commit Harakiri by jumping into the Midterranian sea...they are unwanted old stuff...the area is reserved for the Modern colonizers from the Old colonized Continents....called godforbidden-yehoodynasaaras.

****

The same imperial "Might is Right" modus operandi in full force in filistine...where, before1914 muslims were97% owning 97% of land and resources.

Now,Filistinians are reduced to30% of population controlling only a mere 3%of land ..and that too is at stake.....The Durawase Devils want to expel the entire muslim populace--by any means-Since october 60000have been despatched tothe Aakhira World-Many are in wait -they have no

Aal-i-Imraan (3:85) ﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

choice*************

...Sullatans-are Marekas puppets-Except Patelgiry -they have no other thing on their Radars--one such Sullatan of medley-fiddley east has donated 1350000Square meters of urban land for promoting infidelity //idolatry among his muslim subjects...

****

Elsewhere Android son and Father with"G5/Apple/Duos"fond of whiteGyenoidskins, are embaraasing the whole muslim world with their Dajjalisation/Containment and confinement of islam to Haramaini Sharafaini faqat,.. Even the worst kind of mushrikeen/munafeqeen/majoosiyyen of the great BARRE KABAAER-indo-pak-bangla-/are gleefully taunting the *Muwahhideen(*me too) about their actions....where should I hide my qabeehy wajha-/I wish I would have been hibernating in siberia/arcitic/antarctik snows- -like a polar bear---

****

Scorched Earth policy,

نہ رئے بھانس اور نہ بجے ھانسري ..

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

,...na Rahe Baans aur an baje Bhansury-

न रहे शत्रू शेष- या न रुण शेष

The devils in 1914were3% in numbers and had 1%of land.------want a clean sweep.

Where from the billion of yehudys popped up .?????

Did the sky rain them on to the Filistine..land???

Did the palestinian earth sprout billion yehudys..???

More than 60% of yehoodys in filistine have two/more Passports of western imperialists....they are Amercans,French,British,German-,European.Russaian.mercenary fighters ...They imported and planted ,pamoered ,militarily supported by the British imperialists to occupy the entire filistine ..and establish a Yehoody Lund to control Middle east's petroleum resources:-

****

King Faisal bin Abdel Aziz.,was shot dead for imposing an oil embargo as suggested by Z.A Bhutto, P.M of Pakistan. Both were eliminated by the West's Agents.

King Faisal bin Abdel Aziz., didnot listen to the Nasaaraa Yehoody-Combo- ,so he was disposed off through his western educated

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

alcoholic

drug -LSD*,addicted nephew, (named Faisal bin Musa'id).. *(**Lysergic acid diethylamide, commonly known as LSD (from German Lysergsäure-diethylamid), and known colloquially as Acid or Lucy is a potent psychedelic drug.)**

✪✪✪✪✪✪✪✪

Earlier ,King Faisal bin Abdel Aziz. prohibited Faisal bin Musa'id from leaving the country because of his excessive consumption of alcohol and other drugs .Arab media implied that the prince had been an agent of the U.S. Central Intelligence Agency and Israel's Mossad.[] Following these types of claims, a theory started in Iranian media mentioned that he might have been manipulated by his Western Jewish girlfriend (Christine Surma) who, was an agent of disraeli mossaaaad-

టౌను పక్కకెల్లద్దురోయ్ డింగరీ-అంటే వినరే-అటేపరుగు-

ఆదూరతీరాలలో యే వింతబొక్కలు,బొరియలు కనబడెనో-సౌదీ-

కొడుకులూ అంతే-

*Lysergic acid diethylamide, commonly known as LSD (from German Lysergsäure-diethylamid), and known colloquially as acid or lucy is a potent psychedelic drug.

****

..The Blood of innocent millions of muslims is on hands of gropoacher lecherpre,achers of Democrashy,Values,

be all and end all of end:-Death... will win.,

Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

****

A drone strike in Beirut's southern suburbs of Dahiyeh, a Hezbollah stronghold, killed senior Hamas official Saleh al-Arouri on Tuesday. The drone hit a Hamas office, leaving six people dead, Lebanon's state news agency reported.

****

19 January 2010, al-Mabhouh was killed in his room in a hotel in Dubai. He had been followed by at least eleven Mossad agents who were carrying fake or fraudulently obtained passports from various Western countries, seven of which assumed the names of Israeli dual citizens.-but not a single one was arrested by any country inspite of interpol tipoff-..

ఆగంతక ఖూనీకోరుల cctvఫుటేజ్ వున్నది-Ytలో-అందులో ఓ గుండీలువిప్పే యెదవఆడదికూడ వున్నది- .బికాజ్ దేఆర్ ఆల్ డెవిలింగోస్ ఫ్రం పడమటిదిక్కు-మగ్రిబు-దుయ్యూసులు---కేసును 24 గంటలలో కొలిక్కి తెచ్చిన "తమీమ్" అనే దుబాయి అధికారికి స్థానభ్రంశంకలిగే-కర్టసీ మఅరికా+++

****

Wheel Chair bound Shaikh al-Rantisi opposed compromise with Israel and called for the creation of a Palestinian state . On 17 April 2004, the Israeli

Air Force assassinated al-Rantisi by firing Hellfire missiles from an Amrican supplied-AH-64 Apache helicopter at his car.

****

.

Life of Shirk_ Polytheism/Tombworship/Dargaah_ Druugah_Murdagaah_etc....Bulleshah/Barane Shah,Kale shah etc...

Faatir (35:3)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ ٱذْكُرُوا۟ نِعْمَتَ ٱللَّهِ عَلَيْكُمْ هَلْ مِنْ خَٰلِقٍ غَيْرُ ٱللَّهِ يَرْزُقُكُم مِّنَ ٱلسَّمَآءِ وَٱلْأَرْضِ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ فَأَنَّىٰ تُؤْفَكُونَ

Aal-i-Imraan (3:85)بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

O mankind! Remember the Grace of Allahﷻ upon you! Is there any creator other than Allahﷻ who provides for you from the sky (rain) and the earth? La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but Heاللهﷻ). How then are you turning away (from Him)?

হে মানুষ, তোমাদের প্রতি আল্লাহﷻর অনুগ্রহ স্মরণ কর। আল্লাহﷻ ব্যতীত এমন কোন স্রষ্টা আছে কি, যে তোমাদেরকে আসমান ও যমীন থেকে রিযিক দান করে? তিনি ব্যতীত কোন উপাস্য নেই। অতএব তোমরা কোথায় ফিরে যাচ্ছ?

ऐ लोगो! अल्लाहﷻ की तुमपर जो अनुकम्पा है, उसे याद करो। क्या अल्लाहﷻ के सिवा कोई और पैदा करनेवाला है, जो तुम्हें आकाश और धरती से रोज़ी देता हो? उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। तो तुम कहाँ से उलटे भटके चले जा रहे हो?

ای مردم یاد آرید نعمت خدا را بر شما آیا هست آفریننده‌ای جز خدا که روزی دهد شما را از آسمان و زمین نیست خدائی جز او

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

پس کجا به دروغ رانده می‌شوید

Yunus (10:34)

قُلۡ هَلۡ مِن شُرَكَآئِكُم مَّن يَبۡدَؤُاْ ٱلۡخَلۡقَ ثُمَّ يُعِيدُهُۥۚ قُلِ ٱللَّهُ يَبۡدَؤُاْ ٱلۡخَلۡقَ ثُمَّ يُعِيدُهُۥۖ فَأَنَّىٰ تُؤۡفَكُونَ

Say: "Is there of your (Allahﷻ's so-called) partners one that originates the creation and then repeats it?" Say: "Allahﷻ originates the creation and then He repeats it. Then how are you deluded away (from the truth)?"

বল, আছে কি কেউ তোমাদের শরীকদের মাঝে যে সৃষ্টি কে পয়দা করতে পারে এবং আবার জীবিত করতে পারে? বল, আল্লাহﷻই প্রথমবার সৃষ্টি করেন এবং অতঃপর তার পুনরুদ্ভব করবেন। অতএব, কোথায় ঘুরপাক খাচ্ছে?

कहो, "क्या तुम्हारे ठहराए हुए साझीदारों में कोई है जो सृष्टि का

आरम्भ भी करता हो, फिर उसकी पुनरावृत्ति भी करे?" कहो, "अल्लाहﷻ ही सृष्टि का आरम्भ करता है और वही उसकी पुनरावृति भी; आख़िर तुम कहाँ औधे हुए जाते हो?"

بگو آیا هست از شریکان شما آنکه آغاز کند آفرینش را و سپس بازش گرداند بگو خدا است که آغاز کند آفرینش را و سپس باز همی‌گرداند پس کجا به دروغ رانده می‌شوید

Yunus (10:35)

قُلْ هَلْ مِن شُرَكَآئِكُم مَّن يَهْدِىٓ إِلَى ٱلْحَقِّ قُلِ ٱللَّهُ يَهْدِى لِلْحَقِّ أَفَمَن يَهْدِىٓ إِلَى ٱلْحَقِّ أَحَقُّ أَن يُتَّبَعَ أَمَّن لَّا يَهِدِّىٓ إِلَّآ أَن يُهْدَىٰ فَمَا لَكُمْ كَيْفَ تَحْكُمُونَ

Say: "Is there of your (Allah'ﷻs so-called) partners one that guides to the truth?" Say: "It is Allahﷻ Who guides to the truth. Is then Heاللهﷻ, Who gives guidance to the truth, more worthy to be followed, or he who finds not guidance

(himself) unless he is guided? Then, what is the matter with you? How judge you?"

জিজ্ঞেস কর, আছে কি কেউ তোমাদের শরীকদের মধ্যে যে সত্য-সঠিক পথ প্রদর্শন করবে? বল, আল্লাহﷻই সত্য-সঠিক পথ প্রদর্শন করেন, সুতরাং এমন যে লোক সঠিক পথ দেখাবে তার কথা মান্য করা কিংবা যে লোক নিজে নিজে পথ খুঁজে পায় না, তাকে পথ দেখানো কর্তব্য। অতএব, তোমাদের কি হল, কেমন তোমাদের বিচার?

कहो, "क्या तुम्हारे ठहराए साझीदारों में कोई है जो सत्य की ओर मार्गदर्शन करे?" कहो, "अल्लाहﷻ ही सत्य के मार्ग पर चलाता है। फिर जो सत्य की ओर मार्गदर्शन करता हो, वह इसका ज़्यादा हक़दार है कि उसका अनुसरण किया जाए या वह जो स्वयं ही मार्ग न पाए जब तक कि उसे मार्ग न दिखाया जाए? फिर यह तुम्हें क्या हो गया है, तुम कैसे फ़ैसले कर रहे हो?"

بگو آیا هست از شریکان شما آنکه هدایت کند بسوی حقّ بگو خدا هدایت کند بسوی حقّ آیا آنکه هدایت کند بسوی حقّ سزاوارتر

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

است که پیروی شود یا آنکه خود راه نبرد تا رهبریش کنند چه شود شما را چگونه حکم کنید

●●●●●●●

Yunus (10:36)

وَمَا يَتَّبِعُ أَكْثَرُهُمْ إِلَّا ظَنًّا إِنَّ ٱلظَّنَّ لَا يُغْنِى مِنَ ٱلْحَقِّ شَيْـًٔا إِنَّ ٱللَّهَ عَلِيمٌۢ بِمَا يَفْعَلُونَ

And most of them follow nothing but conjecture. Certainly, conjecture can be of no avail against the truth. Surely, Allahﷻ is All-Aware of what they do.

বস্তুতঃ তাদের অধিকাংশই শুধু আন্দাজ-অনুমানের উপর চলে, অথচ আন্দাজ-অনুমান সত্যের বেলায় কোন কাজেই আসে না। আল্লাহﷻ ভাল করেই জানেন, তারা যা কিছু করে।

और उनमें से अधिकतर तो बस अटकल पर चलते है। निश्चय ही अटकल सत्य को कुछ भी दूर नहीं कर सकती। वे जो कुछ कर रहे

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

हैं अल्लाहﷻ उसको भली-भाँति जानता है

و پیروی نکنند بیشتر ایشان جز گمان را و هر آینه گمان بی‌نیاز نکند از حقّ به چیزی همانا خدا دانا است بدانچه می‌کنند

Yunus (10:37)

وَمَا كَانَ هَٰذَا ٱلْقُرْءَانُ أَن يُفْتَرَىٰ مِن دُونِ ٱللَّهِ وَلَٰكِن تَصْدِيقَ ٱلَّذِى بَيْنَ يَدَيْهِ وَتَفْصِيلَ ٱلْكِتَٰبِ لَا رَيْبَ فِيهِ مِن رَّبِّ ٱلْعَٰلَمِينَ

And this Quran is not such as could ever be produced by other than Allahﷻ (Lord of the heavens and the earth), but it is a confirmation of (the revelation) which was before it [i.e. the Taurat (Torah), and the Injeel (Gospel), etc.], and a full explanation of the Book (i.e. laws and orders, etc, decreed for mankind) - wherein there is no doubt from the the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns,

and all that exists).

আর কোরআন সে জিনিস নয় যে, আল্লাহﷻ ব্যতীত কেউ তা বানিয়ে নেবে। অবশ্য এটি পূর্ববর্তী কালামের সত্যায়ন করে এবং সে সমস্ত বিষয়ের বিশ্লেষণ দান করে যা তোমার প্রতি দেয়া হয়েছে, যাতে কোন সন্দেহ নেই-তোমার বিশ্বপালনকর্তার পক্ষ থেকে।

यह क़ुरआन ऐसा नहीं है कि अल्लाहﷻ से हटकर घड लिया जाए, बल्कि यह तो जिसके समझ है, उसकी पुष्टि में है और किताब का विस्तार है, जिसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं। यह सारे संसार के रब की ओर से है

و نیست این قرآن که دروغ آورده شود از غیر از خدا و لیکن تصدیق آنچه پیش روی او است و تفصیل کتاب نیست شکی در آن از پروردگار جهانیان

Ash-Shu'araa (26:71)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالُوا۟ نَعْبُدُ أَصْنَامًا فَنَظَلُّ لَهَا عَٰكِفِينَ

They said: "We worship idols, and to them we are ever devoted."

তারা বলল, আমরা প্রতিমার পূজা করি এবং সারাদিন এদেরকেই নিষ্ঠার সাথে আঁকড়ে থাকি।

उन्होंने कहा, "हम बुतों की पूजा करते है, हम तो उन्हीं की सेवा में लगे रहेंगे।"

گفتند می‌پرستیم بتانی را پس می‌باشیم پیرامون آنها گردآمدگان

Ash-Shu'araa (26:72)

قَالَ هَلْ يَسْمَعُونَكُمْ إِذْ تَدْعُونَ

He said: "Do they hear you, when you call (on them)?

ইব্রাহীম (আঃ) বললেন, তোমরা যখন আহবান কর, তখন তারা শোনে কি?

उसने कहा, "क्या ये तुम्हारी सुनते है, जब तुम पुकारते हो,

گفت آیا می‌شنوند شما را گاهی که می‌خوانید

Ash-Shu'araa (26:73)

أَوۡ يَنفَعُونَكُمۡ أَوۡ يَضُرُّونَ

"Or do they benefit you or do they harm (you)?"

অথবা তারা কি তোমাদের উপকার কিংবা ক্ষতি করতে পারে?

या ये तुम्हें कुछ लाभ या हानि पहुँचाते है?"

یا سودتان بخشند یا آیان رسانند

Ash-Shu'araa (26:74)

قَالُوا۟ بَلْ وَجَدْنَآ ءَابَآءَنَا كَذَٰلِكَ يَفْعَلُونَ

They said: "Nay, but we found our fathers doing so."

তারা বললঃ না, তবে আমরা আমাদের পিতৃপুরুষদেরকে পেয়েছি, তারা এরূপই করত।

उन्होंने कहा, "नहीं, बल्कि हमने तो अपने बाप-दादा को ऐसा ही करते पाया है।"

گفتند بلکه یافتیم پدران خود را چنین می‌کردند

Ash-Shu'araa (26:75)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ أَفَرَءَيْتُم مَّا كُنتُمْ تَعْبُدُونَ

He said: "Do you observe that which you have been worshipping,

ইব্রাহীম বললেন, তোমরা কি তাদের সম্পর্কে ভেবে দেখেছ, যাদের পূজা করে আসছ।

उसने कहा, "क्या तुमने उनपर विचार भी किया कि जिन्हें तुम पूजते हो,

گفت آیا دیدید آنچه را بودید می‌پرستیدید

Ash-Shu'araa (26:76)

أَنتُمْ وَءَابَآؤُكُمُ ٱلْأَقْدَمُونَ

"You and your ancient fathers?

তোমরা এবং তোমাদের পূর্ববর্তী পিতৃপুরুষেরা ?

तुम और तुम्हारे पहले के बाप-दादा?

شما و پدران شما پیشتران

Ash-Shu'araa (26:77)

فَإِنَّهُمۡ عَدُوّٞ لِّيٓ إِلَّا رَبَّ ٱلۡعَٰلَمِينَ

"Verily! They are enemies to me, save the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists);

বিশ্বপালনকর্তা ﷲﷻব্যতীত তারা সবাই আমার শত্রু।

वे सब तो मेरे शत्रु है, सिवाय सारे संसार के रबﷲﷻ के,

که ایشان مرا دشمنند مگر پروردگار جهانیان

Ash-Shu'araa (26:78)

ٱلَّذِى خَلَقَنِى فَهُوَ يَهْدِينِ

"Who has created me, and it is Heﷻ Who guides me;

যিনি আমাকে সৃষ্টি করেছেন, অতঃপর তিনিﷻই আমাকে পথপ্রদর্শন করেন,

जिसने मुझे पैदा किया और फिर वहीﷻ मेरा मार्गदर्शन करता है

آنکه مرا آفرید پس رهبریم کند

Ash-Shu'araa (26:79)

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

وَٱلَّذِى هُوَ يُطْعِمُنِى وَيَسْقِينِ

"And it is He Who feeds me and gives me to drink.

যিনি আমাকে আহার এবং পানীয় দান করেন,

और वही है जो मुझे खिलाता और पिलाता है

و آنکه بخوراندم و بنوشاندم

Ash-Shu'araa (26:80)

وَإِذَا مَرِضْتُ فَهُوَ يَشْفِينِ

"And when I am ill, it is Heﷲ ﷻ who cures me.

যখন আমি রোগাক্রান্ত হই, তখন তিনিﷲ ﷻই আরোগ্য দান

করেন।

और जब मैं बीमार होता हूँ, तो वहीﷲ ﷻ मुझे अच्छा करता है

و گاهی که بیمار شوم پس او بهبودیم دهد

Ash-Shu'araa (26:81)

وَٱلَّذِي يُمِيتُنِي ثُمَّ يُحۡيِينِ

"And Who will cause me to die, and then will bring me to life (again);

যিনি আমার মৃত্যু ঘটাবেন, অতঃপর পুনর্জীবন দান করবেন।

और वही है जो मुझे मारेगा, फिर मुझे जीवित करेगा

و آنکه بمیراندم سپس زنده سازدم

Ash-Shu'araa (26:82)

وَٱلَّذِيٓ أَطۡمَعُ أَن يَغۡفِرَ لِي خَطِيٓـَٔتِي يَوۡمَ ٱلدِّينِ

"And Who, I hope will forgive me my faults on the Day of Recompense, (the Day of Resurrection),"

আমি আশা করি তিনিই বিচারের দিনে আমার ত্রুটি-বিচ্যুতি মাফ করবেন।

और वही है जिससे मुझे इसकी आकांक्षा है कि बदला दिए जाने के दिन वह मेरी ख़ता माफ़ कर देगा

و آنکه امیدوارم که بیامرزد برای من گناهم را روز دین

Ash-Shu'araa (26:83)

﷽

رَبِّ هَبۡ لِي حُكۡمٗا وَأَلۡحِقۡنِي بِٱلصَّٰلِحِينَ

My Lordﷻ! Bestow Hukman (religious knowledge, right judgement of the affairs and Prophethood) on me, and join me with the righteous;

হে আমার পালনকর্তা,ﷻ আমাকে প্রজ্ঞা দান কর এবং আমাকে সৎকর্মশীলদের অন্তর্ভুক্ত কর

ऐ मेरे रब!ﷻ मुझे निर्णय-शक्ति प्रदान कर और मुझे योग्य लोगों के साथ मिला।

پروردگارا ارزانی دار مرا حُکمی و برسانم به شایستگان

Ash-Shu'araa (26:84)

وَٱجۡعَل لِّي لِسَانَ صِدۡقٖ فِي ٱلۡأٓخِرِينَ

And grant me an honourable mention in later generations;

এবং আমাকে পরবর্তীদের মধ্যে সত্যভাষী কর।

और बाद के आनेवालों में से मुझे सच्ची ख़्याति प्रदान कर

و قرار ده برای من زبان راستی در آخران

Ash-Shu'araa (26:85)

وَٱجۡعَلۡنِي مِن وَرَثَةِ جَنَّةِ ٱلنَّعِيمِ

And make me one of the inheritors of the Paradise of Delight;

এবং আমাকে নেয়ামত উদ্যানের অধিকারীদের অন্তর্ভূক্ত কর।

और मुझे नेमत भरी जन्नत के वारिसों में सम्मिलित कर

و بگردانم از ارث‌برندگان بهشت نعمتها

Ash-Shu'araa (26:86)

وَٱغۡفِرۡ لِأَبِيٓ إِنَّهُۥ كَانَ مِنَ ٱلضَّآلِّينَ

And forgive my father, verily he is of the erring;

এবং আমার পিতাকে ক্ষমা কর। সে তো পথভ্রষ্টদের অন্যতম।

और मेरे बाप को क्षमा कर दे। निश्चय ही वह पथभ्रष्ट लोगों में से है

و بیامرز برای پدرم که او بود همانا از گمراهان

Ash-Shu'araa (26:87)

﷽

وَلَا تُخْزِنِى يَوْمَ يُبْعَثُونَ

And disgrace me not on the Day when (all the creatures) will be resurrected;

এবং পূনরুত্থান দিবসে আমাকে লাঞ্ছিত করো না,

और मुझे उस दिन रुसवा न कर, जब लोग जीवित करके उठाए जाएँगे।

و خوارم نکن روزی که برانگیخته شوند

Ash-Shu'araa (26:88)

يَوْمَ لَا يَنفَعُ مَالٌ وَلَا بَنُونَ

The Day whereon neither wealth nor sons will avail,

যে দিবসে ধন-সম্পদ ও সন্তান সন্ততি কোন উপকারে আসবে না;

जिस दिन न माल काम आएगा और न औलाद,

روزی که سود ندهد مال و نه فرزندان

●●●●●●●

Ash-Shu'araa (26:89)
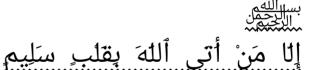
Except him who brings to Allah a clean heart [clean from Shirk (polytheism) and Nifaq (hypocrisy)].

কিন্তু যে সুস্থ অন্তর নিয়ে আল্লাহর কাছে আসবে।

सिवाय इसके कि कोई भला-चंगा दिल लिए हुए अल्लाह के पास

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কষ্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

आया हो।"

مگر آنکه بیاید خدا را با دلی درست

Ash-Shu'araa (26:90)
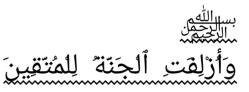
And Paradise will be brought near to the Muttaqun (pious - see V. 2:2).

জান্নাত আল্লাহভীরুদের নিকটবর্তী করা হবে।

और डर रखनेवालों के लिए जन्नत निकट लाई जाएगी

و آماده شد بهشت برای پرهیزکاران

Ash-Shu'araa (26:91)

وَبُرِّزَتِ ٱلْجَحِيمُ لِلْغَاوِينَ

And the (Hell) Fire will be placed in full view of the erring.

এবং বিপথগামীদের সামনে উম্মোচিত করা হবে জাহান্নাম।

और भडकती आग पथभ्रष्टि लोगों के लिए प्रकट कर दी जाएगी

و پدید آورده شد دوزخ برای گمراهان

Ash-Shu'araa (26:92)

وَقِيلَ لَهُمْ أَيْنَ مَا كُنتُمْ تَعْبُدُونَ

And it will be said to them: "Where are those (the false gods whom you used to set up as rivals with Allahﷻ) that

you used to worship

তাদেরকে বলা হবেঃ তারা কোথায়, তোমরা যাদের পূজা করতে।

और उनसे कहा जाएगा, "कहाँ है वे जिन्हें तुम अल्लाहﷻ को छोड़कर पूजते रहे हो?

و گفته شد بدیشان کجا بودید می‌پرستیدید

Ash-Shu'araa (26:93)

مِن دُونِ ٱللَّهِ هَلۡ يَنصُرُونَكُمۡ أَوۡ يَنتَصِرُونَ

"Instead of Allahﷻ? Can they help you or (even) help themselves?"

আল্লাহﷻর পরিবর্তে? তারা কি তোমাদের সাহায্য করতে পারে, অথবা তারা প্রতিশোধ নিতে পারে?

الله ﷻ

क्या वे तुम्हारी कुछ सहायता कर रहे है या अपना ही बचाव कर सकते है?"

جز خدا را آیا یاری کنند شما را یا یاری جویند

Ash-Shu'araa (26:94)

فَكُبْكِبُوا۟ فِيهَا هُمْ وَٱلْغَاوُۥنَ

Then they will be thrown on their faces into the (Fire), They and the Ghawun (devils, and those who were in error).

অতঃপর তাদেরকে এবং পথভ্রষ্টদেরকে আধোমুখি করে নিক্ষেপ করা হবে জাহান্নামে।

फिर वे उसमें औंधे झोक दिए जाएँगे, वे और बहके हुए लोग

Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

پس به روی افکنده شدند در آن ایشان و گمراهان

Ash-Shu'araa (26:95)

وَجُنُودُ إِبْلِيسَ أَجْمَعُونَ

And the whole hosts of Iblis (Satan) together.

এবং ইবলীস বাহিনীর সকলকে।

और इबलीस की सेनाएँ, सबके सब।

و سپاه‌های ابلیس همگان

An-Nisaa (4:108)

يَسْتَخْفُونَ مِنَ ٱلنَّاسِ وَلَا يَسْتَخْفُونَ مِنَ ٱللَّهِ وَهُوَ

مَعَهُمْ إِذْ يُبَيِّتُونَ مَا لَا يَرْضَىٰ مِنَ ٱلْقَوْلِ وَكَانَ ٱللَّهُ بِمَا يَعْمَلُونَ مُحِيطًا

They may hide (their crimes) from men, but they cannot hide (them) from Allahﷻ, for He is with them (by His Knowledge), when they plot by night in words that He does not approve, And Allahﷻ ever encompasses what they do.

তারা মানুষের কাছে লজ্জিত হয় এবং আল্লাহﷻর কাছে লজ্জিত হয় না। তিনি তাদের সাথে রয়েছেন, যখন তারা রাত্রে এমন বিষয়ে পরামর্শ করে, যাতে আল্লাহﷻ সম্মত নন। তারা যাকিছু করে, সবই আল্লাহﷻর আয়ত্তাধীণ।

वे लोगों से तो छिपते है, परन्तु अल्लाहﷻ से नहीं छिपते। वह तो (उस समय भी) उनके साथ होता है, जब वे रातों में उस बात की गुप्त-मंत्रणा करते है जो उनकी इच्छा के विरुद्ध होती है। जो कुछ वे करते है, वह अल्लाहﷻ (के ज्ञान) से आच्छादित है

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

نهفتگی جویند از مردم و نهفتگی نمی‌جویند از خدا حال آنکه او با ایشان است هنگامی که درون می‌پرورانند آنچه را خوش ندارد از گفتار و خدا است بدانچه می‌کنند فراگیرنده

Faatir (35:43)

ٱسۡتِكۡبَارٗا فِي ٱلۡأَرۡضِ وَمَكۡرَ ٱلسَّيِّيِٕۚ وَلَا يَحِيقُ ٱلۡمَكۡرُ ٱلسَّيِّئُ إِلَّا بِأَهۡلِهِۦۚ فَهَلۡ يَنظُرُونَ إِلَّا سُنَّتَ ٱلۡأَوَّلِينَۚ فَلَن تَجِدَ لِسُنَّتِ ٱللَّهِ تَبۡدِيلٗاۖ وَلَن تَجِدَ لِسُنَّتِ ٱللَّهِ تَحۡوِيلًا

(They took to flight because of their) arrogance in the land and their plotting of evil. But the evil plot encompasses only him who makes it. Then, can they expect anything (else), but the Sunnah (way of dealing) of the peoples of old? So no change will you find in Allahﷻ's Sunnah (way of dealing), and no turning off will you find in Allahﷻ's Sunnah (way of dealing).

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

পৃথিবীতে ঔদ্ধত্যের কারণে এবং কুচক্রের কারণে। কুচক্র কুচক্রীদেরকেই ঘিরে ধরে। তারা কেবল পূর্ববর্তীদের দশারই অপেক্ষা করছে। অতএব আপনি আল্লাহﷻর বিধানে পরিবর্তন পাবেন না এবং আল্লাহﷻর রীতি-নীতিতে কোন রকম বিচ্যুতিও পাবেন না।

हालाँकि बुरी चाल अपने ही लोगों को घेर लेती है। तो अब क्या जो रीति अगलों के सिलसिले में रही है वे बस उसी रीति की प्रतिक्षा कर रहे है? तो तुम अल्लाहﷻ की रीति में कदापि कोई परिवर्तन न पाओगे और न तुम अल्लाहﷻ की रीति को कभी टलते ही पाओगे

برتری‌جستنی در زمین و نیرنگ زشت و فرود نیاید نیرنگ زشت جز به اهلش پس آیا جز شیوه پیشینیان را منتظرند که هرگز نیابی شیوه خدا را دگرگونی و نه هرگز یابی شیوه خدا را بازگشتنی

Faatir (35:44)

أَوَلَمْ يَسِيرُوا۟ فِى ٱلْأَرْضِ فَيَنظُرُوا۟ كَيْفَ كَانَ عَٰقِبَةُ

ٱلَّذِينَ مِن قَبْلِهِمْ وَكَانُوٓا۟ أَشَدَّ مِنْهُمْ قُوَّةً وَمَا كَانَ ٱللَّهُ لِيُعْجِزَهُۥ مِن شَىْءٍ فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَلَا فِي ٱلْأَرْضِ إِنَّهُۥ كَانَ عَلِيمًا قَدِيرًا

Have they not travelled in the land, and seen what was the end of those before them, and they were superior to them in power? Allah ﷻ is not such that anything in the heavens or in the earth escapes Him. Verily, Heالله ﷻ is AllKnowing, AllOmnipotent.

তারা কি পৃথিবীতে ভ্রমণ করে না? করলে দেখত তাদের পূর্ববর্তীদের কি পরিণাম হয়েছে। অথচ তারা তাদের অপেক্ষা অধিকতর শক্তিশালী ছিল। আকাশ ও পৃথিবীতে কোন কিছুই আল্লাহ ﷻকে অপারগ করতে পারে না। নিশ্চয় তিনি সর্বজ্ঞ সর্বশক্তিমান।

क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ है जो उनसे पहले गुज़रे हैं? हालाँकि वे शक्ति में उनसे कही बढ़-चढ़कर थे। अल्लाह ﷻ ऐसा नहीं कि आकाशों में कोई चीज़

उसे मात कर सके और न धरती ही में। निस्संदेह वह सर्वज्ञ, सामर्थ्यमान है

آیا نگشتند در زمین تا بنگرند چگونه بود فرجام آنان که پیش از ایشان بودند بودند سخت‌تر از ایشان در نیرو و نبود خدا به عجزآرنده او چیزی در آسمانها و نه در زمین همانا او است دانای توانا

Faatir (35:45)

وَلَوْ يُؤَاخِذُ ٱللَّهُ ٱلنَّاسَ بِمَا كَسَبُوا۟ مَا تَرَكَ عَلَىٰ ظَهْرِهَا مِن دَآبَّةٍ وَلَٰكِن يُؤَخِّرُهُمْ إِلَىٰٓ أَجَلٍ مُّسَمًّى فَإِذَا جَآءَ أَجَلُهُمْ فَإِنَّ ٱللَّهَ كَانَ بِعِبَادِهِۦ بَصِيرًۢا

And if Allah ﷻ were to punish men for that which they earned, Heﷻالله would not leave a moving (living) creature on the surface of the earth, but He ﷻالله gives them respite to an appointed term, and when their term

Aal-i-Imraan (3:85)ﷲ

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

comes, then verily, Allahﷻ is Ever AllSeer of His slaves.

যদি আল্লাহﷻ মানুষকে তাদের কৃতকর্মের কারণে পাকড়াও করতেন, তবে ভুপৃষ্ঠে চলমানকাউকে ছেড়ে দিতেন না। কিন্তু তিনিﷻ এক নির্দিষ্ট মেয়াদ পর্যন্ত তাদেরকে অবকাশ দেন। অতঃপর যখন সে নির্দিষ্ট মেয়াদ এসে যাবে তখন আল্লাহﷻর সব বান্দা তাঁর দৃষ্টিতে থাকবে।

यदि अल्लाहﷻ लोगों को उनकी اعامال ~~कमाई~~ के कारण पकड़ने पर आ जाए तो इस धरती की पीठ पर किसी जीवधारी को भी न छोड़े। किन्तु वह उन्हें एक नियत समय तक ढील देता है, फिर जब उनका नियत समय आ जाता है तो निश्चय ही अल्लाहﷻ तो अपने बन्दों को देख ही रहा है

و اگر بگیرد خدا مردم را بدانچه فراهم کردند نگذارد بر پشت آن جنبنده‌ای لیکن پس اندازدشان تا سرآمدی نامبرده پس گاهی که بیاید سرآمدشان همانا خدا است به بندگان خویش بینا

Az-Zumar (39:38)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَئِن سَأَلْتَهُم مَّنْ خَلَقَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ لَيَقُولُنَّ ٱللَّهُ قُلْ أَفَرَءَيْتُم مَّا تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ إِنْ أَرَادَنِىَ ٱللَّهُ بِضُرٍّ هَلْ هُنَّ كَٰشِفَٰتُ ضُرِّهِۦٓ أَوْ أَرَادَنِى بِرَحْمَةٍ هَلْ هُنَّ مُمْسِكَٰتُ رَحْمَتِهِۦ ۚ قُلْ حَسْبِىَ ٱللَّهُ ۖ عَلَيْهِ يَتَوَكَّلُ ٱلْمُتَوَكِّلُونَ

And verily, if you ask them: "Who created the heavens and the earth?" Surely, they will say: "Allahﷻ (has created them)." Say: "Tell me then, the things that you invoke besides Allahﷻ, if Allahﷻ intended some harm for me, could they remove His harm, or if He (Allahﷻ) intended some mercy for me, could they withhold His Mercy?" Say: "Sufficient for me is Allah;ﷻ in Him those who trust (i.e. believers) must put their trust."

যদি আপনি তাদেরকে জিজ্ঞেস করেন, আসমান ও যমীন কে সৃষ্টি করেছে? তারা অবশ্যই বলবে-আল্লাহﷻ। বলুন, তোমরা

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কষ্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

ভেবে দেখেছ কি, যদি আল্লাহﷻ আমার অনিষ্ট করার ইচ্ছা করেন, তবে তোমরা আল্লাহﷻ ব্যতীত যাদেরকে ডাক, তারা কি সে অনিষ্ট দূর করতে পারবে? অথবা তিনি আমার প্রতি রহমত করার ইচ্ছা করলে তারা কি সে রহমত রোধ করতে পারবে? বলুন, আমার পক্ষে আল্লাহﷻই যথেষ্ট। নির্ভরকারীরা তাঁরই উপর নির্ভর করে।

यदि तुम उनसे पूछो कि "आकाशों और धरती को किसने पैदा किया?" को वे अवश्य कहेंगे, "अल्लाहﷻ ने।" कहो, "तुम्हारा क्या विचार है? यदि अल्लाहﷻ मुझे कोई तकलीफ़ पहुँचानी चाहे तो क्या अल्लाहﷻ से हटकर जिनको तुम पुकारते हो वे उसकी पहुँचाई हुई तकलीफ़ को दूर कर सकते है? या वह मुझपर कोई दयालुता दर्शानी चाहे तो क्या वे उसकी दयालुता को रोक सकते है?" कह दो, "मेरे लिए अल्लाहﷻ काफ़ी है। भरोसा करनेवाले उसी पर भरोसा करते है।"

و اگر پرسیشان که آفریده است آسمانها و زمین را هر آینه گویند خدا بگو آیا دیدید آنچه را می‌خوانید جز خدا اگر خواهدم خدا به رنجی آیا هستند آنان گشاینده رنج او و اگر خواهدم به رحمتی آیا

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

هستند آنان بازدارنده رحمتش بگو بس است مرا خدا بر او توکل کنند توکل‌کنان

Az-Zumar (39:9)

أَمَّنْ هُوَ قَٰنِتٌ ءَانَآءَ ٱلَّيْلِ سَاجِدًا وَقَآئِمًا يَحْذَرُ ٱلْءَاخِرَةَ وَيَرْجُوا۟ رَحْمَةَ رَبِّهِۦ ۗ قُلْ هَلْ يَسْتَوِى ٱلَّذِينَ يَعْلَمُونَ وَٱلَّذِينَ لَا يَعْلَمُونَ ۗ إِنَّمَا يَتَذَكَّرُ أُو۟لُوا۟ ٱلْأَلْبَٰبِ

Is one who is obedient to Allahﷻ, prostrating himself or standing (in prayer) during the hours of the night, fearing the Hereafter and hoping for the Mercy of his Lord اللهﷻ(like one who disbelieves)? Say: "Are those who know equal to those who know not?" It is only men of understanding who will remember (i.e. get a lesson from Allahﷻ's Signs and Verses).

যে ব্যক্তি রাত্রিকালে সেজদার মাধ্যমে অথবা দাঁড়িয়ে এবাদত করে, পরকালের আশংকা রাখে এবং তার পালনকর্তার রহমত প্রত্যাশা করে, সে কি তার সমান, যে এরূপ করে না; বলুন, যারা জানে এবং যারা জানে না; তারা কি সমান হতে পারে? চিন্তা-ভাবনা কেবল তারাই করে, যারা বুদ্ধিমান।

(क्या उक्त व्यक्ति अच्छा है) या वह व्यक्ति जो रात की घड़ियों में सजदा करता और खड़ा रहता है, आख़िरत से डरता है और अपने रब की दयालुता की आशा रखता हुआ विनयशीलता के साथ बन्दगी में लगा रहता है? कहो, "क्या वे लोग जो जानते है और वे लोग जो नहीं जानते दोनों समान होंगे? शिक्षा तो बुद्धि और समझवाले ही ग्रहण करते है।"

آیا آنکه او فروتن است گاه‌های شب سجده‌کنان و ایستاده می‌ترسد از آخرت و امید دارد رحمت پروردگار خویش را بگو آیا یکسانند آنان که می‌دانند و آنان که نمی‌دانند جز این نیست که یادآور می‌شوند خردمندان

Az-Zumar (39:29)

ضَرَبَ ٱللَّهُ مَثَلًا رَّجُلًا فِيهِ شُرَكَآءُ مُتَشَٰكِسُونَ وَرَجُلًا سَلَمًا لِّرَجُلٍ هَلْ يَسْتَوِيَانِ مَثَلًا ٱلْحَمْدُ لِلَّهِ بَلْ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ

Allahﷻ puts forth a similitude: a (slave) man belonging to many partners (like those who worship others along with Allahﷻ) disputing with one another, and a (slave) man belonging entirely to one master, (like those who worship Allahﷻ Alone). Are those two equal in comparison? All the praises and thanks be to Allahﷻ! But most of them know not.

আল্লাহﷻ এক দৃষ্টান্ত বর্ণনা করেছেনঃ একটি লোকের উপর পরস্পর বিরোধী কয়জন মালিক রয়েছে, আরেক ব্যক্তির প্রভু মাত্র একজন-তাদের উভয়ের অবস্থা কি সমান? সমস্ত প্রশংসা আল্লাহﷻর। কিন্তু তাদের অধিকাংশই জানে না।

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

अल्लाह ﷻ एक मिसाल पेश करता है कि एक व्यक्ति है, जिसके मालिक होने में कई क्यक्ति साक्षी है, आपस में खींचातानी करनेवाले, और एक क्यक्ति वह है जो पूरा का पूरा एक ही व्यक्ति का है। क्या दोनों का हाल एक जैसा होगा? सारी प्रशंसा अल्लाह ﷻ ही के लिए है, किन्तु उनमें से अधिकांश लोग नहीं जानते

بزد خدا مثَلی را مردی که در او است شریکانی ستیزه‌جوی و مردی مختص به یک مرد آیا یکسانند در مثَل سپاس خدا را بلکه بیشتر ایشان نمی‌دانند

Ash-Shu'araa (26:221)
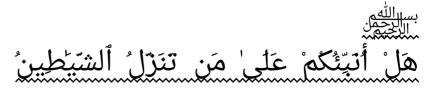
Shall I inform you (O people!) upon whom the Shayatin

(devils) descend?

আমি আপনাকে বলব কি কার নিকট শয়তানরা অবতরণ করে?

क्या मैं तुम्हें बताऊँ कि शैतान किसपर उतरते है?

آیا آگهیتان دهم که بر که فرود می‌آیند شیاطین

Ash-Shu'araa (26:222)
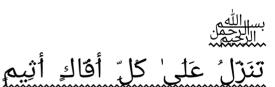
They descend on every lying (one who tells lies), sinful person.

তারা অবতীর্ণ হয় প্রত্যেক মিথ্যাবাদী, গোনাহগারের উপর।

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

वे प्रत्येक ढोंग रचनेवाले गुनाहगार पर उतरते है

فرود آیند بر هر دروغپرداز گنهباری

Ash-Shu'araa (26:223)

يُلۡقُونَ ٱلسَّمۡعَ وَأَكۡثَرُهُمۡ كَٰذِبُونَ

Who gives ear (to the devils and they pour what they may have heard of the unseen from the angels), and most of them are liars.

তারা শ্রুত কথা এনে দেয় এবং তাদের অধিকাংশই মিথ্যাবাদী।

वे कान लगाते है और उनमें से अधिकतर झूठे होते है

که فرادهند گوش را و بیشتر ایشانند دروغگویان

Ash-Shu'araa (26:224)

وَٱلشُّعَرَآءُ يَتَّبِعُهُمُ ٱلْغَاوُۥنَ

As for the poets, the erring follow them,

বিভ্রান্ত লোকেরাই কবিদের অনুসরণ করে।

रहे कवि, तो उनके पीछे बहके हुए लोग ही चला करते है।-

و شاعران و پیروی کنند گمراهان

Ash-Shu'araa (26:225)

أَلَمْ تَرَ أَنَّهُمْ فِى كُلِّ وَادٍ يَهِيمُونَ

See you not that they speak about every subject (praising

others right or wrong) in their poetry?

তুমি কি দেখ না যে, তারা প্রতি ময়দানেই উদভ্রান্ত হয়ে ফিরে?

क्या तुमने देखा नहीं कि वे हर घाटी में बहके फिरते हैं,

آیا نبینی که ایشانند در هر بیغوله‌ای سرگردان

Ash-Shu'araa (26:226)

وَأَنَّهُمْ يَقُولُونَ مَا لَا يَفْعَلُونَ

And that they say what they do not do.

এবং এমন কথা বলে, যা তারা করে না।

और कहते वह है जो करते नहीं? -

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

و آنکه گويند آنچه را نکنند

Ar-Room (30:28)

ضَرَبَ لَكُم مَّثَلٗا مِّنۡ أَنفُسِكُمۡۖ هَل لَّكُم مِّن مَّا مَلَكَتۡ أَيۡمَٰنُكُم مِّن شُرَكَآءَ فِي مَا رَزَقۡنَٰكُمۡ فَأَنتُمۡ فِيهِ سَوَآءٞ تَخَافُونَهُمۡ كَخِيفَتِكُمۡ أَنفُسَكُمۡۚ كَذَٰلِكَ نُفَصِّلُ ٱلۡأٓيَٰتِ لِقَوۡمٖ يَعۡقِلُونَ

Heﷲ ﷻ sets forth for you a parable from your ownselves, - Do you have partners among those whom your right hands possess (i.e. your slaves) to share as equals in the wealth We have bestowed on you? Whom you fear as you fear each other? Thus do We explain the signs in detail to a people who have sense.

আল্লাহﷻ তোমাদের জন্যে তোমাদেরই মধ্য থেকে একটি দৃষ্টান্ত বর্ণনা করেছেনঃ তোমাদের আমি যে রুযী দিয়েছি, তোমাদের

অধিকারভুক্ত দাস-দাসীরা কি তাতে তোমাদের সমান সমান অংশীদার? তোমরা কি তাদেরকে সেরূপ ভয় কর, যেরূপ নিজেদের লোককে ভয় কর? এমনিভাবে আমি সমঝদার সম্প্রদায়ের জন্যে নিদর্শনাবলী বিস্তারিত বর্ণনা করি।

उसﷲने तुम्हारे लिए स्वयं तुम्हीं में से एक मिसाल पेश की है। क्या जो रोज़ी हमने तुम्हें दी है, उसमें तुम्हारे अधीनस्थों में से, कुछ तुम्हारे साझीदार है कि तुम सब उसमें बराबर के हो, तुम उनका ऐसा डर रखते हो जैसा अपने लोगों का डर रखते हो? - इसप्रकार हम उन लोगों के लिए आयतें खोल-खोलकर प्रस्तुत करते है जो बुद्धि से काम लेते है। -

زده است برای شما مثَلی از خود شما آیا شما را است از آنچه مالک است یمینهای شما شریکانی در آنچه روزیتان دادیم که شمائید در آن یکسان همی‌ترسیدشان همانند ترستان از خویشتن بدینگونه تفصیل دهیم آیتها را برای گروهی که بخرد یابند

Aal-i-Imraan (3:83)

Aal-i-Imraan (3:85)ﷻ

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

ﷻ

أَفَغَيۡرَ دِينِ ٱللَّهِ يَبۡغُونَ وَلَهُۥٓ أَسۡلَمَ مَن فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلۡأَرۡضِ طَوۡعٗا وَكَرۡهٗا وَإِلَيۡهِ يُرۡجَعُونَ

Do they seek other than the religion of Allahﷻ (the true Islamic Monotheism worshipping none but Allahﷻ Alone), while to Him submitted all creatures in the heavens and the earth, willingly or unwillingly. And to Himاللهﷻ shall they all be returned.

তারা কি আল্লাহﷻর দ্বীনের পরিবর্তে অন্য দ্বীন তালাশ করছে? আসমান ও যমীনে যা কিছু রয়েছে স্বেচ্ছায় হোক বা অনিচ্ছায় হোক, তাঁরاللهﷻই অনুগত হবে এবং তাঁরﷻ দিকেই ফিরে যাবে।

अब क्या इन लोगों को अल्लाहﷻ के दीन (धर्म) के सिवा किसी और दीन की तलब है, हालाँकि आकाशों और धरती में जो कोई भी है, स्वेच्छापूर्वक या विवश होकर उसी اللهﷻके आगे झुका हुआ है। और उसीاللهﷻ की ओर सबको लौटना है?

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

پس آیا جز دین خدا را خواهند و برای او اسلام آورده است هر که در آسمانها و زمین است خواه و ناخواه و به سوی او بازگردانیده می‌شوند

Aal-i-Imraan (3:84)

قُلْ ءَامَنَّا بِٱللَّهِ وَمَآ أُنزِلَ عَلَيْنَا وَمَآ أُنزِلَ عَلَىٰٓ إِبْرَٰهِيمَ وَإِسْمَٰعِيلَ وَإِسْحَٰقَ وَيَعْقُوبَ وَٱلْأَسْبَاطِ وَمَآ أُوتِىَ مُوسَىٰ وَعِيسَىٰ وَٱلنَّبِيُّونَ مِن رَّبِّهِمْ لَا نُفَرِّقُ بَيْنَ أَحَدٍ مِّنْهُمْ وَنَحْنُ لَهُۥ مُسْلِمُونَ

Say (O Muhammad SAW): "We believe in Allahﷻ and in what has been sent down to us, and what was sent down to Ibrahim (Abraham), Isma'il (Ishmael), Ishaque (Isaac), Ya'qub (Jacob) and Al-Asbat [the twelve sons of Ya'qub (Jacob)] and what was given to Musa (Moses), 'Iesa (Jesus) and the Prophets from their Lord. We make no distinction between one another among them and to Him

(Allahﷻ) we have submitted (in Islam)."

বলুন, আমরা ঈমান এনেছি আল্লাহﷻর উপর এবং যা কিছু অবতীর্ণ হয়েছে আমাদের উপর, ইব্রাহীম, ইসমাঈল, ইসহাক, ইয়াকুব এবং তাঁদের সন্তানবর্গের উপর আর যা কিছু পেয়েছেন মূসা ও ঈসা এবং অন্যান্য নবী রসূলগণ তাঁদের পালনকর্তাاللهﷻর পক্ষ থেকে। আমরা তাঁদের কারো মধ্যে পার্থক্য করি না। আর আমরা তাঁরই অনুগত।

कहो, "हम तो अल्लाहﷻ पर और उस चीज़ पर ईमान लाए जो हम पर उतरी है, और जो इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़ और याक़ूब़ और उनकी सन्तान पर उतरी उसपर भी, और जो मूसा और ईसा और दूसरे नबियो को उनके रबاللهﷻ की ओर से प्रदान हुई (उसपर भी हम ईमान रखते है)। हम उनमें से किसी को उस ओर से प्रदान हुई (उसपर भी हम ईमान रखते है)। हम उनमें से किसी को उस सम्बन्ध से अलग नहीं करते जो उनके बीच पाया जाता है, और हम उसी के आज्ञाकारी (मुस्लिम) है।"

بگو ایمان آوردیم به خدا و آنچه بر ما فرود آمد و آنچه فرود آمد

بر ابراهیم و اسماعیل و اسحق و یعقوب و اسباط و آنچه داده شدند موسی و عیسی و پیمبران از پروردگارشان فرق نگذاریم میان هیچکدام از ایشان و مائیم برای او اسلام‌آرندگان

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी

ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

و هر کس بخواهد جز اس م دینی را هرگز پذیرفته نشود از او و او است در آخرت از زیانکاران

Aal-i-Imraan (3:112)

ضُرِبَتۡ عَلَيۡهِمُ ٱلذِّلَّةُ أَيۡنَ مَا ثُقِفُوٓاْ إِلَّا بِحَبۡلٖ مِّنَ ٱللَّهِ وَحَبۡلٖ مِّنَ ٱلنَّاسِ وَبَآءُو بِغَضَبٖ مِّنَ ٱللَّهِ وَضُرِبَتۡ عَلَيۡهِمُ ٱلۡمَسۡكَنَةُۚ ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمۡ كَانُواْ يَكۡفُرُونَ بِـَٔايَٰتِ ٱللَّهِ وَيَقۡتُلُونَ ٱلۡأَنۢبِيَآءَ بِغَيۡرِ حَقّٖۚ ذَٰلِكَ بِمَا عَصَواْ وَّكَانُواْ يَعۡتَدُونَ

Indignity is put over them wherever they may be, except when under a covenant (of protection) from Allahﷻ, and from men; they have drawn on themselves the Wrath of Allahﷻ, and destruction is put over them. This is because

they disbelieved in the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) of Allahﷻ and killed the Prophets without right. This is because they disobeyed (Allahﷻ) and used to transgress beyond bounds (in Allahﷻ's disobedience, crimes and sins).

আল্লাহﷻর প্রতিশ্রুতি কিংবা মানুষের প্রতিশ্রুতি ব্যতিত ওরা যেখানেই অবস্থান করেছে সেখানেই তাদের ওপর লাঞ্ছনা চাপিয়ে দেয়া হয়েছে। আর ওরা উপার্জন করেছে আল্লাহﷻর গযব। ওদের উপর চাপানো হয়েছে গলগ্রহতা। তা এজন্যে যে, ওরা আল্লাহﷻর আয়াতসমূহকে অনবরত অস্বীকার করেছে এবং নবীগনকে অন্যায়ভাবে হত্যা করেছে। তার কারণ, ওরা নাফরমানী করেছে এবং সীমা লংঘন করেছে।

वे जहाँ कहीं भी पाए गए उनपर ज़िल्लत (अपमान) थोप दी गई। किन्तु अल्लाहﷻ की रस्सी थामें या लोगों का रस्सी, तो और बात है। वे ल्लाह के प्रकोप के पात्र हुए और उनपर दशाहीनता थोप दी गई। यह इसलिए कि वे अल्लाहﷻ की आयतों का इनकार और नबियों को नाहक़ قتل करते रहे है। और यह इसलिए कि उन्होंने अवज्ञा की

और सीमोल्लंघन करते रहे

زده شد بر ایشان خواری هر کجا یافت شوند مگر با رشته‌ای از خدا و رشته‌ای از مردم و گرفتار شدند به خشمی از خدا یا آوردند خشمی از خدا و افکنده شد بر ایشان پریشانی این بدان بود که کفر می‌ورزیدند به آیتهای خدا و می‌کشتند پیمبران را به ناحق این بدان شد که عصیان ورزیدند و بودند تجاوز کنندگان

●●●●●●●

Power of Allaahu,s,w,t,

●●●●●●●

Ar-Room (30:40)

ٱللَّهُ ٱلَّذِى خَلَقَكُمْ ثُمَّ رَزَقَكُمْ ثُمَّ يُمِيتُكُمْ ثُمَّ يُحْيِيكُمْ هَلْ مِن شُرَكَآئِكُم مَّن يَفْعَلُ مِن ذَٰلِكُم مِّن شَىْءٍ سُبْحَٰنَهُۥ وَتَعَٰلَىٰ عَمَّا يُشْرِكُونَ

Allah is He Who created you, then provided food for you, then will cause you to die, then (again) He will give you life

(on the Day of Resurrection). Is there any of your (so-called) partners (of Allah) that do anything of that? Glory be to Him! And Exalted be He above all that (evil) they associate (with Him).

আল্লাহই তোমাদের সৃষ্টি করেছেন, অতঃপর রিযিক দিয়েছেন, এরপর তোমাদের মৃত্যু দেবেন, এরপর তোমাদের জীবিত করবেন। তোমাদের শরীকদের মধ্যে এমন কেউ আছে কি, যে এসব কাজের মধ্যে কোন একটিও করতে পারবে? তারা যাকে শরীক করে, আল্লাহ তা থেকে পবিত্র ও মহান।

अल्लाह ही है जिसने तुम्हें पैदा किया, फिर तुम्हें रोज़ी दी; फिर वह तुम्हें मृत्यु देता है; फिर तुम्हें जीवित करेगा। क्या तुम्हारे ठहराए हुए साझीदारों में भी कोई है, जो इन कामों में से कुछ कर सके? महान और उच्च है वह उसमें जो साझी वे ठहराते है

خدا است آنکه آفرید شما را پس روزیتان داد پس بمیراند شما را و سپس زنده سازدتان آیا هست از شریکان شما آنکه بکند از اینها چیزی را او منزّه و برتر است از آنچه شرک می‌ورزند

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Al-A'raaf (7:54)

إِنَّ رَبَّكُمُ ٱللَّهُ ٱلَّذِى خَلَقَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ فِى سِتَّةِ أَيَّامٍ ثُمَّ ٱسْتَوَىٰ عَلَى ٱلْعَرْشِ يُغْشِى ٱلَّيْلَ ٱلنَّهَارَ يَطْلُبُهُۥ حَثِيثًا وَٱلشَّمْسَ وَٱلْقَمَرَ وَٱلنُّجُومَ مُسَخَّرَٰتٍۭ بِأَمْرِهِۦٓ أَلَا لَهُ ٱلْخَلْقُ وَٱلْأَمْرُ تَبَارَكَ ٱللَّهُ رَبُّ ٱلْعَٰلَمِينَ

Indeed your Lord is Allahﷻ, Who created the heavens and the earth in Six Days, and then He Istawa (rose over) the Throne (really in a manner that suits His Majesty). Heاللهﷻ brings the night as a cover over the day, seeking it rapidly, and (He created) the sun, the moon, the stars subjected to His Command. Surely, His is the Creation and Commandment. Blessed be Allahﷻ, the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists)!

নিশ্চয় তোমাদের প্রতিপালক আল্লাহﷻ। তিনি নভোমন্ডল ও

ভূমন্ডলকে ছয় দিনে সৃষ্টি করেছেন। অতঃপর আরশের উপর অধিষ্ঠিত হয়েছেন। তিনি পরিয়ে দেন রাতের উপর দিনকে এমতাবস্থায় যে, দিন দৌড়ে রাতের পিছনে আসে। তিনি সৃষ্টি করেছেন সূর্য, চন্দ্র ও নক্ষত্র দৌড় স্বীয় আদেশের অনুগামী। শুনে রেখ, তাঁরই কাজ সৃষ্টি করা এবং আদেশ দান করা। আল্লাহ,ﷻ বরকতময় যিনি বিশ্বজগতের প্রতিপালক।

निस्संदेह तुम्हारा रब वही अल्लाहﷻ है, जिसने आकाशों और धरती को छह दिनों में पैदा किया - फिर राजसिंहासन पर विराजमान हुआ। वह रात को दिन पर ढाँकता है जो तेज़ी से उसका पीछा करने में सक्रिय है। और सूर्य, चन्द्रमा और तारे भी बनाए, इस प्रकार कि वे उसके आदेश से काम में लगे हुए है। सावधान रहो, उसी की सृष्टि है और उसी का आदेश है। अल्लाहﷻ सारे संसार का रब, बड़ी बरकतवाला है

همانا پروردگار شما خداوندی است که آفرید آسمانها و زمین را در شش روز سپس پرداخت به عرش می‌پوشاند (فرامی گیرد) شب را به روز که در پی آن است به شتاب و مهر و ماه و ستارگان مسخّرند به فرمانش همانا او راست آفرینش و امر بزرگ است

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

خداوند پروردگار جهانیان

Other entities as الٰهة

Al-Hajj (22:72)

وَإِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِمْ ءَايَٰتُنَا بَيِّنَٰتٍ تَعْرِفُ فِى وُجُوهِ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ ٱلْمُنكَرَ يَكَادُونَ يَسْطُونَ بِٱلَّذِينَ يَتْلُونَ عَلَيْهِمْ ءَايَٰتِنَا قُلْ أَفَأُنَبِّئُكُم بِشَرٍّ مِّن ذَٰلِكُمُ ٱلنَّارُ وَعَدَهَا ٱللَّهُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ وَبِئْسَ ٱلْمَصِيرُ

And when Ourﷻ Clear Verses are recited to them, you will notice a denial on the faces of the disbelievers! They are nearly ready to attack with violence those who recite Our ﷻVerses to them. Say: "Shall I tell you of something worse than that? The Fire (of Hell) which Allahﷻ has promised to those who disbelieve, and worst indeed is

that destination!"

যখন তাদের কাছে আমারﷻ সুস্পষ্ট আয়াতসমূহ আবৃত্তি করা হয়, তখন তুমি কাফেরদের চোখে মুখে অসন্তোষের লক্ষণ প্রত্যক্ষ করতে পারবে। যারা তাদের কাছে আমারﷻ আয়াত সমূহ পাঠ করে, তারা তাদের প্রতি মার মুখো হয়ে উঠে। বলুন, আমি কি তোমাদেরকে তদপেক্ষা মন্দ কিছুর সংবাদ দেব? তা আগুন; আল্লাহﷻ কাফেরদেরকে এর ওয়াদা দিয়েছেন। এটা কতই না নিকৃষ্ট প্রত্যাবর্তনস্থল।

और जब उन्हें हमारीﷻ स्पष्ट आयतें सुनाई जाती है, तो इनकार करनेवालों के चेहरों पर तुम्हें नागवारी प्रतीत होती है। लगता है कि अभी वे उन लोगों पर टूट पड़ेगे जो उन्हें हमारीﷻ आयतें सुनाते है। कह दो, "क्या मैं तुम्हे इससे बुरी चीज़ की ख़बर दूँ? आग है वह - अल्लाहﷻ ने इनकार करनेवालों से उसी का वादा कर रखा है - और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है।"

و هر گاه خوانده شود بر ایشان آیتهای ما روشن بشناسی در چهره‌های آنان که کفر ورزیدند بدی را نزدیک است بتازند بر آنان

Aal-i-Imraan (3:85) ﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

که می‌خوانند بر ایشان آیتهای ما را بگو آیا آگهیتان دهم به بدتر از این آتش وعده دادش خدا بدانان که کفر ورزیدند و بد بازگشتگاهی است

Al-Hajj (22:71)

وَيَعْبُدُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ مَا لَمْ يُنَزِّلْ بِهِۦ سُلْطَٰنًا وَمَا لَيْسَ لَهُم بِهِۦ عِلْمٌ وَمَا لِلظَّٰلِمِينَ مِن نَّصِيرٍ

And they worship besides Allahﷻ others for which Heﷻ has sent down no authority, and of which they have no knowledge and for the Zalimun (wrong-doers, polytheists and disbelievers in the Oneness of Allahﷻ) there is no helper.

তারা আল্লাহﷻর পরিবর্তে এমন কিছুর পূজা করে, যার কোন সনদ নাযিল করা হয়নি এবং সে সম্পর্কে তাদের কোন জ্ঞান নেই। বস্তুতঃ জালেমদের কোন সাহায্যকারী নেই।

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

और वे अल्लाहﷻ से इतर उनकी बन्दगी करते है जिनके लिए न तो उसने कोई प्रमाण उतारा और न उन्हें उनके विषय में कोई ज्ञान ही है। और इन ज़ालिमों को कोई सहायक नहीं

و پرستش کنند جز خدا آنچه را نفرستاد بدان فرمانروایی و آنچه نیستشان بدان دانشی و نیست ستمکاران را یاوری

●●●●●●●

Al-Hajj (22:73)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ ضُرِبَ مَثَلٌ فَٱسْتَمِعُوا۟ لَهُۥٓ ۚ إِنَّ ٱلَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ لَن يَخْلُقُوا۟ ذُبَابًا وَلَوِ ٱجْتَمَعُوا۟ لَهُۥ ۖ وَإِن يَسْلُبْهُمُ ٱلذُّبَابُ شَيْـًٔا لَّا يَسْتَنقِذُوهُ مِنْهُ ۚ ضَعُفَ ٱلطَّالِبُ وَٱلْمَطْلُوبُ

O mankind! A similitude has been coined, so listen to it (carefully): Verily! Those on whom you call besides Allahﷻ, cannot create (even) a fly, even though they

combine together for the purpose. And if the fly snatched away a thing from them, they would have no power to release it from the fly. So weak are (both) the seeker and the sought.

হে লোক সকল! একটি উপমা বর্ণনা করা হলো, অতএব তোমরা তা মনোযোগ দিয়ে শোন; তোমরা আল্লাহﷻর পরিবর্তে যাদের পূজা কর, তারা কখনও একটি মাছি সৃষ্টি করতে পারবে না, যদিও তারা সকলে একত্রিত হয়। আর মাছি যদি তাদের কাছ থেকে কোন কিছু ছিনিয়ে নেয়, তবে তারা তার কাছ থেকে তা উদ্ধার করতে পারবে না, প্রার্থনাকারী ও যার কাছে প্রার্থনা করা হয়, উভয়েই শক্তিহীন।

ऐ लोगों! एक मिसाल पेश की जाती है। उसे ध्यान से सुनो, अल्लाहﷻ से हटकर तुम जिन्हें पुकारते हो वे एक मक्खी भी पैदा नहीं कर सकते। यद्यपि इसके लिए वे सब इकट्ठे हो जाएँ और यदि मक्खी उनसे कोई चीज़ छीन ले जाए तो उससे वे उसको छुड़ा भी नहीं सकते। बेबस और असहाय रहा चाहनेवाला भी (उपासक) और उसका अभीष्ट (उपास्य) भी

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

ای مردم زده شد مثلی پس بشنویدش همانا آنان که می‌خوانید جز خدا هرگز نیافرند مگسی را و هر چند گرد آیند برای آن و اگر بربایدشان مگس چیزی را نستانندش از آن ناتوانند خواهنده و خواسته
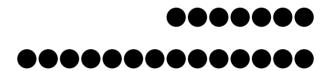
Al-Hajj (22:63)

أَلَمْ تَرَ أَنَّ ٱللَّهَ أَنزَلَ مِنَ ٱلسَّمَآءِ مَآءً فَتُصْبِحُ ٱلْأَرْضُ مُخْضَرَّةً إِنَّ ٱللَّهَ لَطِيفٌ خَبِيرٌ

See you not that Allahﷻ sends down water (rain) from the sky, and then the earth becomes green? Verily, Allahﷻ is the Most Kind and Courteous, Well-Acquainted with all things.

তুমি কি দেখ না যে, আল্লাহﷻ আকাশ থেকে পানি বর্ষণ

করেন, অতঃপর ভূপৃষ্ট সবুজ-শ্যামল হয়ে উঠে। নিশ্চয় আল্লাহﷻ সুক্ষদর্শী, সর্ববিষয়ে খবরদার।

क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाहﷻ आकाश से पानी बरसाता है, तो धरती हरी-भरी हो जाती है? निस्संदेह अल्लाहﷻ सूक्ष्मदर्शी, ख़बर रखनेवाला है

آیا ندیدی که خدا فرستاد از آسمان آبی پس گردید زمین سرسبز همانا خداوند است نوازنده آگاه

Al-Hajj (22:64)

﷽

لَّهُۥ مَا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِى ٱلْأَرْضِ وَإِنَّ ٱللَّهَ لَهُوَ ٱلْغَنِىُّ ٱلْحَمِيدُ

To Him belongs all that is in the heavens and all that is on the earth. And verily, Allahﷻ He is Rich (Free of all wants), Worthy of all praise.

নভোমন্ডল ও ভুপৃষ্ঠে যা কিছু আছে, সব তাঁরই এবং আল্লাহ‌ﷻই অভাবমুক্ত প্রশংসার অধিকারী।

उसी का है जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है। निस्संदेह अल्लाहﷻ ही निस्पृह प्रशंसनीय है

برای او است آنچه در آسمانها و آنچه در زمین است و همانا خدا است بی‌نیاز ستوده

Al-Hajj (22:65)

﷽

أَلَمْ تَرَ أَنَّ ٱللَّهَ سَخَّرَ لَكُم مَّا فِى ٱلْأَرْضِ وَٱلْفُلْكَ تَجْرِى فِى ٱلْبَحْرِ بِأَمْرِهِۦ وَيُمْسِكُ ٱلسَّمَآءَ أَن تَقَعَ عَلَى ٱلْأَرْضِ إِلَّا بِإِذْنِهِۦٓ ۗ إِنَّ ٱللَّهَ بِٱلنَّاسِ لَرَءُوفٌ رَّحِيمٌ

See you not that Allahﷻ has subjected to you (mankind)

all that is on the earth, and the ships that sail through the sea by His ﷻ Command? He withholds the heaven from falling on the earth except by His Leave. Verily, Allah ﷻ is, for mankind, full of Kindness, Most Merciful.

তুমি কি দেখ না যে, ভূপৃষ্টে যা আছে এবং সমুদ্রে চলমান নৌকা তৎসমুদয়কে আল্লাহ ﷻ নিজ আদেশে তোমাদের অধীন করে দিয়েছেন এবং তিনি আকাশ স্থির রাখেন, যাতে তাঁর আদেশ ব্যতীত ভূপৃষ্টে পতিত না হয়। নিশ্চয় আল্লাহ ﷻ মানুষের প্রতি করুণাশীল, দয়াবান।

क्या तुमने देखा नहीं कि धरती में जो कुछ भी है उसे अल्लाह ﷻ ने तुम्हारे लिए वशीभूत कर रखा है और नौका को भी कि उसके आदेश से दरिया में चलती है, और उसने आकाश को धरती पर गिरने से रोक रखा है। उसकी अनुज्ञा हो तो बात दूसरी है। निस्संदेह अल्लाह ﷻ लोगों के हक़ में बड़ा करुणाशील, दयावान है

آیا ندیدی که خدا رام کرد برای شما آنچه در زمین است و کشتی که می‌رود در دریا به فرمانش و نگاه می‌دارد آسمان را که فرود

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

آید بر زمین مگر با اذن او همانا خدا به مردم است نوازنده مهربان

●●●●●●●

Al-Hajj (22:66)

وَهُوَ ٱلَّذِىٓ أَحْيَاكُمْ ثُمَّ يُمِيتُكُمْ ثُمَّ يُحْيِيكُمْ إِنَّ ٱلْإِنسَٰنَ لَكَفُورٌ

It is He, Who gave you life, and then will cause you to die, and الله will again give you life (on the Day of Resurrection). Verily! Man is indeed an ingrate.

তিনিالله ই তোমাদেরকে জীবিত করেছেন, অতঃপর তিনিالله ই তোমাদেরকে মৃত্যুদান করবেন ও পুনরায় জীবিত করবেন। নিশ্চয় মানুষ বড় অকৃতজ্ঞ।

और الله वही है जिसने तुम्हें जीवन प्रदान किया। फिर वहीالله तुम्हें मृत्यु देता है और फिर वही الله तुम्हें जीवित करनेवाला है। निस्संदेह मानव बड़ा ही अकृतज्ञ है

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কষ্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

و او است آنکه زنده کرد شما را پس بمیراندتان و سپس زنده سازدتان و همانا انسان است بسیار ناسپاس

Aal-i-Imraan (3:116)

إِنَّ ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ لَن تُغۡنِيَ عَنۡهُمۡ أَمۡوَٰلُهُمۡ وَلَآ أَوۡلَٰدُهُم مِّنَ ٱللَّهِ شَيۡـٔٗاۖ وَأُوْلَٰٓئِكَ أَصۡحَٰبُ ٱلنَّارِۖ هُمۡ فِيهَا خَٰلِدُونَ

Surely, those who reject Faith (disbelieve in Muhammad SAW as being Allah'ﷻs Prophet and in all that which he has brought from Allahﷻ), neither their properties, nor their offspring will avail them aught against Allahﷻ. They are the dwellers of the Fire, therein they will abide. (Tafsir At-Tabari, Vol. 4, Page 58).

নিশ্চয় যারা কাফের হয়, তাদের ধন সম্পদ ও সন্তান-সন্তুতি আল্লাহﷻর সামনে কখনও কোন কাজে আসবে না। আর

Aal-i-Imraan (3:85)ﷺ

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

তারাই হলো দোযখের আগুনের অধিবাসী। তারা সে আগুনে চিরকাল থাকবে।

रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया, तो अल्लाहﷻ के मुक़ाबले में न उनके माल कुछ काम आ सकेंगे और न उनकी सन्तान ही। वे तो आग में जानेवाले लोग है, उसी में वे सदैव रहेंगे

همانا آنان که کفر ورزیدند بی‌نیازشان نکند اموالشان و نه او دشان از خدا به چیزی و آنانند یاران آتش در آنند جاودانان

Aal-i-Imraan (3:86)

ﷺ

كَيۡفَ يَهۡدِي ٱللَّهُ قَوۡمٗا كَفَرُواْ بَعۡدَ إِيمَٰنِهِمۡ وَشَهِدُوٓاْ أَنَّ ٱلرَّسُولَ حَقّٞ وَجَآءَهُمُ ٱلۡبَيِّنَٰتُۚ وَٱللَّهُ لَا يَهۡدِي ٱلۡقَوۡمَ ٱلظَّٰلِمِينَ

How shall Allahﷻ guide a people who disbelieved after their belief and after they bore witness that the Messenger

(Muhammad SAW) is true and after clear proofs had come unto them? And Allahﷻ guides not the people who are Zalimun (polytheists and wrong-doers).

কেমন করে আল্লাহﷻ এমন জাতিকে হেদায়েত দান করবেন, যারা ঈমান আনার পর এবং রসূলকে সত্য বলে সাক্ষ্য দেয়ার পর এবং তাদের নিকট প্রমাণ এসে যাওয়ার পর কাফের হয়েছে। আর আল্লাহﷻ জালেম সম্প্রদায়কে হেদায়েত দান করেন না।

अल्लाहﷻ उन लोगों को कैसे मार्ग दिखाएगा, जिन्होंने अपने ईमान के पश्चात अधर्म और इनकार की नीति अपनाई, जबकि वे स्वयं इस बात की गवाही दे चुके हैं कि यह रसूल सच्चा है और उनके पास स्पष्ट निशानियाँ भी आ चुकी हैं? अल्लाहﷻ अत्याचारी लोगों को मार्ग नहीं दिखाया करता

چگونه هدایت کند خدا قومی را که کافر شدند پس از ایمانشان و گواهی دادند که پیغمبر است حقّ و بیامدشان نشانیها و خدا نیست هدایت‌کننده گروه ستمکاران

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

●●●●●●●

God's gauntlet to the deniers of Monotheism....

●●●●●●●

Al-Mulk (67:30)

قُلۡ أَرَءَيۡتُمۡ إِنۡ أَصۡبَحَ مَآؤُكُمۡ غَوۡرٗا فَمَن يَأۡتِيكُم بِمَآءٖ مَّعِينِۭ

Say (O Muhammad SAW): "Tell me! If (all) your water were to be sunk deep in the oblivion , who then can supply you with flowing (spring) water?"

الله ﷻ

বলুন, তোমরা ভেবে দেখেছ কি, যদি তোমাদের পানি ভূগর্ভের গভীরে চলে যায়, তবে কে তোমাদেরকে সরবরাহ করবে পানির স্রোতধারা?

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

الله

कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि तुम्हारा पानी (धरती में) नीचे उतर जाए तो फिर कौन तुम्हें लाकर देगा निर्मल प्रवाहित जल?"

بگو آیا دیدید اگر بامداد کند آب شما فرو رفته کیست که آورد شما را به آبی نمایان

●●●●●●●

Faatir (35:41)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱللَّهَ يُمْسِكُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ أَن تَزُولَا وَلَئِن زَالَتَآ إِنْ أَمْسَكَهُمَا مِنْ أَحَدٍ مِّنۢ بَعْدِهِۦٓ إِنَّهُۥ كَانَ حَلِيمًا غَفُورًا

Verily! Allah ﷻ grasps the heavens and the earth lest they move away from their places, and if they were to move away from their places, there is not one that could grasp them after Him ﷻ. Truly, He is Ever Most Forbearing, OftForgiving.

নিশ্চয় আল্লাহﷻ আসমান ও যমীনকে স্থির রাখেন, যাতে টলে না যায়। যদি এগুলো টলে যায় তবে তিনিاللهﷻ ব্যতীত কে এগুলোকে স্থির রাখবে? তিনি اللهﷻসহনশীল, ক্ষমাশীল।

अल्लाहﷻ ही आकाशों और धरती को थामे हुए है कि वे टल न जाएँ और यदि वे टल जाएँ तो उसاللهﷻके पश्चात कोई भी नहीं जो उन्हें थाम सके। निस्संदेह, वहاللهﷻ बहुत सहनशील, क्षमा करनेवाला है

همانا خدا نگهدارد آسمانها و زمین را از آنکه بیفتند و اگر بیفتند نگه ندارد آنها را کسی پس از او همانا او است بردبار آمرزگار

Al-Qasas (28:71)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ أَرَءَيْتُمْ إِن جَعَلَ ٱللَّهُ عَلَيْكُمُ ٱلَّيْلَ سَرْمَدًا إِلَىٰ يَوْمِ ٱلْقِيَٰمَةِ مَنْ إِلَٰهٌ غَيْرُ ٱللَّهِ يَأْتِيكُم بِضِيَآءٍ أَفَلَا تَسْمَعُونَ

Say (O Muhammad SAW): "Tell me! If Allahﷻ made night continuous for you till the Day of Resurrection, who is an ilah (a god) besides Allahﷻ who could bring you light? Will you not then hear?"

বলুন, ভেবে দেখ তো, আল্লাহﷻ যদি রাত্রিকে কেয়ামতের দিন পর্যন্ত স্থায়ী করেন, তবে আল্লাহﷻ ব্যতীত এমন উপাস্য কে আছে, যে তোমাদেরকে আলোক দান করতে পারে? তোমরা কি তবুও কর্ণ 2474;াত করবে না?

कहो, "क्या तुमने विचार किया कि यदि अल्लाहﷻ क़ियामत के दिन तक सदैव के लिए तुमपर रात कर दे तो अल्लाहﷻ के सिवा कौन इष्ट-प्रभु है जो तुम्हारे लिए प्रकाश लाए? तो क्या तुम देखते नहीं?"

بگو آیا دیده‌اید اگر بگرداند خدا بر شما شب را پیوسته تا روز رستاخیز کدام خدا است جز خدا که بیارد شما را پرتوی آیا نمی‌شنوید

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Al-Qasas (28:72)

قُلْ أَرَءَيْتُمْ إِن جَعَلَ ٱللَّهُ عَلَيْكُمُ ٱلنَّهَارَ سَرْمَدًا إِلَىٰ يَوْمِ ٱلْقِيَٰمَةِ مَنْ إِلَٰهٌ غَيْرُ ٱللَّهِ يَأْتِيكُم بِلَيْلٍ تَسْكُنُونَ فِيهِ أَفَلَا تُبْصِرُونَ

Say (O Muhammad SAW): "Tell me! If Allah ﷻ made day continuous for you till the Day of Resurrection, who is an ilah (a god) besides Allah ﷻ who could bring you night wherein you rest? Will you not then see?"

বলুন, ভেবে দেখ তো, আল্লাহ ﷻ যদি দিনকে কেয়ামতের দিন পর্যন্ত স্থায়ী করেন, তবে আল্লাহ ﷻ ব্যতীত এমন উপাস্য কে আছে যে, তোমাদেরকে রাত্রি দান করতে পারে, যাতে তোমরা বিশ্রাম করবে ? তোমরা কি তবুও ভেবে দেখবে না ?

कहो, "क्या तुमने विचार किया? यदि अल्लाह ﷻ क़ियामत के दिन तक सदैव के लिए तुमपर दिन कर दे तो अल्लाह ﷻ के सिवा दूसरा कौन

इष्ट-पूज्य है जो तुम्हारे लिए रात लाए जिसमें तुम आराम पाते हो? तो क्या तुम देखते नहीं?

بگو آیا دیده‌اید اگر گرداند خدا بر شما روز را همیشگی تا روز قیامت کدام خدا است جز خدا که آوردتان شبی که آرامش گیرید در آن آیا نمی‌بینید

Faatir (35:40)

قُلْ أَرَءَيْتُمْ شُرَكَآءَكُمُ ٱلَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ أَرُونِى مَاذَا خَلَقُوا۟ مِنَ ٱلْأَرْضِ أَمْ لَهُمْ شِرْكٌ فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ أَمْ ءَاتَيْنَٰهُمْ كِتَٰبًا فَهُمْ عَلَىٰ بَيِّنَتٍ مِّنْهُ بَلْ إِن يَعِدُ ٱلظَّٰلِمُونَ بَعْضُهُم بَعْضًا إِلَّا غُرُورًا

Say (O Muhammad SAW): "Tell me or inform me (what) do you think about your (socalled) partnergods to whom you call upon besides Allahﷻ, show me, what they have created of the earth? Or have they any share in the

heavens? Or have We given them a Book, so that they act on clear proof therefrom? Nay, the Zalimun (polytheists and wrongdoers, etc.) promise one another nothing but delusions."

বলুন, তোমরা কি তোমাদের সে শরীকদের কথা ভেবে দেখেছ, যাদেরকে আল্লাহﷻর পরিবর্তে তোমরা ডাক? তারা পৃথিবীতে কিছু সৃষ্টি করে থাকলে আমাকে দেখাও। না আসমান সৃষ্টিতে তাদের কোন অংশ আছে, না আমি তাদেরকে কোন কিতাব দিয়েছি যে, তারা তার দলীলের উপর কায়েম রয়েছে, বরং জালেমরা একে অপরকে কেবল প্রতারণামূলক ওয়াদা দিয়ে থাকে।

कहो, "क्या तुमने अपने ठहराए हुए साझीदारो का अवलोकन भी किया, जिन्हें तुम अल्लाहﷻ को छोड़कर पुकारते हो? मुझे दिखाओ उन्होंने धरती का कौन-सा भाग पैदा किया है या आकाशों में उनकी कोई भागीदारी है?" या हमने उन्हें कोई किताब ही है कि उसका कोई स्पष्ट प्रमाण उनके पक्ष में हो? नहीं, बल्कि वे ज़ालिम आपस में एक-दूसरे से केवल धोखे का वादा कर रहे है

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

بگو آیا دیدید شریکان خویش را که خوانید جز خدا بنمایانیدم چه چیز آفریدند از زمین یا آنان را است شرکتی در آسمانها یا دادیم بدیشان کتابی پس ایشانند بر روشنائی (یا نشانی) از آن بلکه وعده نمی‌دهند ستمگران برخی از ایشان برخی را جز فریب

●●●●●●●

Faatir (35:41)

إِنَّ ٱللَّهَ يُمْسِكُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ أَن تَزُولَا وَلَئِن زَالَتَآ إِنْ أَمْسَكَهُمَا مِنْ أَحَدٍ مِّنۢ بَعْدِهِۦٓ إِنَّهُۥ كَانَ حَلِيمًا غَفُورًا

Verily! Allahﷻ grasps the heavens and the earth lest they move away from their places, and if they were to move away from their places, there is not one that could grasp them after Him.ﷻ Truly, He is Ever Most Forbearing, OftForgiving.

নিশ্চয় আল্লাহﷻ আসমান ও যমীনকে স্থির রাখেন, যাতে টলে না যায়। যদি এগুলো টলে যায় তবে তিনি اللهﷻব্যতীত কে এগুলোকে স্থির রাখবে? তিনি সহনশীল, ক্ষমাশীল।

अल्लाहﷻ ही आकाशों और धरती को थामे हुए है कि वे टल न जाएँ और यदि वे टल जाएँ तो उसاللهﷻके पश्चात कोई भी नहीं जो उन्हें थाम सके। निस्संदेह, वह बहुत सहनशील, क्षमा करनेवाला है

همانا خدا نگهدارد آسمانها و زمین را از آنکه بیفتند و اگر بیفتند نگه ندارد آنها را کسی پس از او همانا او است بردبار آمرزگار

Al-An'aam (6:46)

﷽

قُلْ أَرَءَيْتُمْ إِنْ أَخَذَ ٱللَّهُ سَمْعَكُمْ وَأَبْصَٰرَكُمْ وَخَتَمَ عَلَىٰ قُلُوبِكُم مَّنْ إِلَٰهٌ غَيْرُ ٱللَّهِ يَأْتِيكُم بِهِ ٱنظُرْ كَيْفَ نُصَرِّفُ ٱلْءَايَٰتِ ثُمَّ هُمْ يَصْدِفُونَ

Say (to the disbelievers): "Tell me, if Allahﷻ took away

your hearing and your sight, and sealed up your hearts, who is there - an ilah (a god) other than Allahﷻ who could restore them to you?" See how variously We explain the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.), yet they turn aside.

আপনি বলুনঃ বল তো দেখি, যদি আল্লাহﷻ তোমাদের কান ও চোখ নিয়ে যান এবং তোমাদের অন্তরে মোহর এঁটে দেন, তবে এবং তোমাদের আল্লাহﷻ ব্যতীত এমন উপাস্য কে আছে, যে তোমাদেরকে এগুলো এনে দেবে? দেখ, আমি কিভাবে ঘুরিয়ে-ফিরিয়ে নিদর্শনাবলী বর্ণনা করি। তথাপি তারা বিমুখ হচ্ছে।

कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि अल्लाहﷻ तुम्हारे सुनने की और तुम्हारी देखने की शक्ति छीन ले और तुम्हारे दिलों पर ठप्पा लगा दे, तो अल्लाहﷻ के सिवा कौन पूज्य है जो तुम्हें ये चीज़े लाकर दे?" देखो, किस प्रकार हम तरह-तरह से अपनी निशानियाँ बयान करते है! फिर भी वे किनारा ही खींचते जाते है

بگو آیا نگریسته‌اید که اگر خدای بگیرد گوش و دیدگان شما را و

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

مُهر زند بر دلهای شما کیست خدائی جز خداوند که برگرداند آنها را به شما بنگر چگونه می‌گردانیم آیتها را سپس ایشان روی برمی‌گردانند

●●●●●●●

Al-An'aam (6:47)

قُلْ أَرَءَيْتَكُمْ إِنْ أَتَىٰكُمْ عَذَابُ ٱللَّهِ بَغْتَةً أَوْ جَهْرَةً هَلْ يُهْلَكُ إِلَّا ٱلْقَوْمُ ٱلظَّٰلِمُونَ

Say: "Tell me, if the punishment of Allahﷻ comes to you suddenly (during the night), or openly (during the day), will any be destroyed except the Zalimun (polytheists and wrong-doing people)?"

বলে দিনঃ দেখতো, যদি আল্লাহﷻর শাস্তি, আকস্মিক কিংবা প্রকাশ্যে তোমাদের উপর আসে, তবে জালেম, সম্প্রদায় ব্যতীত কে ধ্বংস হবে?

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि तुमपर अचानक या प्रत्यक्षत: अल्लाहﷻ की यातना आ जाए, तो क्या अत्याचारी लोगों के सिवा कोई और विनष्ट होगा?"

بگو آیا دیدستید اگر بیاید شما را عذاب خدا ناگهان یا آشکارا آیا نابود می‌شوند جز گروه ستمکاران

Al-Ahqaf (46:4)

قُلْ أَرَءَيْتُم مَّا تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ أَرُونِى مَاذَا خَلَقُوا۟ مِنَ ٱلْأَرْضِ أَمْ لَهُمْ شِرْكٌ فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ ٱئْتُونِى بِكِتَٰبٍ مِّن قَبْلِ هَٰذَآ أَوْ أَثَٰرَةٍ مِّنْ عِلْمٍ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

Say (O Muhammad SAW to these pagans): "Think! All that you invoke besides Allahﷻ show me! What have they created of the earth? Or have they a share in (the creation of) the heavens? Bring me a Book (revealed before this),

or some trace of knowledge (in support of your claims), if you are truthful!"

বলুন, তোমরা আল্লাহﷻ ব্যতীত যাদের পূজা কর, তাদের বিষয়ে ভেবে দেখেছ কি? দেখাও আমাকে তারা পৃথিবীতে কি সৃষ্টি করেছে? অথবা নভোমন্ডল সৃজনে তাদের কি কোন অংশ আছে? এর পূর্ববর্তী কোন কিতাব অথবা পরম্পরাগত কোন জ্ঞান আমার কাছে উপস্থিত কর, যদি তোমরা সত্যবাদী হও।

कहो, "क्या तुमने उनको देखा भी, जिन्हें तुम अल्लाहﷻ को छोड़कर पुकारते हो? मुझे दिखाओ उन्होंने धरती की चीज़ों में से क्या पैदा किया है या आकाशों में उनकी कोई साझेदारी है? मेरे पास इससे पहले की कोई किताब ले आओ या ज्ञान की कोई अवशेष बात ही, यदि तुम सच्चे हो।"

بگو آیا دیدید آنچه را خوانید جز خدا بنمائیدم چه چیز آفریدند از زمین یا ایشان را است شرکتی در آسمانها بیاریدم به کتابی از پیش از این یا بازمانده‌ای از دانش اگر هستید راستگویان

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

●●●●●●●

Al-Ahqaf (46:5)

وَمَنْ أَضَلُّ مِمَّن يَدْعُوا۟ مِن دُونِ ٱللَّهِ مَن لَّا يَسْتَجِيبُ لَهُۥٓ إِلَىٰ يَوْمِ ٱلْقِيَٰمَةِ وَهُمْ عَن دُعَآئِهِمْ غَٰفِلُونَ

And who is more astray than one who calls (invokes) besides Allahﷻ, such as will not answer him till the Day of Resurrection, and who are (even) unaware of their calls (invocations) to them?

যে ব্যক্তি আল্লাহﷻর পরিবর্তে এমন বস্তুর পূজা করে, যে কেয়ামত পর্যন্তও তার ডাকে সাড়া দেবে না, তার চেয়ে অধিক পথভ্রষ্ট আর কে? তারা তো তাদের পুজা সম্পর্কেও বেখবর।

आख़िर उस व्यक्ति से बढ़कर पथभ्रष्ट और कौन होगा, जो अल्लाहﷻ से हटकर उन्हें पुकारता हो जो क़ियामत के दिन तक उसकी पुकार को स्वीकार नहीं कर सकते, बल्कि वे तो उनकी पुकार से भी बेख़बर

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

है;

و کیست گمراه‌تر از آنکه خواند جز خدا آن را که نپذیرد برایش تا روز رستاخیز و ایشانند از خواندن آنان ناآگاهان

Al-Ahqaf (46:6)

وَإِذَا حُشِرَ ٱلنَّاسُ كَانُوا۟ لَهُمْ أَعْدَآءً وَكَانُوا۟ بِعِبَادَتِهِمْ كَٰفِرِينَ

And when mankind are gathered (on the Day of Resurrection), they (false deities) will become enemies for them and will deny their worshipping.

যখন মানুষকে হাশরে একত্রিত করা হবে, তখন তারা তাদের শত্রু হবে এবং তাদের এবাদত অস্বীকার করবে।

और जब लोग इकट्ठे किए जाएँगे तो वे उनके शत्रु होंगे और उनकी

Aal-i-Imraan (3:85)ﷺ
وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ
And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.
যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।
जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

बन्दगी का इनकार करेंगे

و گاهی که گردآورده شوند مردم باشند ایشان را دشمنانی و باشند به پرستش ایشان کافران

Proclaim Allahuﷻ.as your only God

●●●●●●●

Al-Mulk (67:29)

قُلْ هُوَ ٱلرَّحْمَٰنُ ءَامَنَّا بِهِۦ وَعَلَيْهِ تَوَكَّلْنَا فَسَتَعْلَمُونَ مَنْ هُوَ فِى ضَلَٰلٍ مُّبِينٍ

Say: "Heﷲﷻ is the Most Beneficent (Allahﷻ), in Himﷻ we believe, and in Himﷻ we put our trust. So you will come to know who is it that is in manifest error."

বলুন, তিনিﷲﷻ পরম করুণাময়, আমরা তাতে ﷲﷻবিশ্বাস

রাখি এবং তাঁরالله ﷻই উপর ভরসা করি। সত্ত্বরই তোমরা জানতে পারবে, কে প্রকাশ্য পথ-ভ্রষ্টতায় আছে।

कह दो, "वह रहमान الله ﷻहै। उसीﷻ पर हम ईमान लाए है और उसीالله ﷻ पर हमने भरोसा किया। तो शीघ्र ही तुम्हें मालूम हो जाएगा कि खुली गुमराही में कौन पड़ा हुआ है।"

بگو او است خدای مهربان ایمان آوردیم بدو و بر او توکل کردیم زود است بدانید کیست آنکه او است در گمراهی آشکار

Al-An'aam (6:48)

وَمَا نُرْسِلُ ٱلْمُرْسَلِينَ إِلَّا مُبَشِّرِينَ وَمُنذِرِينَ فَمَنْ ءَامَنَ وَأَصْلَحَ فَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ

And Weالله ﷻ send not the Messengers but as givers of glad tidings and as warners. So whosoever believes and does righteous good deeds, upon such shall come no fear,

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

nor shall they grieve.

আমিﷲﷻ পয়গম্বরদেরকে প্রেরণ করি না, কিন্তু সুসংবাদাতা ও ভীতি প্রদর্শকরূপে অতঃপর যে বিশ্বাস স্থাপন করে এবং সংশোধিত হয়, তাদের কোন শঙ্কা নেই এবং তারা দুঃখিত হবে না।

हमﷲﷻ रसूलों को केवल शुभ-सूचना देनेवाले और सचेतकर्ता बनाकर भेजते रहे है। फिर जो ईमान लाए और सुधर जाए, तो ऐसे लोगों के लिए न कोई भय है और न वे कभी दुखी होंगे

و نمی‌فرستیم فرستادگان را جز نویددهندگان و ترسانندگان پس آنان که ایمان آورند و اص ح کنند نیست بر ایشان بیمی و نه اندوهگین شوند

Al-An'aam (6:49)

وَٱلَّذِينَ كَذَّبُواْ بِـَٔايَٰتِنَا يَمَسُّهُمُ ٱلۡعَذَابُ بِمَا كَانُواْ

يَفْسُقُونَ

But those who reject Ourﷻ Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.), the torment will touch them for their disbelief (and for their belying the Message of Muhammad SAW). [Tafsir Al-Qurtubi].

ﷻ

যারা আমারﷻ নিদর্শনাবলীকে মিথ্যা বলে, তাদেরকে তাদের নাফরমানীর কারণে আযাব স্পর্শ করবে।

ﷻ•

रहे वे लोग, जिन्होंने हमारीﷻ आयतों को झुठलाया, उन्हें यातना पहुँचकर रहेगी, क्योंकि वे अवज्ञा करते रहे है

و آنان که تکذیب کنند آیتهای ما را برسد بدیشان عذاب بدانچه بودند نافرمانی می‌کردند

Prophets were also Human beings like You and Me..

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

●●●●●●●

Al-An'aam (6:50)

قُل لَّآ أَقُولُ لَكُمْ عِندِى خَزَآئِنُ ٱللَّهِ وَلَآ أَعْلَمُ ٱلْغَيْبَ وَلَآ أَقُولُ لَكُمْ إِنِّى مَلَكٌ إِنْ أَتَّبِعُ إِلَّا مَا يُوحَىٰٓ إِلَىَّ قُلْ هَلْ يَسْتَوِى ٱلْأَعْمَىٰ وَٱلْبَصِيرُ أَفَلَا تَتَفَكَّرُونَ

Say (O Muhammad SAW): "I don't tell you that with me are the treasures of Allahﷻ, nor (that) I know the unseen; nor I tell you that I am an angel. I but follow what is revealed to me by inspiration." Say: "Are the blind and the one who sees equal? will you not then take thought?"

আপনি বলুনঃ আমি তোমাদেরকে বলি না যে, আমার কাছে আল্লাহﷻর ভান্ডার রয়েছে। তাছাড়া আমি অদৃশ্য বিষয় অবগতও নই। আমি এমন বলি না যে, আমি ফেরেশতা। আমি তো শুধু ঐ ওহীর অনুসরণ করি, যা আমার কাছে আসে। আপনি বলে দিনঃ অন্ধ ও চক্ষুমান কি সমান হতে পারে? তোমরা কি চিন্তা কর না ?

कह दो, "मैं तुमसे यह नहीं कहता कि मेरे पास अल्लाहﷻ के ख़ज़ाने है, और न मैं परोक्ष का ज्ञान रखता हूँ, और न मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं कोई फ़रिश्ता हूँ। मैं तो बस उसी का अनुपालन करता हूँ जो मेरी ओर वह्यं की जाती है।" कहो, "क्या अंधा और आँखोंवाला दोनों बराबर हो जाएँगे? क्या तुम सोच-विचार से काम नहीं लेते?"

بگو نمی‌گویم برای شما که نزد من است گنجهای خدا و نه ناپیدا را دانم و نمی‌گویم برای شما منم فرشته پیروی نمی‌کنم جز آنچه را به من وحی شود بگو آیا یکسان است کور و بینا آیا نمی‌اندیشید

Masulaat

Al-Haaqqa (69:4)

كَذَّبَتۡ ثَمُودُ وَعَادُۢ بِٱلۡقَارِعَةِ

Thamud and 'Ad people denied the Qari'ah [the striking Hour (of Judgement)]!

আদ ও সামুদ গোত্র মহাপ্রলয়কে মিথ্যা বলেছিল।

समूद और आद ने उस खड़खड़ा देनेवाली (घटना) को झुठलाया,

تکذیب کردند ثمود و عاد به کوبنده

●●●●●●●

Al-Haaqqa (69:5)

فَأَمَّا ثَمُودُ فَأُهْلِكُوا۟ بِٱلطَّاغِيَةِ

As for Thamud, they were destroyed by the awful cry!

অতঃপর সমুদ গোত্রকে ধ্বংস করা হয়েছিল এক প্রলয়ংকর বিপর্যয় দ্বারা।

फिर समूद तो एक हद से बढ़ जानेवाली आपदा से विनष्ट किए गए

اما ثمود پس نابود شدند به سرکشنده

Al-Haaqqa (69:6)

وَأَمَّا عَادٌ فَأُهْلِكُوا۟ بِرِيحٍ صَرْصَرٍ عَاتِيَةٍ

And as for 'Ad, they were destroyed by a furious violent wind;

এবং আদ গোত্রকে ধ্বংস করা হয়েছিল এক প্রচন্ড ঝঞ্জাবায়ু,

और रहे आद, तो वे एक अनियंत्रित प्रचंड वायु से विनष्ट कर दिए गए

و اما عاد پس نابود شدند به بادی تندوزنده سرکش

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

जलप्रलय-ಜಲಪ್ರಳಯ

Al-Haaqqa (69:7)

سَخَّرَهَا عَلَيْهِمْ سَبْعَ لَيَالٍ وَثَمَٰنِيَةَ أَيَّامٍ حُسُومًا فَتَرَى ٱلْقَوْمَ فِيهَا صَرْعَىٰ كَأَنَّهُمْ أَعْجَازُ نَخْلٍ خَاوِيَةٍ

Which Allah imposed on them for seven nights and eight days in succession, so that you could see men lying overthrown (destroyed), as if they were hollow trunks of date-palms!

যা তিনি প্রবাহিত করেছিলেন তাদের উপর সাত রাত্রি ও আট দিবস পর্যন্ত অবিরাম। আপনি তাদেরকে দেখতেন যে, তারা অসার খর্জুর কান্ডের ন্যায় ভূপাতিত হয়ে রয়েছে।

अल्लाह ने उसको सात रात और आठ दिन तक उन्मूलन के उद्देश्य से उनपर लगाए रखा। तो लोगों को तुम देखते कि वे उसमें पछाड़े हुए ऐसे पड़े है मानो वे खजूर के जर्जर तने हों

بگماردش بر ایشان هفت شب و هشت روز داشت روز پی‌درپی که بینی گروه را در آن بیهوش افتاده گوئیا آنانند تنه‌های نخل فروافتاده

Al-Haaqqa (69:8)

فَهَلْ تَرَىٰ لَهُم مِّنۢ بَاقِيَةٍ

Do you see any remnants of them?

আপনি তাদের কোন অস্তিত্ব দেখতে পান কি?

अब क्या तुम्हें उनमें से कोई शेष दिखाई देता है?

پس آیا می‌نگری برای ایشان بازماندگانی

Al-Haaqqa (69:9)

وَجَآءَ فِرۡعَوۡنُ وَمَن قَبۡلَهُۥ وَٱلۡمُؤۡتَفِكَٰتُ بِٱلۡخَاطِئَةِ

And Fir'aun (Pharaoh), and those before him, and the cities overthrown [the towns of the people of [Lout (Lot)] committed sin,

ফেরাউন, তাঁর পূর্ববর্তীরা এবং উল্টে যাওয়া বস্তিবাসীরা গুরুতর পাপ করেছিল।

और फ़िरऔन ने और उससे पहले के लोगों ने और तलपट हो जानेवाली बस्तियों ने यह ख़ता की

و آمد فرعون و آنان که پیش از او بودند و باژگون‌شدگان به گناه

Al-Haaqqa (69:10)

فَعَصَوۡاْ رَسُولَ رَبِّهِمۡ فَأَخَذَهُمۡ أَخۡذَةٗ رَّابِيَةً

And they disobeyed their Lord's Messenger, so Heﷲ punished them with a strong punishment.

তারা তাদের পালনকর্তার রসূলকে অমান্য করেছিল। ফলে তিনিﷲ তাদেরকে কঠোরহস্তে পাকড়াও করলেন।

उन्होंने अपने रब के रसूल की अवज्ञा की तो उसﷲने उन्हें ऐसी पकड़ में ले लिया जो बड़ी कठोर थी

پس سرپیچیدند فرستاده پروردگار خویش را پس بگرفتشان گرفتنی سخت

Al-Haaqqa (69:11)

إِنَّا لَمَّا طَغَا ٱلۡمَآءُ حَمَلۡنَٰكُمۡ فِي ٱلۡجَارِيَةِ

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Verily! When the water rose beyond its limits [Nuh's (Noah) Flood], Weالله ﷻ carried you (mankind) in the floating [ship that was constructed by Nuh (Noah)].

যখন জলোচ্ছ্বাস হয়েছিল, তখন আমিالله ﷻ তোমাদেরকে চলন্ত নৌযানে আরোহণ করিয়েছিলাম।

जब पानी उमड़ आया तो हमالله ﷻने तुम्हें प्रवाहित नौका में सवार किया;

همانا گاهی که فزونی گرفت آب سوارتان کردیم در رونده

Al-Haaqqa (69:12)

لِنَجۡعَلَهَا لَكُمۡ تَذۡكِرَةٗ وَتَعِيَهَآ أُذُنٞ وَٰعِيَةٞ

That Weالله ﷻ might make it a remembrance for you, and

the keen ear (person) may (hear and) understand it.

الله ﷻ

যাতে এ ঘটনা তোমাদের জন্যে স্মৃতির বিষয় এবং কান এটাকে উপদেশ গ্রহণের উপযোগী রূপে গ্রহণ করে।

ताकि उसे तुम्हारे लिए हमالله ﷻ शिक्षाप्रद यादगार बनाएँ और याद रखनेवाले कान उसे सुरक्षित रखें

تا بگردانیمش برای شما یادآوریی و بشنوندش گوشهائی شنونده

AlQiyamah....The Doom for all...

Al-Haaqqa (69:13)

فَإِذَا نُفِخَ فِى ٱلصُّورِ نَفْخَةٌ وَٰحِدَةٌ

Then when the Trumpet will be blown with one blowing (the first one),

যখন শিংগায় ফুৎকার দেয়া হবে-একটি মাত্র ফুৎকার

तो याद रखो जब सूर (नरसिंघा) में एक फूँक मारी जाएगी,

تا گاهی که دمیده شود در صور یک دمیدن

Al-Haaqqa (69:14)

وَحُمِلَتِ ٱلْأَرْضُ وَٱلْجِبَالُ فَدُكَّتَا دَكَّةً وَٰحِدَةً

And the earth and the mountains shall be removed from their places, and crushed with a single crushing,

এবং পৃথিবী ও পর্বতমালা উত্তোলিত হবে ও চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়া হবে,

और धरती और पहाड़ों को उठाकर एक ही बार में चूर्ण-विचूर्ण कर

दिया जाएगा

و برداشته شوند زمین و کوه‌ها پس کوبیده شوند یک کوبیدن

Al-Haaqqa (69:15)

فَيَوۡمَئِذٖ وَقَعَتِ ٱلۡوَاقِعَةُ

Then on that Day shall the (Great) Event befall,

সেদিন কেয়ামত সংঘটিত হবে।

तो उस दिन घटित होनेवाली घटना घटित हो जाएगी,

در آن روز فرود آید فرودآینده

Al-Haaqqa (69:16)

﷽

وَٱنشَقَّتِ ٱلسَّمَآءُ فَهِيَ يَوۡمَئِذٖ وَاهِيَةٞ

And the heaven will split asunder, for that Day it (the heaven will be frail (weak), and torn up,

সেদিন আকাশ বিদীর্ণ হবে ও বিক্ষিপ্ত হবে।

और आकाश फट जाएगा और उस दिन उसका बन्धन ढीला पड़ जाएगा,

و شکافت آسمان پس آن است در آن روز سست

Al-Haaqqa (69:17)

وَٱلۡمَلَكُ عَلَىٰٓ أَرۡجَآئِهَاۚ وَيَحۡمِلُ عَرۡشَ رَبِّكَ فَوۡقَهُمۡ يَوۡمَئِذٖ ثَمَٰنِيَةٞ

And the angels will be on its sides, and eight angels will, that Day, bear the Throne of your Lordﷻ above them.

এবং ফেরেশতাগণ আকাশের প্রান্তদেশে থাকবে ও আট জন ফেরেশতা আপনার পালনকর্তারﷻ আরশকে তাদের উর্ধ্বে বহন করবে।

और फ़रिश्ते उसके किनारों पर होंगे और उस दिन तुम्हारे रबﷻ के सिंहासन को आठ अपने ऊपर उठाए हुए होंगे

و فرشته بر اطراف آن است و بردارد عرش پروردگارت را بر فراز ایشان در آن روز هشت تن

Al-Haaqqa (69:18)

يَوْمَئِذٍ تُعْرَضُونَ لَا تَخْفَىٰ مِنكُمْ خَافِيَةٌ

That Day shall you be brought to Judgement, not a secret

of you will be hidden.

সেদিন তোমাদেরকে উপস্থিত করা হবে। তোমাদের কোন কিছু গোপন থাকবে না।

उस दिन तुम लोग पेश किए जाओगे, तुम्हारी कोई छिपी बात छिपी न रहेगी

در آن روز عرضه شوید نهان نماند از شما نهان‌شونده

●●●●●●●

Al-Haaqqa (69:25)

وَأَمَّا مَنْ أُوتِىَ كِتَٰبَهُۥ بِشِمَالِهِۦ فَيَقُولُ يَٰلَيْتَنِى لَمْ أُوتَ كِتَٰبِيَهْ

But as for him who will be given his Record in his left hand, will say: "I wish that I had not been given my Record!

যার আমলনামা তার বাম হাতে দেয়া হবে, সে বলবেঃ হায় আমায় যদি আমার আমল নামা না দেয়া হতো।

और रहा वह व्यक्ति जिसका कर्म-पत्र उसके बाएँ हाथ में दिया गया, वह कहेगा, "काश, मेरा कर्म-पत्र मुझे न दिया जाता

و اما آنکه داده شد نامه خويش را به چپش گويد كاشكيم داده نمی‌شدم نامه خويش را

●●●●●●●

Al-Haaqqa (69:26)

﷽

"And that I had never known, how my Account is?

আমি যদি না জানতাম আমার হিসাব!

और मैं न जानता कि मेरा हिसाब क्या है!

و نمی‌دانستم چیست حساب من

Al-Haaqqa (69:27)

يَٰلَيۡتَهَا كَانَتِ ٱلۡقَاضِيَةَ

"I wish, would that it had been my end (death)!

হায়, আমার মৃত্যুই যদি শেষ হত।

"ऐ काश, वह (मृत्यु) समाप्त करनेवाली होती!

کاش می‌بود آن گذرنده

Al-Haaqqa (69:28)

مَآ أَغْنَىٰ عَنِّى مَالِيَهْ

"My wealth has not availed me,

আমার ধন-সম্পদ আমার কোন উপকারে আসল না।

"मेरा माल मेरे कुछ काम न आया,

سودی نداد (بی‌نیاز نگردانید) مرا دارائیم

Al-Haaqqa (69:29)

هَلَكَ عَنِّى سُلْطَٰنِيَهْ

"My power and arguments (to defend myself) have gone from me!"

আমার ক্ষমতাও বরবাদ হয়ে গেল।

"मेरा ज़ोर (सत्ता) मुझसे जाता रहा!"

برفت از من فرمانروائیم

Qaaf (50:36)

وَكَمْ أَهْلَكْنَا قَبْلَهُم مِّن قَرْنٍ هُمْ أَشَدُّ مِنْهُم بَطْشًا فَنَقَّبُوا۟ فِى ٱلْبِلَٰدِ هَلْ مِن مَّحِيصٍ

And how many a generation We have destroyed before them, who were stronger in power than them, and (when Our Torment came) they ran for a refuge in the land! Could they find any place of refuge (for them to save themselves from destruction)?

আমি তাদের পূর্বে বহু সম্প্রদায়কে ধ্বংস করেছি, তারা এদের অপেক্ষা অধিক শক্তিশালী ছিল এবং দেশে-বিদেশে বিচরণ

করে ফিরত। তাদের কোন পলায়ন স্থান ছিল না।

उनसे पहले हम कितनी ही नस्लों को विनष्ट कर चुके है। वे लोग शक्ति में उनसे कहीं बढ़-चढ़कर थे। (पनाह की तलाश में) उन्होंने नगरों को छान मारा, कोई है भागने को ठिकाना?

و بسا نابود ساختیم پیش از ایشان قرنی که بودند سخت‌تر از ایشان در نیرو پس کاویدند در شهرها آیا هست گریزگاهی

Al-An'aam (6:158)

هَلْ يَنظُرُونَ إِلَّآ أَن تَأْتِيَهُمُ ٱلْمَلَٰٓئِكَةُ أَوْ يَأْتِىَ رَبُّكَ أَوْ يَأْتِىَ بَعْضُ ءَايَٰتِ رَبِّكَ يَوْمَ يَأْتِى بَعْضُ ءَايَٰتِ رَبِّكَ لَا يَنفَعُ نَفْسًا إِيمَٰنُهَا لَمْ تَكُنْ ءَامَنَتْ مِن قَبْلُ أَوْ كَسَبَتْ فِىٓ إِيمَٰنِهَا خَيْرًا قُلِ ٱنتَظِرُوٓا۟ إِنَّا مُنتَظِرُونَ

Do they then wait for anything other than that the angels should come to them, or that your Lord should come, or that some of the Signs of your Lord should come (i.e.

portents of the Hour e.g., arising of the sun from the west)! The day that some of the Signs of your Lord do come, no good will it do to a person to believe then, if he believed not before, nor earned good (by performing deeds of righteousness) through his Faith. Say: "Wait you! we (too) are waiting."

তারা শুধু এ বিষয়ের দিকে চেয়ে আছে যে, তাদের কাছে ফেরেশতা আগমন করবে কিংবা আপনার পালনকর্তা আগমন করবেন অথবা আপনার পালনকর্তার কোন নির্দেশ আসবে। যেদিন আপনার পালনকর্তার কোন নিদর্শন আসবে, সেদিন এমন কোন ব্যক্তির বিশ্বাস স্থাপন তার জন্যে ফলপ্রসূ হবে না, যে পূর্ব থেকে বিশ্বাস স্থাপন করেনি কিংবা স্বীয় বিশ্বাস অনুযায়ী কোনরূপ সৎকর্ম করেনি। আপনি বলে দিনঃ তোমরা পথের দিকে চেয়ে থাক, আমরাও পথে দিকে তাকিয়ে রইলাম।

क्या ये लोग केवल इसी की प्रतीक्षा कर रहे है कि उनके पास फ़रिश्ते आ जाएँ या स्वयं तुम्हारा रब की कोई निशानी आ जाएगी, फिर किसी ऐसे व्यक्ति को उसका ईमान कुछ लाभ न पहुँचाएगा जो

पहले ईमान न लाया हो या जिसने अपने ईमान में कोई भलाई न कमाई हो। कह दो, ?"तुम भी प्रतीक्षा करो, हम भी प्रतीक्षा करते है।"

آیا انتظار دارند جز آنکه بیایندشان فرشتگان یا بیاید پروردگار تو یا بیاید پاره‌ای از آیات پروردگار تو روزی که می‌آید پاره‌ای از آیات پروردگار تو سود ندهد کسی را ایمان آوردنش اگر ایمان نیاورده است از پیش یا نیندوخته است در ایمان خود خبری را بگو پس منتظر باشید که مائیم منتظران

●●●●●●●

Al-A'raaf (7:53)

هَلْ يَنظُرُونَ إِلَّا تَأْوِيلَهُۥ يَوْمَ يَأْتِى تَأْوِيلُهُۥ يَقُولُ ٱلَّذِينَ نَسُوهُ مِن قَبْلُ قَدْ جَآءَتْ رُسُلُ رَبِّنَا بِٱلْحَقِّ فَهَل لَّنَا مِن شُفَعَآءَ فَيَشْفَعُوا۟ لَنَآ أَوْ نُرَدُّ فَنَعْمَلَ غَيْرَ ٱلَّذِى كُنَّا نَعْمَلُ قَدْ خَسِرُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ وَضَلَّ عَنْهُم مَّا كَانُوا۟ يَفْتَرُونَ

Await they just for the final fulfillment of the event? On the

Day the event is finally fulfilled (i.e. the Day of Resurrection), those who neglected it before will say: "Verily, the Messengers of our Lord did come with the truth, now are there any intercessors for us that they might intercede on our behalf? Or could we be sent back (to the first life of the world) so that we might do (good) deeds other than those (evil) deeds which we used to do?" Verily, they have lost their ownselves (i.e. destroyed themselves) and that which they used to fabricate (invoking and worshipping others besides Allah) has gone away from them.

তারা কি এখন এ অপেক্ষায়ই আছে যে, এর বিষয়বস্তু প্রকাশিত হোক? যেদিন এর বিষয়বস্তু প্রকাশিত হবে, সেদিন পূর্বে যারা একে ভূলে গিয়েছিল, তারা বলবেঃ বাস্তবিকই আমাদের প্রতিপালকের পয়গম্বরগণ সত্যসহ আগমন করেছিলেন। অতএব, আমাদের জন্যে কোন সুপারিশকারী আছে কি যে, সুপারিশ করবে অথবা আমাদেরকে পুনঃ প্রেরণ করা হলে আমরা পূর্বে যা করতাম তার বিপরীত কাজ করে

আসতাম। নিশ্চয় তারা নিজেদেরকে ক্ষতিগ্রস্ত করেছে। তারা মনগড়া যা বলত, তা উধাও হয়ে যাবে।

क्या वे लोग केवल इसी की प्रतीक्षा में है कि उसकी वास्तविकता और परिणाम प्रकट हो जाए? जिस दिन उसकी वास्तविकता सामने आ जाएगी, तो वे लोग इससे पहले उसे भूले हुए थे, बोल उठेंगे, " वास्तव में, हमारे रब के रसूल सत्य लेकर आए थे। तो क्या हमारे कुछ सिफ़ारिशी है, जो हमारी सिफ़ारिश कर दें या हमें वापस भेज दिया जाए कि जो कुछ हम करते थे उससे भिन्न कर्म करें?" उन्होंने अपने आपको घाटे में डाल दिया और जो कुछ वे झूठ घढ़ते थे, वे सब उनसे गुम होकर रह गए

آیا انتظاری جز تأویل آن دارند روزی که رسد تأویلش گویند آنان که فراموشش نمودند از پیش همانا بیامد فرستادگان پروردگار ما به حقّ آیا ما را است شفیعانی که شفاعت کنند برای ما یا بازگردانیده شویم تا بکنیم جز آنچه را بودیم می‌کردیم همانا زیان کردند خویشتن را و گم شد از ایشان آنچه بودند دروغ می‌بستند

Yunus (10:102)

فَهَلْ يَنتَظِرُونَ إِلَّا مِثْلَ أَيَّامِ ٱلَّذِينَ خَلَوْا۟ مِن قَبْلِهِمْ قُلْ فَٱنتَظِرُوٓا۟ إِنِّى مَعَكُم مِّنَ ٱلْمُنتَظِرِينَ

Then do they wait for (anything) save for (destruction) like the days of the men who passed away before them? Say: "Wait then, I am (too) with you among those who wait."

সুতরাং এখন আর এমন কিছু নেই, যার অপেক্ষা করবে, কিন্তু সেসব দিনের মতই দিন, যা অতীত হয়ে গেছে এর পূর্বে। আপনি বলুন; এখন পথ দেখ; আমিও তোমাদের সাথে পথ চেয়ে রইলাম।

अतः वे तो उस तरह के दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिस तरह के दिन वे लोग देख चुके है जो उनसे पहले गुज़रे है। कह दो, "अच्छा, प्रतीक्षा करो, मैं भी तुम्हारे साथ प्रतीक्षा करता हूँ।"

پس آیا انتظار می‌کشند جز همانند روزگار آنان را که گذشتند پیش

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

از ايشان بگو پس منتظر باشيد كه منم با شما از منتظران

●●●●●●●

●●●●●●●

What am i waiting for????

●●●●●●●

Az-Zukhruf (43:66)

هَلۡ يَنظُرُونَ إِلَّا ٱلسَّاعَةَ أَن تَأۡتِيَهُم بَغۡتَةٗ وَهُمۡ لَا يَشۡعُرُونَ

Do they only wait for the Hour that it shall come upon them suddenly, while they perceive not?

তারা কেবল কেয়ামতেরই অপেক্ষা করছে যে, আকস্মিকভাবে তাদের কাছে এসে যাবে এবং তারা খবর ও রাখবে না।

क्या वे बस उस (क़ियामत की) घड़ी की प्रतीक्षा कर रहे है कि वह सहसा उनपर आ पड़े और उन्हें ख़बर भी न हो

آیا چشم به راهند جز ساعت را که بیایدشان ناگاه و ایشان ندانند

Muhammad (47:18)

فَهَلْ يَنظُرُونَ إِلَّا ٱلسَّاعَةَ أَن تَأْتِيَهُم بَغْتَةً فَقَدْ جَآءَ أَشْرَاطُهَا فَأَنَّىٰ لَهُمْ إِذَا جَآءَتْهُمْ ذِكْرَىٰهُمْ

Do they then await (anything) other than the Hour, that it should come upon them suddenly? But some of its portents (indications and signs) have already come, and when it (actually) is on them, how can they benefit then by their reminder?

তারা শুধু এই অপেক্ষাই করছে যে, কেয়ামত অকস্মাৎ তাদের কাছে এসে পড়ুক। বস্তুতঃ কেয়ামতের লক্ষণসমূহ তো এসেই পড়েছে। সুতরাং কেয়ামত এসে পড়লে তারা উপদেশ গ্রহণ করবে কেমন করে ?

अब क्या वे लोग बस उस घड़ी की प्रतीक्षा कर रहे है कि वह उनपर अचानक आ जाए? उसके लक्षण तो सामने आ चुके है, जब वह स्वयं भी उनपर आ जाएगी तो फिर उनके लिए होश में आने का अवसर कहाँ शेष रहेगा?

آیا چشم براهند جز ساعت را که بیایدشان ناگاه چه همانا بیامد نشانیهای آن پس کجا برای ایشان است گاهی که بیایدشان یادآوریشان

Al-Baqara (2:210)

هَلْ يَنظُرُونَ إِلَّآ أَن يَأْتِيَهُمُ ٱللَّهُ فِى ظُلَلٍ مِّنَ ٱلْغَمَامِ وَٱلْمَلَٰٓئِكَةُ وَقُضِىَ ٱلْأَمْرُ وَإِلَى ٱللَّهِ تُرْجَعُ ٱلْأُمُورُ

Do they then wait for anything other than that Allahﷻ should come to them in the shadows of the clouds and the angels? (Then) the case would be already judged. And

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

to Allahﷻ return all matters (for decision).

তারা কি সে দিকেই তাকিয়ে রয়েছে যে, মেঘের আড়ালে তাদের সামনে আসবেন আল্লাহﷻ ও ফেরেশতাগণ ? আর তাতেই সব মীমাংসা হয়ে যাবে। বস্তুতঃ সবকার্যকলাপই আল্লাহﷻর নিকট গিয়ে পৌঁছবে।

क्या वे (इसराईल की सन्तान) बस इसकी प्रतीक्षा कर रहे है कि अल्लाहﷻ स्वयं ही बादलों की छायों में उनके सामने आ जाए और फ़रिश्ते भी, हालाँकि बात तय कर दी गई है? मामले तो अल्लाहﷻ ही की ओर लौटते है

آیا انتظار دارند جز آنکه بیایدشان خدا در سایبانهائی از ابر و فرشتگان و بگذرد کار و بسوی خدا بازگردانیده شوند کارها

An-Nahl (16:33)

هَلْ يَنظُرُونَ إِلَّآ أَن تَأْتِيَهُمُ ٱلْمَلَٰٓئِكَةُ أَوْ يَأْتِىَ أَمْرُ

Aal-i-Imraan (3:85)ﷺ

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡءَاخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

رَبِّكَ كَذَٰلِكَ فَعَلَ ٱلَّذِينَ مِن قَبۡلِهِمۡ وَمَا ظَلَمَهُمُ ٱللَّهُ وَلَٰكِن كَانُوٓاْ أَنفُسَهُمۡ يَظۡلِمُونَ

Do they (the disbelievers and polytheists) await but that the angels should come to them [to take away their souls (at death)], or there should come the command (i.e. the torment or the Day of Resurrection) of your Lord? Thus did those before them. And Allahﷻ wronged them not, but they used to wrong themselves.

কাফেররা কি এখন অপেক্ষা করছে যে, তাদের কাছে ফেরেশতারা আসবে কিংবা আপনার পালনকর্তার নির্দেশ পৌছবে? তাদের পূর্ববর্তীরা এমনই করেছিল। আল্লাহﷻ তাদের প্রতি অবিচার করেননি; কিন্তু তারা স্বয়ং নিজেদের প্রতি জুলুম করেছিল।

क्या अब वे इसी की प्रतीक्षा कर रहे है कि फ़रिश्ते उनके पास आ पहुँचे या तेरे रब का आदेश ही आ जाए? ऐसा ही उन लोगो ने भी किया, जो इनसे पहले थे। अल्लाहﷻ ने उनपर अत्याचार नहीं किया,

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

किन्तु वे स्वयं अपने ऊपर अत्याचार करते रहे

آیا چشم به راهند جز آنکه بیایدشان فرشتگان یا بیاید امر پروردگار تو چنین کردند آنان که پیش از ایشان بودند و ستم نکرد بر ایشان خدا و لیکن بودند خویشتن را ستم می‌کردند

Qaaf (50:30)

يَوْمَ نَقُولُ لِجَهَنَّمَ هَلِ ٱمْتَلَأْتِ وَتَقُولُ هَلْ مِن مَّزِيدٍ

On the Day when Weاللهﷻ will say to Hell: "Are you filled?" It will say: "Are there any more (to come)?"

যেদিন আমিاللهﷻ জাহান্নামকে জিজ্ঞাসা করব; তুমি কি পূর্ণ হয়ে গেছ? সে বলবেঃ আরও আছে কি?

जिस दिन हमاللهﷻ जहन्नम से कहेंगे, "क्या तू भर गई?" और वह कहेगी, "क्या अभी और भी कुछ है?"

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

روزی که گوئیم به دوزخ آیا پر شدی و گوید آیا هست بیشی

Ash-Shura (42:44)

وَمَن يُضْلِلِ ٱللَّهُ فَمَا لَهُۥ مِن وَلِىٍّ مِّنۢ بَعْدِهِۦ ۗ وَتَرَى ٱلظَّٰلِمِينَ لَمَّا رَأَوُا۟ ٱلْعَذَابَ يَقُولُونَ هَلْ إِلَىٰ مَرَدٍّ مِّن سَبِيلٍ

And whomsoever Allah sends astray, for him there is no Wali (protector) after Him. And you will see the Zalimun (polytheists, wrong-doers, oppressors, etc.) when they behold the torment, they will say: "Is there any way of return (to the world)?"

আল্লাহ যাকে পথ ভ্রষ্ট করেন, তার জন্যে তিনি ব্যতীত কোন কার্যনির্বাহী নেই। পাপাচারীরা যখন আযাব প্রত্যক্ষ করবে, তখন আপনি তাদেরকে দেখবেন যে, তারা বলছে আমাদের ফিরে

যাওয়ার কোন উপায় আছে কি?

जिस व्यक्ति को अल्लाहﷻ गुमराही में डाल दे, तो उसके पश्चात उसे सम्भालनेवाला कोई भी नहीं। तुम ज़ालिमों को देखोगे कि जब वे यातना को देख लेंगे तो कह रहे होंगे, "क्या लौटने का भी कोई मार्ग है?"

و آن را که گمراه سازد خدا نباشدش دوستی پس از او و بینی ستمگران را گاهی که بینند عذاب را گویند آیا هست بسوی بازگشت راهی

Al-A'raaf (7:147)

وَٱلَّذِينَ كَذَّبُواْ بِـَٔايَٰتِنَا وَلِقَآءِ ٱلۡأٓخِرَةِ حَبِطَتۡ أَعۡمَٰلُهُمۡۚ هَلۡ يُجۡزَوۡنَ إِلَّا مَا كَانُواْ يَعۡمَلُونَ

Those who deny Our ﷻAyat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) and the Meeting in the

Hereafter (Day of Resurrection,), vain are their deeds. Do they expect to be rewarded with anything except what they used to do?

বস্তুতঃ যারা মিথ্যা জেনেছে আমারﷻ আয়াতসমূকে এবং আখেরাতের সাক্ষাতকে, তাদের যাবতীয় কাজকর্ম ধ্বংস হয়ে গেছে। তেমন বদলাই সে পাবে যেমন আমল করত।

जिन लोगों ने हमारीﷻ आयतों को और आख़िरत के मिलन को झूठा जाना, उनका तो सारा किया-धरा उनकी जान को लागू हुआ। जो कुछ वे करते रहे क्या उसके सिवा वे किसी और चीज़ का बदला पाएँगे?

و آنان که تکذیب کردند به آیتهای ما و رسیدن آخرت تباه شده است اعمال ایشان آیا پاداش داده می‌شوند جز آنچه را بودند می‌کردند

Hud (11:24)

﷽

مَثَلُ ٱلْفَرِيقَيْنِ كَٱلْأَعْمَىٰ وَٱلْأَصَمِّ وَٱلْبَصِيرِ وَٱلسَّمِيعِ هَلْ يَسْتَوِيَانِ مَثَلًا أَفَلَا تَذَكَّرُونَ

The likeness of the two parties is as the blind and the deaf and the seer and the hearer. Are they equal when compared? Will you not then take heed?

উভয় পক্ষের দৃষ্টান্ত হচ্ছে যেমন অন্ধ ও বধির এবং যে দেখতে পায় ও শুনতে পায় উভয়ের অবস্থা কি এক সমান? তবুও তোমরা কি ভেবে দেখ না?

दोनों पक्षों की उपमा ऐसी है जैसे एक अन्धा और बहरा हो और एक देखने और सुननेवाला। क्या इन दोनों की दशा समान हो सकती है? तो क्या तुम होश से काम नहीं लेते?

مثَل دو گروه مانند کور و کر و بینا و شنوا است آیا یکسانند در مثَل آیا یادآور نمی‌شوید

●●●●●●●●●●●●●●●●●●●●●

Plan of the infidels..

●●●●●●●●●●●●●●

At-Taariq (86:15)

إِنَّهُمْ يَكِيدُونَ كَيْدًا

Verily, they are but plotting a plot (against you O Muhammad (Peace be upon him)).

তারা ভীষণ চক্রান্ত করে,

वे एक चाल चल रहे है,

همانا ایشان نیرنگ آرند نیرنگی

At-Taariq (86:16)

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

وَأَكِيدُ كَيۡدٗا

And I الله ﷻ (too) am planning a plan.

আর আমি الله ﷻ ও কৌশল করি।

और मैं الله ﷻ भी एक चाल चल रहा हूँ

و نیرنگ آرم نیرنگی

At-Taariq (86:17)

فَمَهِّلِ ٱلۡكَٰفِرِينَ أَمۡهِلۡهُمۡ رُوَيۡدَۢا

So give a respite to the disbelievers. Deal you gently with them for a while.

অতএব, কাফেরদেরকে অবকাশ দিন, তাদেরকে অবকাশ দিন,

কিছু দিনের জন্যে।

अत मुहलत दे दो उन इनकार करनेवालों को; मुहलत दे दो उन्हें थोड़ी-सी

پس مهلت ده کافران را مهلتشان ده اندکی

Al-Kahf (18:103)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ هَلْ نُنَبِّئُكُم بِٱلْأَخْسَرِينَ أَعْمَٰلًا

Say (O Muhammad SAW): "Shall We tell you the greatest losers in respect of (their) deeds?

বলুনঃ আমি কি তোমাদেরকে সেসব লোকের সংবাদ দেব, যারা কর্মের দিক দিয়ে খুবই ক্ষতিগ্রস্ত।

कहो, "क्या हम तुम्हें उन लोगों की ख़बर दें, जो अपने कर्मों की स्पष्ट

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

से सबसे बढ़कर घाटा उठानेवाले हैं?

بگو آیا آگهیتان دهم به زیانکارتران در کردار

An-Naml (27:90)

وَمَن جَآءَ بِٱلسَّيِّئَةِ فَكُبَّتْ وُجُوهُهُمْ فِى ٱلنَّارِ هَلْ تُجْزَوْنَ إِلَّا مَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ

And whoever brings an evil (deed) (i.e. Shirk polytheism, disbelief in the Oneness of Allah and every evil sinful deed), they will be cast down (prone) on their faces in the Fire. (And it will be said to them) "Are you being recompensed anything except what you used to do?"

এবং যে মন্দ কাজ নিয়ে আসবে, তাকে অগ্নিতে অধঃমূখে নিক্ষেপ করা হবে। তোমরা যা করছিলে, তারই প্রতিফল তোমরা পাবে।

और जो कुचरित लेकर आया तो ऐसे लोगों के मुँह आग में औधे होंगे। (और उनसे कहा जाएगा) "क्या तुम उसके सिवा किसी और चीज़ का बदला पा रहे हो, जो तुम करते रहे हो?"

و آنکه بدی آرد پس بروی افتد چهره‌های آنان در آتش آیا پاداش داده می‌شوید جز آنچه را بودید می‌کردید

Ar-Rahmaan (55:60)

هَلْ جَزَآءُ ٱلْإِحْسَٰنِ إِلَّا ٱلْإِحْسَٰنُ

Is there any reward for good other than good?

সৎকাজের প্রতিদান উত্তম পুরস্কার ব্যতীত কি হতে পারে?

अच्छाई का बदला अच्छाई के सिवा और क्या हो सकता है?

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

آیا هست پاداش نکوکاری جز نکوکاری

Saba (34:17)

ذَٰلِكَ جَزَيۡنَٰهُم بِمَا كَفَرُواْۖ وَهَلۡ نُجَٰزِيٓ إِلَّا ٱلۡكَفُورَ

Like this Weﷻ requited them because they were ungrateful disbelievers. And never do Weﷻ requit in such a way except those who are ungrateful, (disbelievers).

এটা ছিল কুফরের কারণে তাদের প্রতি আমার শাস্তি। আমিﷻ অকৃতজ্ঞ ব্যতীত কাউকে শাস্তি দেই না।

यह बदला हमﷻने उन्हें इसलिए दिया कि उन्होंने कृतध्नता दिखाई। ऐसा बदला तो हम कृतध्न लोगों को ही देते है

این را پاداششان دادیم بدانچه کفر ورزیدند و آیا کیفر همی‌دهیم

Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

جز به کفرورزنده

●●●●●●●

Maryam (19:98)

وَكَمْ أَهْلَكْنَا قَبْلَهُم مِّن قَرْنٍ هَلْ تُحِسُّ مِنْهُم مِّنْ أَحَدٍ أَوْ تَسْمَعُ لَهُمْ رِكْزًۢا

And how many a generation before them have We destroyed! Can you (O Muhammad SAW) find a single one of them or hear even a whisper of them?

তাদের পূর্বে আমি কত মানবগোষ্ঠীকে ধ্বংস করেছি। আপনি কি তাদের কাহারও সাড়া পান, অথবা তাদের ক্ষীনতম আওয়ায ও শুনতে পান?

उनसे पहले कितनी ही नसलों को हम विनष्ट कर चुके है। क्या उनमें किसी की आहट तुम पाते हो या उनकी कोई भनक सुनते हो?

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

و بسا نابود کردیم پیش از ایشان قرنهائی آیا احساس می‌کنی از ایشان کسی را یا می‌شنوی برای ایشان آوازی را

An-Nahl (16:75)

ضَرَبَ ٱللَّهُ مَثَلًا عَبْدًا مَّمْلُوكًا لَّا يَقْدِرُ عَلَىٰ شَىْءٍ وَمَن رَّزَقْنَٰهُ مِنَّا رِزْقًا حَسَنًا فَهُوَ يُنفِقُ مِنْهُ سِرًّا وَجَهْرًا هَلْ يَسْتَوُۥنَ ٱلْحَمْدُ لِلَّهِ بَلْ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ

Allah ﷻ puts forward the example (of two men a believer and a disbeliever); a slave (disbeliever) under the possession of another, he has no power of any sort, and (the other), a man (believer) on whom We الله ﷻ have bestowed a good provision from Us, and He spends thereof secretly and openly. Can they be equal? (By no means, not). All the praises and thanks be to Allah ﷻ. Nay! (But) most of them know not.

Aal-i-Imraan (3:85)ﷺ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

আল্লাহﷻ একটি দৃষ্টান্ত বর্ণনা করেছেন, অপরের মালিকানাধীন গোলামের যে, কোন কিছুর উপর শক্তি রাখে না এবং এমন একজন যাকে আমিﷻ নিজের পক্ষ থেকে চমৎকার রুযী দিয়েছি। অতএব, সে তা থেকে ব্যয় করে গোপনে ও প্রকাশ্যে উভয়ে কি সমান হয়? সব প্রশংসা আল্লাহﷻর, কিন্তু অনেক মানুষ জানে না।

अल्लाहﷻ ने एक मिसाल पेश की है: एक ग़ुलाम है, जिसपर दूसरे का अधिकार है, उसे किसी चीज़ पर अधिकार प्राप्त नहीं। इसके विपरीत एक वह व्यक्ति है, जिसे हमاللهﷻने अपनी ओर से अच्छी रोज़ी प्रदान की है, फिर वह उसमें से खुले और छिपे ख़र्च करता है। तो क्या वे परस्पर समान है? प्रशंसा अल्लाहﷻ के लिए है! किन्तु उनमें अधिकतर लोग जानते नहीं

زده است خدا مثَلی بنده‌ای مملوک که توانائی ندارد بر چیزی و آنکه روزیش دادیم از خود روزیی نکو پس او انفاق می‌کند از آن نهان و آشکارا آیا یکسانند سپاس خدای را بلکه بیشترشان نمی‌دانند

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

వార్నింగ్-Warnings....

An-Nisaa (4:14)

وَمَن يَعۡصِ ٱللَّهَ وَرَسُولَهُۥ وَيَتَعَدَّ حُدُودَهُۥ يُدۡخِلۡهُ نَارًا خَٰلِدٗا فِيهَا وَلَهُۥ عَذَابٞ مُّهِينٞ

And whosoever disobeys Allahﷻ and His Messenger (Muhammad SAW), and transgresses His limits, He will cast him into the Fire, to abide therein; and he shall have a disgraceful torment.

যে কেউ আল্লাহﷻ ও রসূলের অবাধ্যতা করে এবং তার সীমা অতিক্রম করে তিনি তাকে আগুনে প্রবেশ করাবেন। সে সেখানে চিরকাল থাকবে। তার জন্যে রয়েছে অপমানজনক শাস্তি।

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

परन्तु जो अल्लाहﷻ और उसके रसूल की अवज्ञा करेगा और उसकी सीमाओं का उल्लंघन करेगा उसे अल्लाह आग में डालेगा, जिसमें वह सदैव रहेगा। और उसके लिए अपमानजनक यातना है

و آن کس نافرمانی خدا و پیمبرش کند و بگذرد از مرزهای او فروبردش در آتشی جاودان ماند در آن و برای او است عذابی خوارکننده

At-Taghaabun (64:14)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓا۟ إِنَّ مِنْ أَزْوَٰجِكُمْ وَأَوْلَٰدِكُمْ عَدُوًّا لَّكُمْ فَٱحْذَرُوهُمْ وَإِن تَعْفُوا۟ وَتَصْفَحُوا۟ وَتَغْفِرُوا۟ فَإِنَّ ٱللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ

O you who believe! Verily, among your wives and your children there are enemies for you (i.e. may stop you from the obedience of Allahﷻ), therefore beware of them! But if you pardon (them) and overlook, and forgive (their

faults), then verily, Allahﷻ is Oft-Forgiving, Most Merciful.

হে মুমিনগণ, তোমাদের কোন কোন স্ত্রী ও সন্তান-সন্ততি তোমাদের দুশমন। অতএব তাদের ব্যাপারে সতর্ক থাক। যদি মার্জনা কর, উপেক্ষা কর, এবং ক্ষমা কর, তবে আল্লাহﷻ ক্ষমাশীল, করুনাময়।

ऐ ईमान लानेवालो, तुम्हारी पत्नियों और तुम्हारी सन्तान में से कुछ ऐसे भी है जो तुम्हारे शत्रु है। अतः उनसे होशियार रहो। और यदि तुम माफ़ कर दो और टाल जाओ और क्षमा कर दो निश्चय ही अल्लाहﷻ बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है

ای آنان که ایمان آوردید هر آینه از زنان شما و فرزندان شما دشمنی است شما را پس بترسیدشان و اگر درگذرید و چشم‌پوشی کنید و بیامرزید همانا خدا است آمرزنده مهربان

లెంపల వాయింపుళ్ళు-Repentance.

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡءَاخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

و هر کس بخواهد جز اسلم دینی را هرگز پذیرفته نشود از او و

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

او است در آخرت از زیانکاران

Al-Hijr (15:96)

ٱلَّذِينَ يَجْعَلُونَ مَعَ ٱللَّهِ إِلَٰهًا ءَاخَرَ فَسَوْفَ يَعْلَمُونَ

Who set up along with Allahﷻ another ilah (god), they will come to know.

যারা আল্লাহﷻর সাথে অন্য উপাস্য সাব্যস্ত করে। অতএব অতিসত্তর তারা জেনে নেবে।

जो अल्लाहﷻ के साथ दूसरों को पूज्य-प्रभु ठहराते है, तो शीघ्र ही उन्हें मालूम हो जाएगा!

آنان که قرار دهند با خدا خداوند دیگری پس زود است بدانند

Aal-i-Imraan (3:85)ﷲ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Al-Hijr (15:2)

رُّبَمَا يَوَدُّ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ لَوْ كَانُوا۟ مُسْلِمِينَ

Perhaps (often) will those who disbelieve wish that they were Muslims [those who have submitted themselves to Allahﷻ's Will in Islam`` Islamic Monotheism, this will be on the Day of Resurrection when they will see the disbelievers going to Hell and the Muslims going to Paradise].

কোন সময় কাফেররা আকাঙ্ক্ষা করবে যে, কি চমৎকার হত, যদি তারা মুসলমান হত।

ऐसे समय आएँगे जब इनकार करनेवाले कामना करेंगे कि क्या ही अच्छा होता कि हम मुस्लिम (आज्ञाकारी) होते!

بسا دوست دارند آنان که کفر ورزیدند کاش می‌بودند مسلمانان

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Ar-Ra'd (13:6)

وَيَسۡتَعۡجِلُونَكَ بِٱلسَّيِّئَةِ قَبۡلَ ٱلۡحَسَنَةِ وَقَدۡ خَلَتۡ مِن قَبۡلِهِمُ ٱلۡمَثُلَٰتُۗ وَإِنَّ رَبَّكَ لَذُو مَغۡفِرَةٖ لِّلنَّاسِ عَلَىٰ ظُلۡمِهِمۡۖ وَإِنَّ رَبَّكَ لَشَدِيدُ ٱلۡعِقَابِ

They ask you to hasten the evil before the good, yet (many) exemplary punishments have indeed occurred before them. But verily, your Lord is full of Forgiveness for mankind inspite of their wrong-doing. And verily, your Lord is (also) Severe in punishment.

এরা আপনার কাছে মঙ্গলের পরিবর্তে দ্রুত অমঙ্গল কামনা করে। তাদের পূর্বে অনুরূপ অনেক শাস্তিপ্রাপ্ত জনগোষ্ঠী অতিক্রান্ত হয়েছে। আপনার পালনকর্তা মানুষকে তাদের অন্যায় সত্বেও ক্ষমা করেন এবং আপনার পালনকর্তা কঠিন শাস্তিদাতা ও বটে।

वे भलाई से पहले बुराई के लिए तुमसे जल्दी मचा रहे हैं, हालाँकि

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

उनसे पहले कितनी ही शिक्षाप्रद मिसालें गुज़र चुकी है। किन्तु तुम्हारा रब लोगों को उनके अत्याचार के बावजूद क्षमा कर देता है और वास्तव में तुम्हारा रब दंड देने में भी बहुत कठोर है

و شتاب خواهند از تو به بدی پیش از خوبی حالی که گذشت است پیش از ایشان شکنجه‌ها و همانا پروردگار تو آمرزشگر است برای مردم بر ستمگریشان و همانا پروردگار تو است سخت شکنجه

Al-Qamar (54:17)

وَلَقَدۡ يَسَّرۡنَا ٱلۡقُرۡءَانَ لِلذِّكۡرِ فَهَلۡ مِن مُّدَّكِرٖ

And Weﷲ ﷻ have indeed made the Quran easy to understand and remember, then is there any that will remember (or receive admonition)?

আমিﷲ ﷻ কোরআনকে সহজ করে দিয়েছি বোঝার জন্যে। অতএব, কোন চিন্তাশীল আছে কি?

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

और हमअल्लाहﷻने क़ुरआन को नसीहत के लिए अनुकूल और सहज बना दिया है। फिर क्या है कोई नसीहत करनेवाला?

و همانا آسان ساختیم قرآن را برای یادآوردن پس آیا هست یادآورنده

As-Saff (61:10)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ هَلْ أَدُلُّكُمْ عَلَىٰ تِجَٰرَةٍ تُنجِيكُم مِّنْ عَذَابٍ أَلِيمٍ

O You who believe! Shall I guide you to a commerce that will save you from a painful torment.

মুমিনগণ, আমি কি তোমাদেরকে এমন এক বানিজ্যের সন্ধান দিব, যা তোমাদেরকে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি থেকে মুক্তি দেবে?

ऐ ईमान लानेवालो! क्या मैं तुम्हें एक ऐसा व्यापार बताऊँ जो तुम्हें दुखद यातना से बचा ले?

ای آنان که ایمان آوردید آیا راهنمائی نکنم شما را به سوداگریی که برهاند شما را از عذابی دردناک

An-Nisaa (4:18)

وَلَيْسَتِ ٱلتَّوْبَةُ لِلَّذِينَ يَعْمَلُونَ ٱلسَّيِّـَٔاتِ حَتَّىٰٓ إِذَا حَضَرَ أَحَدَهُمُ ٱلْمَوْتُ قَالَ إِنِّى تُبْتُ ٱلْـَٰٔنَ وَلَا ٱلَّذِينَ يَمُوتُونَ وَهُمْ كُفَّارٌ أُو۟لَٰٓئِكَ أَعْتَدْنَا لَهُمْ عَذَابًا أَلِيمًا

And of no effect is the repentance of those who continue to do evil deeds until death faces one of them and he says: "Now I repent;" nor of those who die while they are disbelievers. For them Weالله ﷻ have prepared a painful torment.

আর এমন লোকদের জন্য কোন ক্ষমা নেই, যারা মন্দ কাজ করতেই থাকে, এমন কি যখন তাদের কারো মাথার উপর মৃত্যু উপস্থিত হয়, তখন বলতে থাকেঃ আমি এখন তওবা করছি। আর তওবা নেই তাদের জন্য, যারা কুফরী অবস্থায় মৃত্যুবরণ করে। আমিﷲ তাদের জন্য যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি প্রস্তুত করে রেখেছি।

और ऐसे लोगों की तौबा नहीं जो बुरे काम किए चले जाते है, यहाँ तक कि जब उनमें से किसी की मृत्यु का समय आ जाता है तो कहने लगता है, "अब मैं तौबा करता हूँ।" और इसी प्रकार तौबा उनकी भी नहीं है, जो मरते दम तक इनकार करनेवाले ही रहे। ऐसे लोगों के लिए हमﷲने दुखद यातना तैयार कर रखी है

و نیست توبه برای آنان که کردار زشت کنند تا گاهی که یکی از ایشان را مرگ فرارسد گوید توبه کردم اکنون و نه آنان که می‌میرند و ایشانند کافران آنان را آماده کردیم برای ایشان عذابی دردناک

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Yunus (10:52)

ثُمَّ قِيلَ لِلَّذِينَ ظَلَمُواْ ذُوقُواْ عَذَابَ ٱلۡخُلۡدِ هَلۡ تُجۡزَوۡنَ إِلَّا بِمَا كُنتُمۡ تَكۡسِبُونَ

Then it will be said to them who wronged themselves: "Taste you the everlasting torment! Are you recompensed (aught) save what you used to earn?"

অতঃপর বলা হবে, গোনাহগারদিগকে, ভোগ করতে থাক অনন্ত আযাব-তোমরা যা কিছু করতে তার তাই প্রতিফল।

"फिर अत्याचारी लोगों से कहा जाएगा, "स्थायी यातना का मज़ा चखो! जो कुछ तुम कमाते रहे हो, उसके सिवा तुम्हें और क्या बदला दिया जा सकता है?"

پس گفته شد بدانان که ستم کردند بچشید عذاب جاودانی را آیا پاداش داده می‌شوید جز بدانچه بودید فراهم می‌کردید

Al-Ghaafir (40:17)

ٱلۡيَوۡمَ تُجۡزَىٰ كُلُّ نَفۡسِۭ بِمَا كَسَبَتۡۚ لَا ظُلۡمَ ٱلۡيَوۡمَۚ إِنَّ ٱللَّهَ سَرِيعُ ٱلۡحِسَابِ

This Day shall every person be recompensed for what he earned. No injustice (shall be done to anybody). Truly, Allahﷻ is Swift in reckoning.

আজ প্রত্যেকেই তার কৃতকর্মের প্রতিদান পাবে। আজ যুলুম নেই। নিশ্চয় আল্লাহﷻ দ্রুত হিসাব গ্রহণকারী।

आज प्रत्येक व्यक्ति को उसकी कमाई का बदला दिया जाएगा। आज कोई ज़ुल्म न होगा। निश्चय ही अल्लाहﷻ हिसाब लेने में बहुत तेज है

امروز پاداش داده شود هر کس بدانچه فراهم کرده است نیست ستمى امروز همانا خدا است شتابنده در شمار

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Al-Mutaffifin (83:36)

هَلۡ ثُوِّبَ ٱلۡكُفَّارُ مَا كَانُواْ يَفۡعَلُونَ

Are not the disbelievers paid (fully) for what they used to do?

কাফেররা যা করত, তার প্রতিফল পেয়েছে তো?

क्या मिल गया बदला इनकार करनेवालों को उसका जो कुछ वे करते रहे है?

آیا پاداش داده شدند کفّار آنچه را بودند می‌کردند

ఓ 9 మిస్లిమి రోదన..

25 యేండ్లు యేదోవెలగబెడతారనే ఆశతో సమూహ-ఫిర్కా-గ్రూపులతో సంసారంజేసి - బగారఖానా,దాల్చాలు తిని-ఆడీవాడీగ తిరిగి- పరిగి-మరిగి బేకారుగ వేస్టుజేసుకొంటి- అప్పరం!అంటే తార్వోరే-AFTERWARDS -ఫస్ట్ హేండ్ నాలేడ్జి-సిర్ఫు "కుర్ఆను"లోనే వుందని లేటుగా ట్యూబ్ లైట్- వెలిగే-

ఇగ గస్తీబస్తీగసాబుసా కుప్పిగంతులకు స్వస్తిజెప్పి -బేకారు సొహబతులూ -పనికిమాలిన దోస్తీలకూ గుడ్ బై - జెప్పి -నడుంగట్టుకొని "అరబీ"రంగంలోకి దూకితి-

" తివిరి యిసుమున తైలంబు దీయవచ్చు"-అనే యేమనపద్యం గుర్తుజేసుకొంటి- డిస్ట్రాక్టర్సును దగ్గరిరానీయకుండ గోషా-పర్దనషీనీ యెంచుకొంటి-సూటిపోటిమాటలూ - యెకసెక్కాలూ యెత్తిపొడుపులను సహిస్తి- ఓ పేద్దసంస్తలో పనిజేసే ఓ బీహారీజాలిమ్ " తాలీమీ బాలిగాన్ ఆలిమ్ కోర్సు" లో "ముఅల్లిముTEACHER"-నువ్వు అరబీ నేర్చుకోవడం బేఫైజుUSELESS -అని PUBLICగా నాకో సర్టిఫికట్ ఇచ్చె --పోనాళ్ పోగెట్టుంపోడా- (పోతేపోనీపోరా):--అని కట్టినఫీజు వదిలేసి వెనకడుగేస్తి-

-మరో మొద్దుబాబు దొడ్డుగుంటాడు--నువ్వు మల్లయ్యకొడుకువి-నీకేంవస్తుందిరా అరబీ-- గోప్ప పుట్టుక పుట్టిన మాకే సరిగరాలే--నీకు-IMPOSSIBLE - నువ్వు నేర్చుకోలేవు-నీకు బొక్క సరిగ తిరగదే -అని యెద్దేవా జేసె-

మరోఉల్లముడు"కుర్ఆను"-సదివితే దారితప్పుతావ్ -మావెంటరా సొరగానికి నిచ్చెనలు నీముందు నిలబెడతాం-అనె-

ఇంకోడు మాతో రాసుకపూసుక దిరిగితే ,మాతోబాటు ఛట్టీ ఛిల్లా,కుండే ,మన్కబే-మర్సియా-సందల్-చిరాగాన్-లాంటి సామూహిక యాత్రల్లో పాల్గొంటేనే నీకు నజాతు లబిస్తుంది-అనె-

మరోకఆలిముజాలిముడు నీకు అరబీ నేరిపించలేను-నీలో అంత తెలివిలేదే అనె- ఇంకో కరీంనగర్ గాడు నాకాడ అంత టైం లేదే-నీకుట్యూసను చెప్పేందుకు- -ఇలాంటి తానా బానాలు చేసే జాహిలు జనాలు యెక్కువే-తాజెడ్డకోతి వనమెల్లజెరచు-అన్నట్లు తామూ అరబీ నేర్చుకోరూ:-ఇతరులనూ డిస్కరేజ్ జేస్తారు-

మరికొందరి అరబీ యెందుకయ్యా ఉరుదూ సాలదా?-అనిరి

++*+*+*+*+*

అధికతరకసేరుకములు- కూపస్థ మండూక-బావిలోకప్పల-వలెనే:--అంధాదుంధా "బుజ్' రోగు"ల వెటనే పోవటమే జీవనపరమావధిగ ఎంచుకొనిరి-ఈ పరాన్నజీవ-తుఫేలీలకు SPOON FEEDING కావాలె-అరిటిపండును వొలిచి నోట్లోబెట్టవలెనట-

యెన్నడూ కలాముల్లాహి-((కు'ర్ఆను))ను చదివి అర్థంచేసుకోవాలినే తపన వీళ్ళలో నాకు

Aal-i-Imraan (3:85) بِسْمِ ٱللَّٰهِ ٱلرَّحْمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

అవుపడలేద్- -పైగా వీళ్ళే "మిసిలిమి" సమాజంలో మోతుబరి పేద్దమనుసులు-గా చెలామణీ-ఔతుంటారు-నేను ఆరిఫ్ బిల్లాను -నేను అల్లాఃవాలాను-నావెంటరా- లేకపోతే బూడిదగూడ నీకు దొరకద్-అన్న-గాఫిలుజాహిలనూ జూస్తి-

++*+*+*+*+*

తెలివి యెవడబ్బసొమ్మూగాదు-అల్లాహుతఆలా తాము అనుకొన్నవాళ్ళకు WISEDOM హికమతు-జ్నానాన్ని పంచుతారు -అంతేగాని కులగోత్రవంశ పరంపరగా కానేకాదు-జనమ్ కుండలీ -FAMILY TREE -షజరాషరీఫులను గొప్పగా ఢంకా బజాయించి PUBLICITY జేస్తూ మురీదుల చందాలతో నిక్రృష్టబతుకు గడిపే ఫిరౌనులనూజూస్తి-వీళ్ళకఃటే రోడ్డుమీద అడుక్కొనే పిచ్చకుంటలోడే మెరుగనిపించె-నాకు-

+*+*+*+*+*+*

ఇగ దిటవుగ నీమ్-హకీమ్-జాలిమ్-గాళ్ళకు దూరం ఐపోతి-"సాయిబన్నా సలామన్నా నీకునాకు దూరమన్నా"-అని 1957-1960లో మా తెలుగుబండితుడు "చౌడబ్బ"సారు పాటపాడేవాడు తెలుగు క్లాసులో- ఆ కవితగుర్తుజేసుకొంటి-

++*+*+*+*+*

ఇగ ఇంట్లో కుదురుగా కూర్చోని DISTANT MODE లో LEARN ARABIC BY RADIO CAIRO -తో షురూ జేస్తి-నాకు1998లో ఈ అడ్రెసు చెప్పిన వ్యక్తి నెల్లూరు:--మూలపేట నివాసి-MR,SAMI AHMAD SAEED-

(ఆయనే 1978-1980 లో కొత్తబిచ్చగాడినైన నాకు MARKAPUR లో FRIEND, PHILOSOPHER అండ్ GUIDE---)

ఇగ యెన్నో ఈతిబాధలనోర్చుకొని పట్టువదలకుండా-నిరాశనిస్ప్రృహలు చెందకుండా-అరబీ నేర్చుకుంటూనే వున్నా-

పుచ్చిన సమాజాలకు దూరంగా వున్నా:-

వాళ్ళ దౌరజ్యన్నాలను యెదుర్కొన్నా-తన్నులూ తిన్నా-సొంతఇల్లు వదలి హిజరతులూ జేసా-

యెటుతిరిగీ వాళ్ళతోనే వుండాలట--వాళ్ళుపట్టుకొన్నదే సరైనదట-ఆలిమాన పహల్వాన్ లనూ జూస్తి-వాళ్ళ దౌర్జన్యాలనూ చవిజూస్తి-

లేకపోతే వాళ్ళ వీది-మొహల్లలలో వుండకూడదట-

వాళ్ళజెప్పేదే వేదంఅట-వాళ్ళే జన్నతుకు బోతారట---

"కుర్ఆను"కు యే విలువలేదే!

అంతా "బుజ్-రోగు"ల మయం-మసీదులలోనూ "బుజ్-రోగు"ల హోరే!

---నేననుకొన్నా అలాఐతే వాళ్ళజన్నతు నాకొద్దు బాబోయ్!

++*+*+*+*+*

అటు తరవాత Eఇన్గ్లిలిష్Fరిన్Lన్గవేజస్Uనివర్సిటీ-EFLU.(CIEFL)లో 4యేళ్ళపాటు అరబీలో (నాలుగు)డిప్లొమా కోర్సులన్నీ పూర్తి గావించి కొంత అరబీని ఆకళించుకొన్నా-AKM ORIENTAL COLLEGE లో M,A,(ARABIC)లోచేరి-ఆ-కుబూరీ-సిలబసు అంతుబట్టక వదిలేస్తి-చెన్నై(మద్రాసు)కి పోయి" అరబీ "లో "అఫ్జలుల్ ఉలేమా" కోర్సు సదివినా, ప్రస్తుతం ముఖ్యంగా పదిహేను రోజులలో ఓ సారి-

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

అల్'కు'ర్ఆను- చదివి పూర్తిజేస్తున్నా-"

ఇంకా అరబీలో సహీహ్ఇస్లామీయ లిటరేచరు సదువూతూనే వున్నా-

25సంవత్సరాల తదుపరి- ఆలస్యంగా బద్దకంతో స్టార్టుజేసినా---అరబీ గ్రామర్ నేర్చుకొని - అల్-కుర్ఆను-దాదాపు 300సార్లు సదివాకా ఇంతలేటు వయసులో తెలిసిన నిజం---- నాకు

మౌలానా/వలీ/వాక్/వాల్/మసీర్/మహీస్/మల్-జఅ/ మన్-జఅ/సర్వస్వం ఆ ఖాలికు మాలికు రాజి'కు-ఆఅల్లాహు సుబహానహు మాత్రమేనని

నా-50-సంవత్సరాల QUEST FOR THE ULTIMATE TRUTH..-సత్యశోధనతో తేలింది-

(బుజ్-రోగుల తలనెఱుపులు విద్యావివేకాలకు గురుతులుకావని నా 25 యేండ్ల సమూహాల సాంగత్యం తో తేటతెల్లమాయె- మెహజ్ వక్త్ కీ బర్బాదీ త్సాబిత్ హుయీ- వాల్యుబుల్ టైమ్-బుద్బుద ప్రాయం ఆయే--- ఆష్టరాల్ యెదవసన్నాసులిద్దరు రాసుకుంటే గూడ బూడిద రాలుతుందని సామేత-నాకైతే బూడిద గుడక రాలలే! దాల్చా బగారఖానాలతో-కోఆపరేటివ్ ఎకానమీ టూరిజంలతో-సత్రంకూడు-మఠంనిద్రలతో - ఇల్లుకంటే గుడిపదిలం పాలిసీతో-చాలకాలం వేస్టాయే---టైం + మనీ ...సిగరెట్-పీకలా కాలి-మాడి రిగ్రెట్- గా యెక్కిరించె- నన్ను...-తౌబాః మెరీ తౌబాః -అనుకొని -తౌబఃజేసికొని--- జోచలాగయా ఉసే భూల్ జా- గుజరాహువా 'జమానా ఆతా నహీ దుబారా-అనే కనువిప్పుతో అరబీవేపు ధృష్టి సారిస్తి-

నా అడ్వైజు-

ఓ 9/0 మిసిలిములారా **day one** నుంచే అరబీనేర్చుకోండి--భట్కేహువే రాహీలకు బహుదూరంలో వుండాలె-

అల్లాహుతఆలా "దారుస్సలాము"-శాంతినివాసంవైపు రమ్మంటున్నారు-సిరాతుల్ ముస్తకీ'మ్ - సరియైన మార్గాన్ని చూపిస్తున్నారు-

Commands of Allaahu.swt.

Yunus (10:25)

وَٱللَّهُ يَدْعُوٓا۟ إِلَىٰ دَارِ ٱلسَّلَٰمِ وَيَهْدِى مَن يَشَآءُ إِلَىٰ صِرَٰطٍ مُّسْتَقِيمٍ

اور اللہ تعالیٰ سلامتی کے گھر کی طرف تم کو بلاتا ہے اور جس کو چاہتا ہے راہ راست پر چلنے کی توفیق دیتا ہے

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

আর আল্লাহ শান্তি-নিরাপত্তার আলয়ের প্রতি আহবান জানান এবং যাকে ইচ্ছা সরলপথ প্রদর্শন করেন।

BUT ALLAAHU CALLS YOU TO THE HOME OF PEACE: HE DOTH GUIDE WHOM HE PLEASETH TO A WAY THAT IS STRAIGHT.

और अल्लाह तुम्हें सलामती के घर की ओर बुलाता है, और जिसे चाहता है सीधी राह चलाता है;

/10/25

---మరోవేపు షైతాను + షైతానులాంటి మానవదానవ జీవాలు మనల్ని దారితప్పించే ప్రయత్నాలు జేస్తున్నాయి---
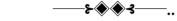
Commands of Allaahu. swt.

Al-An'aam (6:112)

وَكَذَٰلِكَ جَعَلْنَا لِكُلِّ نَبِىٍّ عَدُوًّا شَيَٰطِينَ ٱلْإِنسِ وَٱلْجِنِّ يُوحِى بَعْضُهُمْ إِلَىٰ بَعْضٍ زُخْرُفَ ٱلْقَوْلِ غُرُورًا وَلَوْ شَآءَ رَبُّكَ مَا فَعَلُوهُ فَذَرْهُمْ وَمَا يَفْتَرُونَ

اور اسی طرح ہم نے ہر نبی کے دشمن بہت سے شیطان پیدا کئے تھے کچھ آدمی اور کچھ جن، جن میں سے بعض بعضوں کو چکنی چپڑی باتوں کا وسوسہ ڈالتے رہتے تھے تاکہ ان کو دھوکہ میں ڈال دیں اور اگر اللہ تعالیٰ چاہتا تو یہ ایسے کام نہ کرسکتے سو ان لوگوں کو اور جو کچھ یہ افترا پردازی کر رہے ہیں اس کو آپ رہنے دیجئے

এমনিভাবে আমি প্রত্যেক নবীর জন্যে শত্রু করেছি শয়তান, মানব ও জিনকে। তারা ধোঁকা দেয়ার জন্যে একে অপরকে কারুকার্যখচিত কথাবার্তা শিক্ষা দেয়। যদি আপনার পালনকর্তা চাইতেন, তবে তারা এ কাজ করত না।

LIKEWISE DID WE MAKE FOR EVERY MESSENGER AN ENEMY,- EVIL ONES AMONG MEN AND JINNS, INSPIRING EACH OTHER WITH FLOWERY DISCOURSES BY

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

WAY OF DECEPTION. IF THY LORD الله HAD SO PLANNED, THEY WOULD NOT HAVE DONE IT: SO LEAVE THEM AND THEIR INVENTIONS ALONE.

और इसी प्रकार हमने मनुष्यों और जिन्नों में से शैतानों को प्रत्येक नबी का शत्रु बनाया, जो चिकनी-चुपड़ी बात एक-दूसरे के मन में डालकर धोखा देते थे - यदि तुम्हारा रब चाहता तो वे ऐसा न कर सकते। अब छोड़ो उन्हें और उनके मिथ्यारोपण को। -
/6/112

72షైతానులను తప్పించుకొని ఉమ్మతు ముహమ్మదియా లో చేరాలి-kaanee ---ఫిర్కా-గ్రూపులలో చేరరాదు-

Commands of Allaahu.swt.

Aal-i-Imraan (3:103)

وَٱعۡتَصِمُواْ بِحَبۡلِ ٱللَّهِ جَمِيعٗا وَلَا تَفَرَّقُواْۚ وَٱذۡكُرُواْ نِعۡمَتَ ٱللَّهِ عَلَيۡكُمۡ إِذۡ كُنتُمۡ أَعۡدَآءٗ فَأَلَّفَ بَيۡنَ قُلُوبِكُمۡ فَأَصۡبَحۡتُم بِنِعۡمَتِهِۦٓ إِخۡوَٰنٗا وَكُنتُمۡ عَلَىٰ شَفَا حُفۡرَةٖ مِّنَ ٱلنَّارِ فَأَنقَذَكُم مِّنۡهَاۗ كَذَٰلِكَ يُبَيِّنُ ٱللَّهُ لَكُمۡ ءَايَٰتِهِۦ لَعَلَّكُمۡ تَهۡتَدُونَ

اللہ تعالیٰ کی رسی کو سب مل کر مضبوط تھام لو اور پھوٹ نہ ڈالو، اور اللہ تعالیٰ کی اس وقت کی نعمت کو یاد کرو جب تم ایک دوسرے کے دشمن تھے، تو اس نے تمہارے دلوں میں الفت ڈال دی، پس تم اس کی مہربانی سے بھائی بھائی ہوگئے، اور تم آگ کے گڑھے کے کنارے پہنچ چکے تھے تو اس نے تمہیں بچا لیا۔ اللہ تعالیٰ اسی طرح تمہارے لئے اپنی نشانیاں بیان کرتا ہے تاکہ تم ہدایت پاؤ

আর তোমরা সকলে আল্লাহর রজ্জুকে সুদৃঢ় হস্তে ধারণ কর; পরস্পর বিচ্ছিন্ন হয়ো না। আর তোমরা সে নেয়ামতের কথা স্মরণ কর, যা আল্লাহ তোমাদিগকে দান করেছেন। তোমরা পরস্পর শত্রু ছিলে। অতঃপর আল্লাহ তোমাদের মনে সম্প্রীতি দান করেছেন। ফলে, এখন তোমরা তাঁর অনুগ্রহের কারণে পরস্পর ভাই

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

ভাই হয়েছ। তোমরা এক অগ্নিকুন্ডের পাড়ে অবস্থান করছিলে। অতঃপর তা থেকে তিনি তোমাদেরকে মুক্তি দিয়েছেন। এভাবেই আল্লাহ নিজের নিদর্শনসমুহ প্রকাশ করেন, যাতে তোমরা হেদায়েত প্রাপ্ত হতে পার।

AND HOLD FAST, ALL TOGETHER, BY THE ROPE WHICH ALLAAHU (STRETCHES OUT FOR YOU), AND BE NOT DIVIDED AMONG YOURSELVES; AND REMEMBER WITH GRATITUDE ALLAAHU'S FAVOUR ON YOU; FOR YE WERE ENEMIES AND HE JOINED YOUR HEARTS IN LOVE, SO THAT BY HIS GRACE, YE BECAME BRETHREN; AND YE WERE ON THE BRINK OF THE PIT OF FIRE, AND HE SAVED YOU FROM IT. THUS DOTH ALLAAHU MAKE HIS SIGNS CLEAR TO YOU: THAT YE MAY BE GUIDED.

और सब मिलकर अल्लाह की रस्सी को मज़बूती से पकड़ लो और विभेद में न पड़ो। और अल्लाह की उस कृपा को याद करो जो तुमपर हुई। जब तुम आपस में एक-दूसरे के शत्रु थे तो उसने तुम्हारे दिलों को परस्पर जोड़ दिया और तुम उसकी कृपा से भाई-भाई बन गए। तुम आग के एक गड्ढे के किनारे खड़े थे, तो अल्लाह ने उससे तुम्हें बचा लिया। इस प्रकार अल्लाह तुम्हारे लिए अपनी आयते खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि तुम मार्ग पा लो

/3/103

100% దీన్ సిర్ఫ్ ఔర్ సిర్ఫ్ "తౌహీదు" నేర్ప్ "మువహ్హిదు"లవద్దనే వుంది-

Commands of Allaahu.swt.

Aal-i-Imraan (3:132)

وَأَطِيعُوا۟ ٱللَّهَ وَٱلرَّسُولَ لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ

اور اللہ اور اس کے رسول کی فرمانبرداری کرو تاکہ تم پر رحم کیا جائے

আর তোমরা আনুগত্য কর আল্লাহ ও রসূলের, যাতে তোমাদের উপর রহমত করা হয়।

AND OBEY ALLAAHU AND THE MESSENGER; THAT YE MAY OBTAIN MERCY.

और अल्लाह और रसूल के आज्ञाकारी बनो, ताकि तुमपर दया की जाए

/3/132

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

——⊱◆◆⊰——..

Commands of Allaahu.swt.

An-Noor (24:56)

وَأَقِيمُواْ ٱلصَّلَوٰةَ وَءَاتُواْ ٱلزَّكَوٰةَ وَأَطِيعُواْ ٱلرَّسُولَ لَعَلَّكُمۡ تُرۡحَمُونَ

نماز کی پابندی کرو، زکوٰۃ ادا کرو اور اللہ تعالیٰ کے رسول کی فرمانبرداری میں لگے رہو تاکہ تم پر رحم کیا جائے

মলা:

~~(নামায)~~ **salah**কায়েম কর, যাকাত প্রদান কর এবং রসূলের আনুগত্য কর যাতে তোমরা অনুগ্রহ প্রাপ্ত হও।

So establish regular Prayer and give regular Charity; and obey the Messenger; that ye may receive mercy.

सला:

~~(नमाज़)~~ **salah** का आयोजन करो और ज़कात दो और रसूल की आज्ञा का पालन करो, ताकि तुमपर दया की जाए

/24/56

(4-రేకాదు)మొత్తం ఇమాములందరూ అల్-కుర్ఆను+ సహీహ్ హదీసులనే ఫాలో అవాలని నుడివిరి-గాని - వాళ్ళవెనకాలరావద్దని తాకీదు warning జేసిరి-

Commands of Allaahu.swt.

An-Nisaa (4:125)

Aal-i-Imraan (3:85)ﷻ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

وَمَنْ أَحْسَنُ دِينًا مِّمَّنْ أَسْلَمَ وَجْهَهُۥ لِلَّهِ وَهُوَ مُحْسِنٌ

وَٱتَّبَعَ مِلَّةَ إِبْرَٰهِيمَ حَنِيفًا وَٱتَّخَذَ ٱللَّهُ إِبْرَٰهِيمَ خَلِيلًا

باعتبار دین کے اس سے اچھا کون ہے؟ جو اپنے کو اللہ کے تابع کر دے اور ہو بھی نیکو کار، ساتھ ہی یکسوئی والے ابراہیم کے دین کی پیروی کر رہا ہو اور ابراہیم (علیہ السلام) کو للہ تعالیٰ نے اپنا دوست بنا لیا ہے

যে আল্লাহরﷻ নির্দেশের সামনে মস্তক অবনত করে সৎকাজে নিয়োজিত থাকে এবং ইব্রাহীমের ধর্ম অনুসরণ করে, যিনি একনিষ্ঠ ছিলেন, তার চাইতে উত্তম ধর্ম কার? আল্লাহﷻ ইব্রাহীমকে বন্ধুরূপে গ্রহণ করেছেন।

Who can be better in religion than one who submits his whole self to Allaahu.ﷻswt., does good, and follows the way of Abraham the true in Faith? For Allaahu.ﷻswt. did take Ibraheem for a friend.

और दीन (धर्म) की स्पष्ट से उस व्यक्ति से अच्छा कौन हो सकता है, जिसने अपने आपको अल्लाहﷻ के आगे झुका दिया और इबराहीम के तरीक़े का अनुसरण करे, जो सबसे कटकर एक का हो गया था? अल्लाहﷻ ने इबराहीम को अपना घनिष्ठ मित्र बनाया था

/4/125

Commands of Allaahu.ﷻswt.

Al-Baqara (2:177)

لَّيْسَ ٱلْبِرَّ أَن تُوَلُّوا۟ وُجُوهَكُمْ قِبَلَ ٱلْمَشْرِقِ وَٱلْمَغْرِبِ

وَلَٰكِنَّ ٱلْبِرَّ مَنْ ءَامَنَ بِٱللَّهِ وَٱلْيَوْمِ ٱلْءَاخِرِ وَٱلْمَلَٰٓئِكَةِ

وَٱلْكِتَٰبِ وَٱلنَّبِيِّۦنَ وَءَاتَى ٱلْمَالَ عَلَىٰ حُبِّهِۦ ذَوِى

ٱلْقُرْبَىٰ وَٱلْيَتَٰمَىٰ وَٱلْمَسَٰكِينَ وَٱبْنَ ٱلسَّبِيلِ وَٱلسَّآئِلِينَ

وَفِى ٱلرِّقَابِ وَأَقَامَ ٱلصَّلَوٰةَ وَءَاتَى ٱلزَّكَوٰةَ وَٱلْمُوفُونَ

بِعَهْدِهِمْ إِذَا عَٰهَدُوا۟ وَٱلصَّٰبِرِينَ فِى ٱلْبَأْسَآءِ وَٱلضَّرَّآءِ وَحِينَ ٱلْبَأْسِ أُو۟لَٰٓئِكَ ٱلَّذِينَ صَدَقُوا۟ وَأُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْمُتَّقُونَ

ساری اچھائی مشرق ومغرب کی طرف منھ کرنے میں ہی نہیں بلکہ حقیقتاً اچھا وہ شخص ہے جو اللہ تعالی پر، قیامت کے دن پر، فرشتوں پر، کتاب پر اور نبیوں پر ایمان رکھنے والا ہو، جو مال سے محبت کرنے کے باوجود قرابت داروں، یتیموں، مسکینوں، مسافروں اور سوال کرنے والے کو دے، غ موں کو آزاد کرے، نماز کی پابندی اور زکوٰۃ کی ادائیگی کرے، جب وعدہ کرے تب اسے پورا کرے، تنگدستی، دکھ درد اور لڑائی کے وقت صبر کرے، یہی سچے لوگ ہیں اور یہی پرہیزگار ہیں

সৎকর্ম শুধু এই নয় যে, পূর্ব কিংবা পশ্চিমদিকে মুখ করবে, বরং বড় সৎকাজ হল এই যে, ঈমান আনবে আল্লাহﷻর উপর কিয়ামত দিবসের উপর, ফেরেশতাদের উপর এবং সমস্ত নবী-রসূলগণের উপর, আর সম্পদ ব্যয় করবে তাঁরই মহব্বতে আত্নীয়-স্বজন, এতীম-মিসকীন, মুসাফির-ভিক্ষুক ও মুক্তিকামী ক্রীতদাসদের জন্যে। আর যারা নামায প্রতিষ্ঠা করে, যাকাত দান করে এবং যারা কৃত প্রতিজ্ঞা সম্পাদনকারী এবং অভাবে, রোগে-শোকে ও যুদ্ধের সময় ধৈর্য্য ধারণকারী তারাই হল সত্যাশ্রয়ী, আর তারাই পরহেযগার।

It is not righteousness that ye turn your faces Towards east or West; but it is righteousness- to believe in Allaahu.ﷻswt. and the Last Day, and the Angels, and the Book, and the Messengers; to spend of your substance, out of love for Him, for your kin, for orphans, for the needy, for the wayfarer, for those who ask, and for the ransom of slaves; to be steadfast in prayer, and practice regular charity; to fulfil the contracts which ye have made; and to be firm and patient, in pain (or suffering) and adversity, and throughout all periods of panic. Such are the people of truth, fearing Allaahu.ﷻswt.-.

नेकी केवल यह नहीं है कि तुम अपने मुँह पूरब और पश्चिम की ओर कर लो, बल्कि नेकी तो उसकी नेकी है जो अल्लाहﷻ अन्तिम दिन, फ़रिश्तों, किताब और नबियों पर ईमान लाया और माल, उसके प्रति प्रेम के बावजूद नातेदारों, अनाथों, मुहताजों, मुसाफ़िरों और माँगनेवालों को दिया और गर्दनें छुड़ाने में भी, और नमाज़ क़ायम की

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

और ज़कात दी और अपने वचन को ऐसे लोग पूरा करनेवाले है जब वचन दें; और तंगी और विशेष रूप से शारीरिक कष्टों में और लड़ाई के समय में जमनेवाले हैं, तो ऐसे ही लोग है जो सच्चे सिद्ध हुए और वही लोग डर रखनेवाले हैं

/2/177

अब बारी है तेलुगु तराजिमकारों का किस्सा—

Quran Translations in tegulu.

"*రిజ్కు"*అంటే జీవాలకు కావలసిన గాలీ,నీళ్ళూ,తిండీ,నిద్రా,లగ్గం,పిల్లా-జల్లా-పీచూ-మేకా-బిడ్డలూ,ఇల్లూ,వాకిలీ-యెండా-నీడా-సూర్యరస్మి-చంద్రకాంతీ-చీకటీ-వెలుగూ-సావూ-బతుకూ-శారీరిక-మానసిక స్వాస్థత-సర్వస్వం-సమస్తం-అని అర్ధం-అన్నీకల్పించగల "కాదరు"-power మాత్రం : అల్లాహు-సుబహానహు వారికే చెల్లు----మట్టిపాడు"రెడ్డమ్మ"కొండకుబోతే-/"కసుమూరు" రొట్టలపండగజేస్కుంటే/ రోజూరోజుకూ పెరిగే "వేనాడు"కు బోతే-/దిగంబర"బరానేషా" / ఉజాలేషా/కుతుబ్షా/ .....బాషా/పా...షా/ "కాలేషా"ల కాడికిబోతే బిడ్డలు పుడతారనేది ఓ సూపర్స్టిషన్-"వహము"-వెర్రి ఆలోచనే!,షైతాను మెలికపెట్టిన ఊహమాత్రమే,. "అల్ హక్కు"-అల్లాహు-సుబహానహు వారు తప్ప -తతిమ్మావన్నీ బాతిలులే----"హక్కు" ముందు బాతిలులు యేమీకొఅగాలేవు!

{{{.....జా.....అల్- హ'క్కు' వ 'జహ'క'ల్ బాతిలు-ఇన్నల్-బాతిల కాన 'జ'హూ'కా..... }}} బోయకొండకూ-తలకోనకూ,వలిగెట్లకూ పెనుగొండలకూ-కానిపాకాలకూ/కీళపాకాలకూ/ మేళపాకాలకూ బోతే-యేం ఫరకు :-యేం వత్యాసం-ఔతాదో? ,అన్నీ అవే -కొన్ని అడ్డంగాపడేసినవే-మరికొన్ని నిటారుగూటాలు- -ఓ కామన్ ఫాక్టర్---యేవీ కదలలేవు- మెదలలేవు -వినలేవూ-పెదవివిప్పి పలకలేవు-చేయెత్తి కొట్టలేవు!-ఈగనుకూడ తోలలేవు!- "కీ-ఫరక్-పేందా" అని మాకు తెలిసిన సర్దార్జీ అంటాడే! ఊహ-భ్రమ-Myth-మాయ-కల్పితం-మానసికరోగం-యేపకాయంతయెట్టి--పిచ్చి-జునూన్-madness-యెండమావి--

వీటన్నిటికీ మందుఇయ్యగల "కాదిరు"-సామర్ధ్యులు- ఆ ఏకైక దేవుడే!

+*+*+*+*+*+*+*+*+*+

షూష్! యెవరికీ చెప్పక!మనలో మాట-కొన్ని గరమాగరమ్ మచ్చుతునకలు- నెల్లూరు-రెహమతాబాదుకు పోయిన ఓ టోలీచౌకీ అమ్మాయికి యేదో చేయరాని " ట్రీట్మెంటు"జేసిన ఓ ముల్లాఘనుడిని హైదరాబాదులోఅరెస్టు జేసినట్లు పేపరులో న్యూస్ **---Tv9 Telugu reported. "A girl named Tabasum Fatima complained in our PS. In her complaint, she said that Hafiz Pasha of Rehmatabad Dargah in**

Aal-i-Imraan (3:85)بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

Nellore has tricked her into marrying him. Fatima from Tolichowki has been receiving treatment at the Nellore Dargah for three years. Relatives of the girl say that Baba had 7 similar marriages in the past......

మూలీసోఃబ్-కు**.......Posco** సంకెళ్ళు **.....**

.....కత కంచికీ-మనం ఇంటికీ**......**

+*+*+*+*+*+*+*+*+*+

Shaharanpur Files-ఇదో గోబ్బర పట్టణమట-గది**,** యెంతో మంది పేద్ద పేద్ద గోప్ప్-గొప్ప బండితుండులకు ఆలవాలమట**---**

-(((ఇక్కడి **finished goods** వోల్ మొత్తం దేశదేశాలకు **export** ఔతారట-యెందుకంటే **factories** లో ఃః**demand** కు మించిన **output -production -** ఎక్కువగా **south** కే ఎగస్పోర్ర్థవుతారట-

Palamaneru ,madanapalle +యెన్నోచోట్ల **+++** "ముఁవహ్హిదు"ల మసీదులను కూల్చివేతలో వీళ్ళ కీలకపాత్ర- వుందని ఎక్సుపర్టు కామెంటేటర్ల ఉవాచ-

కహీ "బుఖారీ కా బుఖార్"((అంటే తౌహీదు-)) చఢేతో ఇలాజ్ కర్తే హై కతీ యే దాష్టిక మూకలు-

సర్ఫిరా-సర్గరమ్ బఢ్చఢ్కర్ హిస్సా లేతే హై కతే- ఐసే ఆహ్ఫ్బరీ-రోబానీ కామోంమే–)))

బెజబ్లేజ్-వాడలో ఓ శాదీసుదా ,పిల్లాజెల్లావాలా **Shaharanpur** షహరన్పూర్ముల్ల **mullaWasef-**వీడికి దీనీఇల్మ్ నేర్చుకొన్నాడట-చందాలకై విజయవాడకు విచ్చేసిఓ మోజన్గారి పంచనజేరి తిన్నఇంటివాసాలుయెంచి **-**లగ్గంపేరుతో ఓ మోజన్ **-**బిడ్డ-అన్బియాహ్**-**కన్యను లేపుకపోయి ,అన్నీ చేసి ఆమె నగలన్నీదోచుకొని **Saharanpur Hatnikund reservoir** లోకి తోసి సంపేడట **-Wasif promised her marriage and started a physical relationship. His wife got to know about it, so he tried to send the victim back to Vijayawada but she refused," the police said.**

Following this, Wasif decided to get rid of her with the help of his friend, Tayyab.They took her to Hatnikund reservoir on the pretext of site seeing and pushed her in. They then stole the gold ornaments of the victim," Vijayawada police said.11-08-2921-Siasat urdu daily-వీడుపిల్లలకు యేసదువులుచెప్తాడబ్బో-అని అబ్బురపడిరిజనాలు-

Tayyab అంటే బెస్టు **best**అని అర్థం**---**వీడేమిటో ఇంత **worst**వర్స్ట్**?**

......tip of the iceberg......తీగెకదిలిస్తే డొంక అంతా అదిరిపడతాదట-మూలీ సాంపుల ముల్లంగిలీలల విపులీకరించుటకు పేజీలుసాలవు-యెన్నో పాటసాలలలో **Sodom-**కౌములూత్ జేసిన పనికినిదర్శనాలు పోలీసురికార్డులలో వుండనేవుండే-మచ్చుతునకలు-

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

The Darkest side of the Teaching Houses And the Teacher preachers/or groper-poachers in dark alleys of Sodom valley- ....

Moolisaanp files from india,

March 13, 2023-:-Kunnamkulam Fast Track Special POCSO Court Judge Lisha S has announced a rare verdict. She sentenced a Madrassa teacher who molested a minor boy to 53 years of rigorous imprisonment and a fine of Rs 60,000 in Thrissur, Kerala. Madrassa Ustad Siddique Bakavi sexually abused the victim since January 2019 until he was caught.

Bakavi sodomized the victim at Pazhunnana, where he lived, and at Pannithadam mosque cum madrassa, where he taught.

.....

some Madrassas and mosques have become dens for sexual atrocities against minors. ...Little girls and LKG.boys ...kaadedee d.....ki Anarhamu....PAALAAKANKULU O DAASAREE ANTE
...RAALINAKADIKIRALNEE ANNADATA AA DAASARI..
YERAKUMEE KASUGAYALU....?????
CHEPPEDI SIRIRANGANEETULOYEE !
DOOREDI DOMARAGUDISELONOYEE !
ABHINAWA DASARIMULLAH MOOOOLAAAH...
YAADIKELLAALAAMAREEEEEEE.
OOORUGAANI OOOLLLLOOOOO MULLANGI DURADA DOOLA YEL ,YEKKADA, TERCHUKOWAALE????
DONT FORGET TO SUBSFRIBE TO OUR MULAAH MOOLY CHANEL.???
DOING ARIJANASEVA

***+*+*+*+*+*+*+*+*+*+*+*+**

800 SALON KA TAWEEL ARSE ME ,TABLEEGH KA ICON ISTEAMAAL HOTAA RAHAA, زر، زمین،زن، MAGAR AFSAUOS! +OFF COURSE/TABLEEGH NAAM KI CHEEZ NAHI, SIRF میراSARPE TOPI BACHA...dalchaa ka handi ke sangaath-woh bhi marakazon me.... Vested interests Zindabeda...

...jiye..bagarakhanaa,marqadi sleep.,markozi doze off, amberpet ka 6number,free boarding and lodging +ecomomical loWcost TOURISM.....،groping,poaching,qaumLooting, PMLA CrowdFund croony

Aal-i-Imraan (3:85) بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

muttifunda,Crony Sadaqaaaaat,oooooperseeeee zzzzZAKAT...not to be forgotten is the Snake Chillis BYTULGOLMAAL.followed by convertion of Loot /Golmaal .....into REAL personal estates....@ at least two places ...one here in the Eretz of the ignorant muscular followers where i am pampered,reverred and showered,and i have a small local house for my immediate PatelyPotla affairs, ,and (2) the Pyaraa Watan where my original lion share big house is..

to which i am connected to umbilically/ Supra(renally) VenaCava with my nostalgics ever pervadingly lingering in my scheming astigmatic keratitik_demonic CPU

Long live BytulGolMaal

****

Muttifund morsel has enticed me like the Shytan and i forgot many things _fundamental

****

jaatasya maranam dhruvam

Kullu nafsin ZaaaeqtulMout..

But alas my lousy mouth is craving depravedly for other Things.......forgetting the imminent Death

****

....Sarwejanaa Sukhinobhawantu....

Allaah tero naam........

Sabko sanmati de Yaa muqallibu,

Wa musarriful quloobi wal Absaar.

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

[[[[[[[ఓ**9**నెంబరు मीसाल ९रोय्यलसीमा नयातुरक९సాయిబుగాని

९ఆప్-భీతీ-**Auto Biography-**९సొంతడబ్బాకొంత वाईमपुड्न,**[[[]]]**చదువరుల

ఎంటర్టేన్మెంటు కోసం-**[[[]][[[]**

w³-Yt-Fb,Wup,X-??????యిత్యాదులన్నీయేంటో**?**అశ్లీలాలుకావా**?**షైతాను సాంగత్యాలుగావా**??** గొల్లమాల-బేటుల్మాల,ముర్తీపెండజకాతుహడపేబాల్గాబావలచేతులలోకూడా**G_5** కానవచ్చు-దర్శకులు నిలదీసిఅడగాలి-**///**ఆరియా మహాశయనా**!!**మీకు,మాట్లాడేదానికి మామూలు కీపేడ్ ఫోను సాలదా**?**అని-

ఇదేంవైపరీత్యమో**?** ప్రళయవిలయందగ్గరాయే-**((**లకద్-జాఅ అష్రాతుహా**)[[[**لقد جاء أشراتها**)]]]the signs of ALQIYAAMA have since appeared prominantly,apparantly for the**

Aal-i-Imraan (3:85) بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

men of foresight/ooooolil absaaaaaar,,,,,,,only the blind can't see,,,

ఇస్లాం మక్కా,మదీనలకే పరిమితమా-**barre kabaaeru lo**గోసాయిగోబర్ గ్యాసు దుమారం చెలరేగే.ఛిలుంగాంజాగూంగార్ఝూమ్నేకే దిన్ ఆహీగయే **naadaan bellam**బాలం**!sajjan,saajan,((**షైతానుయెన్తసిరు**)(**సాతాను గెలిచిగేళిచేస్తాడనే**))**అరబ్బులకథ **CIEFL-EFLU-2001**లో అరబీలో సదివా**-))**

****

Tail piece-లఖనఊ నుండి **350**మిసిలిములు కాలినడకన బాబ్రీవుండినచోటికివచ్చి యేదోతంతునామే **.........**చేసిజన్మధన్యసార్థకులాయేరట**-(**పాపిరస్ న్యూసు**)**

****

కలికాలపోగాలందాపురించిననేను కనను,విననూ,మార్కొననూ అని సిన్నప్పుడు "మిత్రలాబం-మిత్రబేధం"లో సదివి **SSLC1962** తెలుగు ఫస్టుపేపరులో లో **73%** మార్కులుతెచ్చుకోని **ZPHS,Mpl,**లో **2**ప్రైజు కొట్టేసాన్-నాకంటే ఫస్టు,నాముందునిలిచినవాడు-నిమ్మనపల్లినారాయణరేడు-వాడు **SSLC** తో పైసదువులకు ఫుల్స్టాపు పెట్టి,రైతుబిడ్డగ పొలందున్నే-లగ్గంజేస్కోని సంసారంసాగదీసె-

మర్రైతే నాను,డాక్టరు కావాలనీ తిరపతి డబ్బారేకులకాలేజీలో **PUC(BiPC1963)**లోజేరి,కాలేక-రబీంద్రనాథ్ఠాగోర్-గారి-"శాంతినికేత"న్లో బెజవాడగోపాల్రెడ్డిలా నేనూ కొంతసదివి-డిస్కంటిన్యూజేసేసా**1963-64-**అప్పరం-అంటే తమిళ-చిత్తూరు తాటాకుల **GAS college**లో **BSc-BZC(-1968)**అయిందనిపించా-ఇగఉద్యోగపర్వం-**SVU.Tpt,**లో**-MA**డిగ్రీ ప్రైవేటుగా సంపాదిస్తి-అంతకు ముందే ద.భా,హి.ప్రచారసబద్వారా హిందీవిశారద-అయ్యిందనిపించా-మా **Mpl-Zphs-**హిందీపండితుడు-చీరాలసుబ్బారావును మరువలేను-

****

اناھے تو آ راہ مین کچھ پھیر نہی ھے

Aanaa hai to aa raahame kuch pher nahee Hai

Allaha ke ghar derho magar andher nahee hai!

ألله کا گھر دیر ھے اندھیرنھی ھے

ముహమ్మద్ రఫీగారి పుణ్యమా ఈపాట నాహృదయాన్ని హత్తుకొని కలతపేడుతూనే వుంది-ఓదశకం-నల్లచరితం తర్వాత

1978లో కంబం**(Cumbum)**లో "లబ్బైక" చెప్పేసా**!**మధ్యలో జామఆతుల సంపర్కాలలో **30** యేండ్లు వేస్టు-వృధా ఆయే-గొడ్డుదాల్చా-బగారఖాన**(1979**షురూలో రూకలు**1/-**కే ఓప్లేట్**)**తిని బ్రేవ్మని తేపులుతేన్చినా-గలీగలీమే గసాబుసాగస్తీలూ,పిల్లిమొగ్గలూ-మర్కటగంతులూ-మసీదులలో లుంగీలటక్,జంగీఝటక్-లూచేసినా-యెవడూనాకు అరబీగ్రామరునేర్పలే-పైగాకుర్ఆను సదివితే ఆగమాగంఐపోతవ్-అమీరుసెప్పిందేవేదం-అనిరి-ఒకేదైవం-ఒకేగ్రంథం,మరి**72 !**యెందుకోఅని అడిగితే -మాబూజురోగులువేరే-వాళ్ల**BuzRougues** వేరే-అని నీతులుసెప్పిరి-యేదోవెలితి-గా ఫీల్ఔతుంటి--:-అదే తౌహీదు అని పకోడీదాసులుచెప్పిరి-వాళ్లపుస్తకాలలో సిర్ఫు ఔరు సిర్ఫు "కితాబు" వ "సున్నః" ప్రకారం వుంటే -నేనంతవరకు సదివిన **(**చెత్త**)** సాహిత్యాలలో బూజురోగలకతలే మేండకులంతమెండు-ఇగ జామఆకులకు విడాకులూ-

Aal-i-Imraan (3:85)بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

తిలోదకాలూఇచ్చేసి--అరబీరంగంలోకి దూకితి-ఆలిమాన పహల్వానీ చవిజూస్తి-ఇంతవరకూ **5**
0సార్లు హిజరతులుజేయాల్సివచ్చే-ఆఖిరకు నాసొంతఇల్లే వదలాల్సివచ్చే-
అదరాబదరాగొల్లకొండశాలిబండఫిసలబండమేకలబండలపట్నంలో
Urdu-B.A,-2009//చేసి-**MAANU-**ఉర్దూ విశ్వవిద్యాయం**,GachhiBowli,**నుండీ
M,A.URDU-2014--చేసా-**//**
CIEFL-EFLU-నుండీ **Arabic Diplomas (Graduate Level-2000_2004)**పూర్తిగావించి-
కుర్ఆను అర్థంచేసుకోనే ప్రయత్నంలో మష్గూల్-బిజీగా వున్నా-
అరబీనేర్చుకొని **(**కుర్ఆను**)'**పారాయణంచేస్తున్నా-అల్ హమ్దులిల్లాహి-**308**సార్లుపూర్తిచేసా-
ఈముర్దాజీవితంలో మొట్టమొదటి సారిగా **"**ఇత్మినాన్**"**అనుభూతి అంటేయేమిటో ఈకుర్ఆను
చదవటంతోనే కలిగింది-ఇంకేంకావాలినాకు**!**
****
70యేళ్ళ వడివరకూ **10-**డిగ్రీలు సంపాదించా-చివరిది అరబీ డిగ్రీ-లాస్ట్ బట్ దీ బేస్టు-మరి
ఇంకేమీ అవసరంలేదు-
అరబీనేర్చుకోనివాడు پందیکیمیتلوسو پنّیرواسنا
స్వర్గవాసనకూడపొందడనే నా ఫర్మ్ బిలీఫ్-ఐంకా యేమైనా అంటే
గాడిదలుకూడా-,వీడా-నాకొడుకని-యేడుస్తాయని-నోరుమూసుకొంటున్నా,

మిసిలిమిముసిలిమానులారా-అరబీనహు,సర్ఫు**!**కవాఇదు-బలాగః,-నేర్చుకొని జన్మలను
తరింపజేసుకోవచ్చు-
1445 సంవత్సరాలైనా తెలుగులో ఇలాంటిగ్రామర్ బుక్ రాయాలనే తపన యేఆలిములు,
జాలిములూ,గాఫిలకూ కలగలే,
(((ఓకొత్తబిచ్చగాడు- తురకసమాజంకోసం రాసినవి**)))**
మీకోసం తెలుగు-ఆంగ్లభాషలలో అరబీపుస్తకాలు తయారుచేసా-
www.archive.org.telugu books లోకివెల్లి-
అల్లాహు,అరబీ,నహు-సర్ఫు,తజ్వీదు,వ్యాకరణం **-Arabic Grammar,Arabic,Tajeeed,Arabic Syntax,Allaahu,**అనే సర్చ్ టేగ్సు**Search Tags** తో
వెదికితే **........**చాలు-
కోత్తగా ఈకల్లోలసమాజంలోకిసాఅడుగు పెట్టే **9**నెంబర్లారా-
ముందు తోహీదు నేర్చుకోవడం ,ఆపై అరబీ జ్ఞానసముపార్జన మనపై నున్నలాజిమ్,ఫర్దులు-
కర్తవ్యాలు-తర్వాత మూడోది-మనఅంబియాలలా రెక్కాడించి డొక్కాడించండి-ముర్తీఫెండలూ,
ఖైరాతు బిఛ్ఛాలూ-జకాతులుగైకొనకండి-సులేమాను,అ,స.గారుతన వట్టిచేతులతో
ఇనపకవచాలూ,యుద్ధపరికరాలూ తయారుజేసిరే-మరినేను
పిచ్చకుంటలపోషయ్యలా అడుక్కతిని బేగారీ-బెగ్గర్సామ్రాట్టుకావాలా**!**
ఇక్షడ ఆదరాబాదరాలో యెన్నో **9**నెంబర్లనుకలిసా-యెక్కువమందితాము-**9!**నెంబరు
తగిలించుకోవటంతొ అల్లాహుతఆలా పై -మెహర్బానీ చేసినట్లు ఫీల్ఐ కోతలుకోస్తున్నారూ-
జేబులునింపు కొంటున్నారు-కడుపులను నరకాగ్నితో**!---**మహాచేటు--
-అరబీ భాషనేర్చుకున్న **9'**నెంబరు నేనింత వరకూ సూడలే,కనలే,వినలే,---అసలు వాల్ల
రాడార్లలో అరబీలేదే-తౌహీదు మృగ్యం-..దర్గాలకూ,ఆమిలలదగ్గరికిపోయే **9**శాల్తీలనూ కలిశా-

Aal-i-Imraan (3:85)

وَمَن يَبْتَغِ غَيْرَ ٱلْإِسْلَٰمِ دِينًا فَلَن يُقْبَلَ مِنْهُ وَهُوَ فِى ٱلْءَاخِرَةِ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

సహీహ్ హదీలనూనిరాకరించే గొప్ప9నెంబర్లూవుంఢనేవుండే-జమఆతులతో సంసారంగడిపే హాఫ్ బేక్డు కేక్9లనూకలిసా--మొత్తానికి ధనమూలమిదంజగత్తు-**Money makes everything**-న బాప్ బడా ధ మయ్యా సబ్సే బడా రూపయ్యా-అనేసత్యం కరోనాలా,హినీలా కొత్తతీరాలనూ కళుషితంజేస్తోంది:--తెగినగాలిపటంలా,సుక్కానిలేని నావలా కొట్టుకపోతున్నా:--చివరకు తేలేది గుడక గాడే-ఆఅగ్నిగుండంలోనే-దేనినుండి పారిపోయి9లేబల్ తగిలించుకొన్నానో-సగినాలుబలికేబల్లికుడితిలోపడినట్లు-**anthenaaa...**జీవనధ్యేయం మబ్బు-ఘుమమబ్బుమ్ గానే నిలిచే-

నిజానికి ఇస్లాంనిఅమతును నాకు గిఫ్టుజేసిన రబ్బుల్ఆలమీన-అల్లాహు,తఆలా వారికి నేను సదా లొంగి-బంటునై రుణపడివుండాలే-గాని ......కోతలు యమ ఖతరనాక్-**koooyaku,** సాపప్పువేరు కుర్ఆనుది ఇన్నాట్లేసుకోవాలి-బూజురోగుల,,జామఆకులకు దూరంబాబూ-బహుదూరం-వర్నా,ఫలితాలు-నెగటివ్! బెనిఫిట్సు ఈనేలపేనే-అక్కడ హాహాకారాలూ,హాయ్ హాయ్ లే-

చివరిగా-ఇకనైనా వెంటనే "కుర్ఆను"ను "ఇమామ్" గనిలబెట్టుకొని-సరైన"సిరాతుల్ ముస్తకీం"ను **selecet**చేసి "జన్నతు"వేపు **Navigate** చేస్తే -పాతధందాలను దైవం మాఫ్ చేయగలరే-జన్మలు తరింపగలవే-జామఆకులూ,బూజురోగులూ-భూతప్రేతాలఆమిలులూ-మూరకముర్షదులూ-చింతకాయపుంగనూరులూ,నూకలుచెల్లిపోయిన"కుతుబు-అక్తాబు"లూ, "వలీ-ఔలియాలూ-"లూ-అంతా మొహతాజులే-యేసహాయంచేయలేనినిస్సహాయులే-ఆఒక్క అల్లాహు.సుబహానహూ, తప్ప--

ఈరోగాలకు చికిత్స ముహష్విదుల వద్దమాత్రమే వుంది:-

Al-Hujuraat (49:17)

يَمُنُّونَ عَلَيْكَ أَنْ أَسْلَمُوا۟ قُل لَّا تَمُنُّوا۟ عَلَىَّ إِسْلَٰمَكُم بَلِ ٱللَّهُ يَمُنُّ عَلَيْكُمْ أَنْ هَدَىٰكُمْ لِلْإِيمَٰنِ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

આ લોકો તારા ઉપર એહસાન જતાવે છે કે તેઓએ ઇસ્લામને કબૂલ કર્યો કહે કે અમારા ઉપર તમારા ઇસ્લામનો એહસાન ન જતાવો, આ ખુદાનો એહસાન છે કે એણે તમને ઇમાન તરફ હિદાયત કરી અગર તમે (તમારા ઇમાન લાવવાના દાવામાં) સાચા છો.

वे तुमपर एहसान जताते है कि उन्होंने इस्लाम क़बूल कर लिया। कह दो, "मुझ पर अपने इस्लाम का एहसान न रखो, बल्कि यदि तुम सच्चे हो तो अल्लाह ही तुमपर एहसान रखता है कि उसने तुम्हें ईमान की राह दिखाई।-

তারা মুসলমান হয়ে আপনাকে ধন্য করেছে মনে করে। বলুন, তোমরা মুসলমান হয়ে আমাকে ধন্য করেছ মনে করো না। বরং আল্লাহ ঈমানের পথে পরিচালিত করে

Aal-i-Imraan (3:85)﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा

তোমাদেরকে ধন্য করেছেন, যদি তোমরা সত্যনিষ্ঠ হয়ে থাক।

They regard as favour upon you (O Muhammad SAW) that they have embraced Islam. Say: "Count not your Islam as a favour upon me. Nay, but Allahﷻ has conferred a favour upon you, that He has guided you to the Faith, if you indeed are true.

49/17

ఈనాడే అరబీనేర్చుకోవాలా!వద్దా-?

****

Heretical BoozuRogula koo,MurashaduAamilalakoo,Turaga-Daragah lakoo bahudooramlo undawalen-

dabbuto Ayaatulanu amme,mee zakaatulanu lutaainche Raabandulakooo kuchamaa kaasimeelakooo bahu bahu bahu doooooraammmmmmmm.

╲■╱❀╲■╱❀╲■╱

జామఆకుల పెహల్వానీదౌర్జన్యాలను రుచిచూసా,50సార్లు హిజరతుజేసా,
రాయల్ సీ హోటల్ వర్కరు జూపాల్ కు డబ్బులిచ్చి నాపై విషప్రయోగంగావించిరీ-తపేలీతోపీ-పుంగనూరుగాళ్ళు ,ఫలితం గా నాకిడ్నీసు పాడైపోయే-6సంవత్సరాలుగా CKD,గూదరోగంతో బాధపడుతున్నా-ఐనా ఈమంత్రాలచింతకాయగాళ్ళకు తలవంచేదిలేదే,
రోమన్ హోటల్లోగూడా ఇలాంటి విషప్రయత్నమే జేసిరి-అల్లాహు,తఆలా రక్షించారు,..ఇప్పుడు హోటల్లకు నామొగం సూపించటంలేదు,...అన్నిచోట్లా జామఆకులే,

╲■╱❀╲■╱❀╲■╱

╲■╱❀╲■╱❀╲■╱
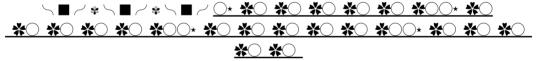
DOCUMENT VERIFIED BY BOWLANNA MUTTIFUNDEWY,@KHANDWA,+SHAH HADAPZAKATY,@INDORE + SHAH BODDE BOKODU BHOPALY@GAWALIOR

DTP BY JIDDUZALOOMANJOGULAN,
WITH TECH SUPPORT FROM ESCIONDIAOEIAPPELRAZ.CCIE.

Aal-i-Imraan (3:85) ﷽

وَمَن يَبۡتَغِ غَيۡرَ ٱلۡإِسۡلَٰمِ دِينٗا فَلَن يُقۡبَلَ مِنۡهُ وَهُوَ فِي ٱلۡأٓخِرَةِ مِنَ ٱلۡخَٰسِرِينَ

And whoever seeks a religion other than Islam, it will never be accepted of him, and in the Hereafter he will be one of the losers.

যে লোক ইসলাম ছাড়া অন্য কোন ধর্ম তালাশ করে, কস্মিণকালেও তা গ্রহণ করা হবে না এবং আখেরাতে সে ক্ষতি গ্রস্ত।

जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा